राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ के आवास पर भगवान गणेश की पूजा-अर्चना करते राज्यपाल संतोष गंगवार एवं अन्य

• बोकारो, मंगलवार 15 सितम्बर 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 121 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

हथियार के बल पर युवक का अपहरण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड की राजधानी रांची में पुलिस ने हथियारों के बल पर अगवा किए गए एक युवक को महज दो घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर लिया। युवक का अरगोड़ा थाना क्षेत्र के कडरू इलाके से रविवार देर रात अपहरण किया गया था। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू की और विशेष टीम ने नगड़ी इलाके में घेराबंदी कर युवक को बदमाशों के चंगुल से मुक्त करा लिया। पुलिस ने युवक को अपनी सुरक्षा में लेने के बाद इलाज और देखभाल के लिए भेज दिया। घटना रविवार देर रात करीब एक बजे की बताई जा रही है। अरगोड़ा थाना क्षेत्र के कडरू इलाके में हथियारों के साथ पहुंचे बदमाशों के एक गुट ने युवक को जबरन अगवा कर लिया। घटना के बाद युवक के परिजन घबराए हुए पुलिस के पास पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी दी। मामले की जानकारी मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने बिना समय गंवाए विशेष टीम का गठन किया। नगर पुलिस अधीक्षक पारस राणा के नेतृत्व में टीम ने तकनीकी सूचना तंत्र और खुफिया जानकारी के आधार पर संदिग्ध ठिकानों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने तकनीकी जानकारी के आधार पर एक संदिग्ध स्थान पर दबिश दी और वहां से अपहृत युवक को बरामद कर लिया। इसके बाद पुलिस ने उसे सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया और तत्काल अपनी सुरक्षा में ले लिया। अधिकारियों के अनुसार युवक को इलाज और जरूरी देखभाल के लिए भेजा गया है। पुलिस अब अपहरण में शामिल आरोपियों की तलाश और पूरे घटनाक्रम की जांच में जुटी है। पुलिस टीम जब उस स्थान पर पहुंची जहां युवक को रखा गया था तो वहां की स्थिति चौंकाने वाली थी। पुलिस के अनुसार अपहृत युवक नग्न अवस्था में पड़ा मिला। उसके साथ अपहरणकर्ताओं ने मारपीट की थी। यह भी जानकारी सामने आई है कि बदमाशों ने युवक की नग्न अवस्था में वीडियो बनाई थी। पुलिस अब अपहरण की वजह, आरोपियों की पहचान और घटना में इस्तेमाल हथियारों समेत अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

एमएमडीआर संशोधन अधिनियम के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जायेगी झारखंड सरकार

हर हाल में सेस हम लेते रहेंगे : वित्त मंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड सरकार के विरोध के बावजूद खान एवं खनिज विकास (एमएमडीआर) संशोधन अधिनियम 2026 राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद कानूनी रूप में आ गया है। इस नये कानून के आने के बाद झारखंड सरकार को दोहरी क्षति हुई है। पहला हेमंत सरकार के द्वारा लगातार केंद्र पर कोयला रॉयल्टी और जमीन लगान का 1.36 लाख करोड़ का बकाया होने का दावा खत्म हो गया है। वहीं दूसरी ओर राज्य सरकार कोई सेस नहीं लगा पायेगी। क्योंकि इस कानून में स्पष्ट है कि कोई भी राज्य खनिज पर कोई सेस नहीं लगाएगा और न ही किसी पिछले बकाए का भुगतान होगा। ऐसे में अब हेमंत सरकार ने इस कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने का निर्णय लिया है। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने केंद्र के खान एवं खनिज विकास संशोधन अधिनियम 2026 को झारखंड के संदर्भ में काला कानून बताते हुए एक बार फिर कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने कहा कि यह संकल्प लिया है कि किसी भी हालत में सेस की राशि लेते रहेंगे और इस कानून के खिलाफ सरकार सुप्रीम कोर्ट से गुहार लगायेगी। उन्होंने कहा कि इसको लेकर तैयारियां पूरी की जा रही है और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने स्वीकृति दे दी है। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि इस संशोधन अधिनियम के लागू हो जाने से झारखंड सरकार का केंद्र पर कोयला रॉयल्टी और जमीन लगान का बकाया 1.36 लाख करोड़ रुपए का दावा खत्म हो गया है। झारखंड सरकार

इसके खिलाफ दोनों फ्रंट पर लड़ेगी। पहला इस मुद्दे को लेकर हम जनता के बीच जाएंगे और दूसरा रास्ता सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने का है। मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि जमीन हमारी, खनिज हमारा और उससे होने वाली आमदनी केंद्र का हो, यह नहीं चलेगा। माइनिंग के बाद ट्रांसपोर्टेशन में सड़कें खराब होती है तो राज्य सरकार बनाए, लोगों का स्वास्थ्य खराब हो हम ठीक करें, पर्यावरण प्रदूषित होता है उसपर हम ध्यान दें और खनिज केंद्र लेकर जाए, ऐसा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि जहां तक सेस की बात है तो हमने सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देश पर झारखंड विधानसभा से पास कराकर इसे लागू किया था। इससे जो हमारी करीब 14000 करोड़ की क्षति होगी, उसे हम किसी भी हालत में लेकर रहेंगे। इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखा था। इसमें कहा था-मैं आपका ध्यान एक गंभीर मुद्दे की ओर आकर्षित कर रहा हूं, जो राज्य के विकास की राह में बाधाएं पैदा कर रहा है। कोयला कंपनियों पर हमारा बकाया 1.36 लाख करोड़ रुपए है। कानून में प्रावधानों और न्यायिक घोषणाओं के बावजूद कोयला कंपनियां भुगतान नहीं कर रही है। ये सवाल आपके कार्यालय, वित्त मंत्रालय और नीति आयोग सहित विभिन्न मंचों पर उठाए गए हैं लेकिन अभी तक यह 1.36 लाख करोड़ का भुगतान नहीं किया गया है। बकाया राशि का भुगतान न होने के कारण झारखंड का विकास और आवश्यक सामाजिक-आर्थिक परियोजनाएं बाधित हो रही हैं। संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि विधायकों से बदसलूकी को विशेषाधिकार हनन में लाने के लिए विधानसभा अध्यक्ष रबींद्रनाथ महतो को एक पत्र लिखा है।

संक्षिप्त समाचार

गैंगस्टर प्रिंस खान का भाई बंटी गिरफ्तार

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। धनबाद पुलिस ने वासेपुर के गैंगस्टर प्रिंस खान के भाई बंटी खान को कोलकाता से गिरफ्तार किया गया है। धनबाद पुलिस की एक स्पेशल टीम उसे कोलकाता से धनबाद लाई। बैंक मोड़ थाना पहुंचने पर पुलिस ने बंटी खान का पैदल परेड कराया। इस दौरान धनबाद के एसएसपी प्रभात कुमार, सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव और ग्रामीण एसपी मो. एस. याकूब भी बैंक मोड़ थाना में मौजूद थे। पुलिस के अनुसार बंटी खान से पूछताछ में कई जरूरी जानकारियां मिली हैं।

30 हाथियों के झुंड ने मचाया उत्पात

गिरिडीह(नबिटा ब्यूरो)। जिले के गांडेय प्रखंड अंतर्गत ताराटांड़ थाना क्षेत्र के पलकिया गांव में रविवार की रात करीब 30 हाथियों के झुंड ने जमकर उत्पात मचाया। हाथियों के झुंड ने गांव में घुसकर कई कच्चे घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया। इस दौरान करीब आधा दर्जन कच्चे घरों के ध्वस्त होने की सूचना है। इसके अलावा हाथियों ने खेतों में लगी धान और मकई की फसल को भी रौंदकर बर्बाद कर दिया। हाथियों के अचानक गांव में पहुंचने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया।

पिकअप-टोटो की टक्कर, वृद्ध की मौत

चाईबासा(नबिटा ब्यूरो)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के डिलीयामार्चा में ईंट भट्ठा के पास पिकअप वाहन और टोटो के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में टोटो सवार 75 वर्षीय जागय पूर्ति की इलाज के दौरान देर रात मौत हो गई। दुर्घटना में एक महिला समेत दो लोग घायल हुए हैं। घायलों में 25 वर्षीय पालो बानरा शामिल हैं। उनके दाएं पैर में गंभीर चोट आई है और पैर टूट गया है। बताया गया कि टोटो में कुल पांच लोग सवार थे जिनमें दो महिलाएं भी शामिल थीं।

टाटा स्टील के पूर्व अधिकारी दसवीं मंजिल से गिरे, मौत

जमशेदपुर(नबिटा ब्यूरो)। जिले के बिरसानगर थाना क्षेत्र के बारीडीह स्थित विजया गार्डन फ़ेज-7 में एक घटना हुई। सोमवार को टाटा स्टील के पूर्व अधिकारी 62 वर्षीय संदीप पाल की दसवीं मंजिल से गिरने के कारण मौत हो गई। इस घटना के बाद इलाके में लोग हैरान रह गए और परिवार में मातम छा गया। जानकारी के मुताबिक संदीप पाल को तुरंत टाटा मुख्य अस्पताल (टीएमएच) ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत बताया। परिजनों ने पुलिस को बताया कि वह कुछ समय से मानसिक तनाव और डिप्रेशन से जूझ रहे थे।

दो ट्रेलरों की भीषण टक्कर में चालक की मौत, एक गंभीर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कोडरमा। झारखंड के कोडरमा घाटी स्थित मेघातरी काली मंडा के पास रविवार देर रात दो ट्रेलरों के बीच हुई भीषण टक्कर में एक चालक की दर्दनाक मौत हो गई जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। शुरुआती जांच में हादसे की वजह पीछे चल रहे ट्रेलर का ढलान पर अचानक ब्रेक फ़ेल होना बताया जा रहा है। टक्कर इतनी जोरदार थी कि आगे चल रहे ट्रेलर के चालक का शरीर दो हिस्सों में बंट गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। टक्कर की तेज आवाज और चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। जानकारी के अनुसार दोनों ट्रेलर रांची की ओर से आ रहे थे और कोडरमा के रास्ते बिहार की तरफ जा रहे थे। मेघातरी के पास ढलान वाली सड़क से गुजरते समय दोनों वाहन एक-दूसरे के आगे-पीछे चल रहे थे। इसी दौरान पीछे चल रहे ट्रेलर का ब्रेक अचानक फ़ेल हो गया। ब्रेक फ़ेल होने के बाद चालक ने वाहन को नियंत्रित करने की काफी कोशिश की लेकिन वह ट्रेलर पर नियंत्रण नहीं रख सका। अनियंत्रित ट्रेलर आगे चल रहे ट्रेलर के केबिन से जा टकराया। टक्कर इतनी भीषण थी कि आगे चल रहे ट्रेलर का चालक केबिन में ही बुरी तरह फंस गया और उसका शरीर दो हिस्सों में विभक्त हो गया। घटना की सूचना मिलते ही कोडरमा घाटी की हाईवे गश्त पुलिस टीम भी राहत और बचाव कार्य के लिए मौके पर पहुंच गई। पुलिस और बचाव दल ने काफी मशक्कत के बाद ट्रेलर के केबिन में फंसे मृत चालक के शव को बाहर निकाला। वहीं गंभीर रूप से घायल दूसरे व्यक्ति को तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया। अस्पताल में घायल का इलाज चल रहा है और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

दुर्गा पूजा में पंडाल से लेकर विसर्जन तक के लिए गाइडलाइन जारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। आगामी दुर्गा पूजा को लेकर रांची जिला प्रशासन ने पूजा समितियों और आयोजकों के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। पंडालों की सुरक्षा, विद्युत एवं अग्नि सुरक्षा, श्रद्धालुओं की आवाजाही, भीड़ प्रबंधन और विसर्जन को लेकर समितियों को नियमों का पालन करने को कहा गया है। प्रशासन ने पूजा समितियों से अपील की है कि वे सभी निर्देशों का पालन करें और पुलिस-प्रशासन को सहयोग दें। गाइडलाइन के अनुसार पंडाल और गेट का निर्माण मकान, गैस गोदाम, ट्रांसफॉर्मर, बिजली के तार, रेलवे लाइन और हाईटेंशन तार से सुरक्षित दूरी पर करना होगा। पंडाल में ज्वलनशील और सिंथेटिक कपड़ों का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। महिला और पुरुष श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग प्रवेश और निकास की व्यवस्था के साथ पर्याप्त चौड़ाई वाले द्वार बनाने होंगे। आपात स्थिति में बाहर निकलने के लिए

अलग निकास की व्यवस्था भी जरूरी होगी। पंडाल की मजबूती को लेकर भवन निर्माण विभाग के संबंधित अभियंता के निर्देशों का पालन करते हुए प्रमाण-पत्र लेना होगा। वहीं सुरक्षित वायरिंग, अर्थिंग और विद्युत नियंत्रण कक्ष की व्यवस्था करनी होगी। पंडालों के लिए स्वीकृत विद्युत भार के आधार पर ही कनेक्शन लेकर विद्युत सजावट की जाएगी। जनरेटर को भी पंडाल से सुरक्षित दूरी पर रखना होगा। अग्नि सुरक्षा पर भी विशेष जोर दिया गया है। पंडाल के अंदर या आसपास ज्वलनशील पदार्थ नहीं रखने होंगे। अग्निशमन यंत्र, पानी और सूखी बालू की बाल्टियां तथा प्राथमिक उपचार की व्यवस्था करनी होगी। संबंधित अग्निशमन पदाधिकारी के निर्देशों का पालन करते हुए अग्नि सुरक्षा संबंधी एनओसी लेना होगा। पूजा समितियों को अपने स्तर से स्वयंसेवक नियुक्त कर उन्हें पहचान पत्र देने होंगे। स्वयंसेवकों की सूची संबंधित थाना प्रभारी को उपलब्ध करानी होगी। फूड स्टॉल और मेला पंडाल से पर्याप्त दूरी पर सक्षम प्राधिकारी की अनुमति से ही लगाया जा सकेगा। पूजा मार्ग पर दुकानदारों को आवागमन बाधित नहीं करने देने और श्रद्धालुओं से किसी तरह का दुर्व्यवहार नहीं करने का निर्देश दिया गया है। भीड़ में छिनतई या पॉकेटमारी करते पकड़े गए व्यक्ति को पुलिस के हवाले करने को कहा गया है। किसी संवेदनशील पोस्ट की सूचना तत्काल पुलिस या प्रशासन को देनी होगी। रांची डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि दुर्गा पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम आवाजाही जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। सभी पूजा समितियां पंडाल, विद्युत और अग्नि सुरक्षा से जुड़े निर्देशों का गंभीरता से पालन करें। साथ ही भीड़ प्रबंधन, सीसीटीवी, ध्वनि नियंत्रण और विसर्जन के निर्धारित नियमों का पालन करते हुए प्रशासन एवं पुलिस का सहयोग करें, ताकि पूजा शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न हो सके।

गंभीर अनियमितताओं पर रीमा सेवा सदन अस्पताल सील

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। अनुमंडल पदाधिकारी संजय पाण्डेय ने सदर अस्पताल के सामने संचालित रीमा सेवा सदन को गंभीर अनियमितताओं और लापरवाही के कारण तत्काल प्रभाव से सील कर दिया। सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार श्रीवास्तव के साथ संयुक्त रूप से की गई इस कार्रवाई में स्वास्थ्य केंद्र के भीतर सुरक्षा मानकों तथा आवश्यक चिकित्सीय सुविधाओं की भारी अनदेखी उजागर हुई। अधिकारियों ने निरीक्षण में पाई गई कमियों को मरीजों की सुरक्षा और जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर माना और चिकित्सा सेवाओं का संचालन तुरंत रोक दिया। प्रशासनिक जांच के दौरान रीमा सेवा सदन का कोई वैध किरायानामा अधिकारियों के समक्ष पेश नहीं किया गया। औचक निरीक्षण के समय अस्पताल के अंदर कोई भी चिकित्सक अथवा स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित नहीं था। इसके अलावा शल्य कक्ष, मरीजों के भर्ती व छुट्टी से संबंधित पंजी, चिकित्सकों के अनिवार्य सहमति पत्र तथा अन्य आवश्यक रिकॉर्ड भी मौके पर उपलब्ध नहीं पाए गए। अस्पताल में जैव चिकित्सा अपशिष्ट के उचित निस्तारण की व्यवस्था असंतोषजनक मिली और इस व्यवस्था की वैधता अवधि भी समाप्त हो चुकी थी। संस्थान में अग्नि सुरक्षा के आवश्यक उपकरण तथा सुरक्षा व्यवस्था का अभाव पाया गया। शल्य कक्ष समेत पूरे परिसर में साफ-सफाई का स्तर बेहद खराब था। शल्य कक्ष में बेहोशी की प्रक्रिया के लिए जरूरी कार्यस्थल भी उपलब्ध नहीं कराया गया था। शल्य चिकित्सा के लिए जरूरी विशेष प्रकाश यंत्र के स्थान पर सामान्य परीक्षण लाइट का इस्तेमाल किया जा रहा था। मरीजों के उपयोग में लाई जाने वाली शल्य मेज गंदी, क्षतिग्रस्त और फटी हुई पाई गई। आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए जरूरी उपकरण, औषधियां और व्यवस्थाएं मौके पर नहीं थीं। अस्पताल परिसर में बिना वैध लाइसेंस के ही दवा दुकान का संचालन किया जा रहा था। कार्रवाई के समय अस्पताल के अंदर शल्य चिकित्सा कराने के बाद स्वास्थ्य लाभ ले रहीं दो महिला मरीज भर्ती पाई गईं। अधिकारियों ने मरीजों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए दोनों महिलाओं को तत्काल मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सुरक्षित रूप से स्थानांतरित करवा दिया।

25 हजार शिक्षकों की नौकरी पर संकट

टीईटी के खिलाफ 22 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन अनशन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड के प्रारंभिक विद्यालयों के शिक्षक टीईटी की अनिवार्यता से राहत की मांग को लेकर 22 अक्टूबर से रांची में अनिश्चितकालीन अनशन शुरू करेंगे। शिक्षकों का कहना है कि टीईटी की अनिवार्यता के चलते राज्य के प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की नौकरी पर खतरा मंडरा रहा है। निशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षकों पर टीईटी अनिवार्य किए जाने को लेकर सर्वोच्च न्यायालय का आदेश आया है। इससे राज्य के करीब 25 हजार शिक्षक सीधे प्रभावित हो रहे हैं। शिक्षकों की मुख्य मांग है कि झारखंड सरकार विधानसभा से शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से मुक्त करने का प्रस्ताव पारित कराए। संघ का कहना है कि सरकार को तमिलनाडु की तर्ज पर प्रस्ताव लाना चाहिए। इसके बाद इस प्रस्ताव को संसद से निर्णय कराने के लिए भारत सरकार के पास भेजा जाए। इस संबंध में अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भी सौंपा है। संघ ने ज्ञापन के साथ तमिलनाडु सरकार की ओर से पारित किए गए प्रस्ताव की प्रति भी उपलब्ध कराई है ताकि झारखंड में भी इसी तरह की पहल की जा सके। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ की राज्य कार्यकारिणी की रविवार को हुई बैठक में अनिश्चितकालीन अनशन शुरू करने का फैसला लिया गया। संघ ने तय किया है कि आंदोलन के साथ-साथ प्रतिनिधिमंडल राज्य सरकार के सभी मंत्रियों से मुलाकात करेगा और उनके सामने शिक्षकों की मांग रखेगा। बैठक में संघ के अध्यक्ष अनूप केसरी, महासचिव राम मूर्ति ठाकुर, संगठन महामंत्री असादुल्लाह और कोषाध्यक्ष संतोष कुमार समेत अन्य पदाधिकारी शामिल हुए। संघ का कहना है कि सरकार से बातचीत के जरिए समाधान निकालने की कोशिश जारी रहेगी लेकिन मांग पूरी नहीं होने पर 22 अक्तूबर से अनिश्चितकालीन अनशन किया जाएगा।

हिंदी जनसरोकार और सांस्कृतिक एकता की भाषा : प्रवीण टोप्पो

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। हिंदी दिवस के अवसर पर रांची के एटीआई सभागार में झारखंड सरकार के कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग की ओर से व्याख्यान एवं काव्यपाठ समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम मौजूद विभागीय सचिव प्रवीण टोप्पो ने कहा कि सुशासन की पहचान सरल हिंदी, आसान प्रक्रियाओं और पारदर्शी व्यवस्था से होती है। सरकारी भाषा जब आम लोगों की समझ में आती है तो योजनाओं और सरकारी सेवाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुंचाना आसान हो जाता है। प्रवीण टोप्पो ने कहा कि सरकारी कार्यालयों में अनावश्यक कठिन शब्दों और जटिल प्रक्रियाओं को कम करने की जरूरत है। इससे आम नागरिकों के लिए सरकारी कामकाज को समझना और अपनी समस्याओं का समाधान पाना आसान होगा। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से जनहित को प्राथमिकता देते हुए सरल भाषा और स्पष्ट कार्यशैली अपनाने की अपील की। सचिव ने कहा कि सरकारी कामकाज में तकनीक के इस्तेमाल से पारदर्शिता बढ़ रही है। ऑनलाइन सेवाओं, समयबद्ध निस्तारण और शिकायतों की निगरानी से हर प्रक्रिया को अधिक स्पष्ट और जवाबदेह बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्था से जनता का सरकारी तंत्र पर भरोसा मजबूत होता है और शासन आम लोगों के और करीब आता है। कार्यक्रम में हिंदी के कई प्रख्यात कवियों और विद्वानों ने अपनी रचनाओं और विचारों के माध्यम से हिंदी की समृद्धि, संवेदनशीलता और व्यापकता को रेखांकित किया।

वक्ताओं ने कहा कि हिंदी केवल संवाद की भाषा नहीं, बल्कि जनसरोकार और सांस्कृतिक एकता का सशक्त माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि हिंदी देश की विभिन्न लोकभाषाओं और बोलियों को अपने भीतर समाहित करते हुए लगातार समृद्ध हुई है। यही विशेषता इसे जन-जन की भाषा बनाती है। कार्यक्रम में काव्यपाठ के लिए डॉ जिंदर सिंह मुंडा, अध्यक्ष, स्नातकोत्तर हिंदी विभाग, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, डॉ केदार सिंह, सेवानिवृत्त प्राध्यापक, विनोबा भावे विश्वविद्यालय, प्रख्यात कवयित्री एवं लेखिका डॉ वंदना टेटे, डॉ सावित्री बड़ाईक, सहायक प्राध्यापक, एसएस मेमोरियल महाविद्यालय और डॉ कुमारी उर्वशी सहित कई हिंदी विद्वान उपस्थित थे। स्वागत संबोधन उप सचिव संजय रजक ने किया। कार्यक्रम में कार्मिक विभाग से संयुक्त निदेशक आसिफ हसन, इश्तियाक अहमद तथा एटीआई से शालिनी खलखो और अपर निदेशक सीमा सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

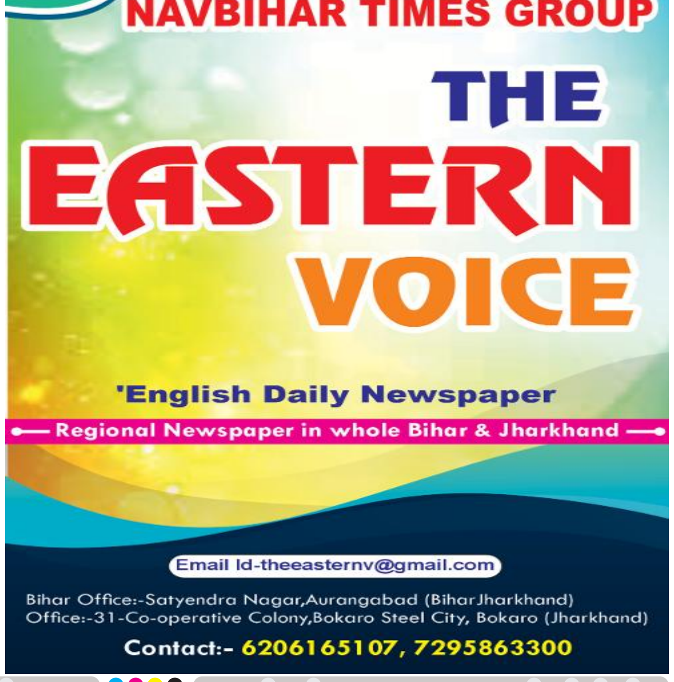

C M Y K

जीटी रोड हादसे के बाद विधायक ने कंपनी प्लांट का किया घेराव

जीटी रोड पर युवक की मौत से भड़का आक्रोश, विधायक ने कंपनी प्रबंधन को घेरा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग)। जीटी रोड स्थित बारा महूदी के समीप सड़क हादसे में बारा निवासी रंजन कुमार सिंह, पिता बालेश्वर सिंह की मौत के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। मामले को गंभीरता से लेते हुए सोमवार को विधायक मनोज कुमार यादव ने पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए पाण्डेयबारा स्थित सड़क निर्माण कंपनी के प्लांट का घेराव किया। घेराव के दौरान विधायक ने कंपनी प्रबंधन के समक्ष सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि जीटी रोड पर जगह-जगह बने गहरे गड्ढे राहगीरों और वाहन चालकों के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं। सड़क की उचित देखरेख नहीं होने के कारण लगातार दुर्घटनाओं का खतरा बना हुआ है। विधायक ने कंपनी प्रबंधन से वार्ता कर मृतक के परिजनों को तत्काल उचित मुआवजा देने की मांग की। साथ ही जीटी रोड पर बने गड्ढों को शीघ्र भरने और अधूरे निर्माण कार्य को अविलंब पूरा करने का स्पष्ट निर्देश दिया। विधायक के कड़े रुख के बाद कंपनी प्रबंधक ने परिजनों को निर्धारित मुआवजा राशि जल्द उपलब्ध कराने पर सहमति जताई और सड़क की समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। मृतक के परिजनों से मिले विधायक, हरसंभव मदद का भरोसा कंपनी प्लांट के घेराव के बाद विधायक मनोज कुमार यादव बारा स्थित मृतक रंजन कुमार सिंह के आवास पहुंचे। उन्होंने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर घटना पर गहरा दुख जताया और उन्हें ढांढस बंधाया। विधायक ने परिजनों को भरोसा दिलाया कि इस दुख की घड़ी में वे उनके साथ खड़े हैं और हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास करेंगे। मौके पर विधायक प्रतिनिधि राजदेव यादव, ब्रह्मर्षि समाज के अध्यक्ष सुधीर सिंह, समाजसेवी रामचंद्र सिंह, मनोज सिंह, पप्पू सिंह, संदीप सिंह, सुबोध सिंह, सियाराम सिंह, दीपक सिंह सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद थे।

खंडोली डैम में नाव संचालन को लेकर विवाद, लाइसेंसधारियों के बीच टकराव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । खंडोली डैम में नाव संचालन को लेकर लाइसेंसधारी संचालकों के बीच जगह को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। आरोप है कि दूसरे स्थान के कुछ लाइसेंसधारी कथित रूप से खंडोली डैम में निर्धारित संचालन क्षेत्र में हस्तक्षेप कर रहे हैं, जिससे स्थानीय नाव संचालकों में नाराजगी है। वहीं, बुढ़वा आहार-पचम्बा के कुछ लाइसेंसधारियों को खंडोली डैम में जगह उपलब्ध कराने को लेकर कथित राजनीतिक संरक्षण की चर्चा भी सामने आ रही है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। आरटीआई कार्यकर्ता सुशील हांसदा ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से पूरे मामले की जांच की मांग की है। उन्होंने लाइसेंस, परमिट, संचालन क्षेत्र और विभागीय आदेशों की स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि नियम सभी लाइसेंसधारियों के लिए समान रूप से लागू होना चाहिए। साथ ही राजनीतिक दबाव या संरक्षण की चर्चाओं की भी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

मांडू विधायक निर्मल महतो की मां झुनिया देवी की दूसरी पुण्यतिथि पर सेवा कार्यों से दी गई श्रद्धांजलि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मांडू (रामगढ़)। सांसद मनीष जायसवाल ने प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर किया नमन, जरूरतमंदों में बांटे कंबल, एंबुलेंस सेवा का हुआ शुभारंभ। जिले के मांडू प्रखंड क्षेत्र के बुमरी पंचायत के भद्वाटांड़ गांव में स्व झुनिया देवी ग्रामीण विकास फाउंडेशन की ओर से स्व झुनिया देवी की द्वितीय पुण्यतिथि पर स्मरण एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता सह हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल शामिल हुए। स्व झुनिया देवी की स्मृति को नमन करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता सह हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने आजसू पार्टी के वरिष्ठ नेता सह मांडू विधायक निर्मल महतो की माता स्व झुनिया देवी की स्मृति में स्थापित प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इस दौरान उन्होंने विधायक एवं ग्रामीणों के साथ जरूरतमंद परिवारों के बीच कंबल का वितरण भी किया गया। हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि जरूरतमंदों और असहाय लोगों के साथ खड़ा होना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सहयोग और संवेदना पहुंचाना ही सच्ची मानव सेवा है। दिवंगत परिजनों की स्मृति को समाजसेवा से जोड़ना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। कार्यक्रम में स्व झुनिया देवी ग्रामीण विकास फाउंडेशन द्वारा जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए एंबुलेंस सेवा का शुभारंभ भी किया गया। सांसद मनीष जायसवाल ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एंबुलेंस की उपलब्धता बेहद महत्वपूर्ण है। यह सेवा जरूरतमंद मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाने में सहायक होगी। मौके पर सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र नारायण सिंह सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

गणेश पूजा की तैयारियां तेज

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। आगामी गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर जिले में शांति, सुरक्षा और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। इसी क्रम में पचम्बा थाना परिसर में एक महत्वपूर्ण शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों और पूजा समितियों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। बैठक की अध्यक्षता साइबर थाना प्रभारी (सह पचम्बा थाना इंस्पेक्टर प्रभारी) रमेश्वर महतो ने की, जबकि संचालन पचम्बा थाना प्रभारी राजीव कुमार के नेतृत्व में हुआ। विसर्जन रूट और दिशा निर्देशों पर चर्चा बैठक के दौरान गणेश प्रतिमा विसर्जन को लेकर निर्धारित रूट, समय-सारणी और सुरक्षा व्यवस्था पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रशासन ने सख्त निर्देश दिए हैं कि डीजे पर पाबंदीः जुलूस के दौरान किसी भी प्रकार के अश्लील या आपत्तिजनक गाने नहीं बजाए जाएंगे। बैठक में स्थानीय जनप्रतिनिधि व प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे, जिनमें वार्ड नंबर 1 के पार्षद अनिल गुप्ता, वार्ड नंबर 5 के पार्षद समरीदीप, पूर्व वार्ड पार्षद नूर अहमद, सिराज अंसारी, पंचायत समिति सदस्य अमीर अली, हारून रसीद, अजय चौहान, प्रेरणा तिवारी, जितेंद्र कुमार गुप्ता, बारीक अंसारी और अजय कुमार राय मुख्य रूप से शामिल थे।

होमगार्ड जवानों के हक की लड़ाई सड़क से सदन तक लड़ेंगे जयराम महतो

रामगढ़ (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा पार्टी रामगढ़ के जिला सचिव सुरेंद्र महतो ने कहा कि धनबाद में झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष रवि मुखर्जी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के सुप्रीमो सह डुमरी विधायक जयराम महतो से मुलाकात की गई। प्रदेश के करीब 22 हजार होमगार्ड जवानों से जुड़ी विभिन्न मांगों को प्रमुखता से रखी गईप्रतिनिधिमंडल ने होमगार्ड जवानों को महंगाई भत्ते से जोड़ने, आठवें वेतन आयोग का लाभ देने, 365 दिन ड्यूटी सुनिश्चित करने तथा भविष्य निधि का लाभ देने की मांग रखी। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि कोरोना महामारी, बाढ़, आपदा, कानून-व्यवस्था सहित विभिन्न महत्वपूर्ण परिस्थितियों में होमगार्ड जवान पूरी जिम्मेदारी दी गई। समर्पण के साथ अपनी कर्तव्य निभाते हैं। इसके बावजूद उन्हें सालभर रोजगार से वंचित रखना उचित नहीं है। प्रतिनिधिमंडल ने प्रश्न उठाए गए कि एक ओर मॉडल बिल कानून बनाने पर विचार किया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर 365 दिन के कर्तव्य पालन सुनिश्चित करने की मांग पर आपत्ति जताई जाती है। यह कैसा न्याय हैं?। जयराम महतो ने प्रतिनिधिमंडल की सभी बातें को गंभीरता से सुनी गई। होमगार्ड जवानों की समस्याओं पर चिंता व्यक्त की गई। विभाग की ओर से जवानों के साथ हो रही अनदेखी को गंभीरता से लिया जाएगा।

गणपति की भक्ति में रंगा श्री कृष्ण विद्या मंदिर

रामगढ़ (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। श्री कृष्ण विद्या मंदिर में आज गणेश चतुर्थी का पर्व श्रद्धा, उल्लास और सांस्कृतिक चेतना के अद्भुत समन्वय के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की विशेष प्रार्थना सभा से हुआ, जहां विघ्नहर्ता के चरणों में श्रद्धा के पुष्प अर्पित हुए एवं आरती की लौ से वातावरण आलोकित हो उठा। विद्यार्थियों को गणेश चतुर्थी के धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व से अवगत कराया गया। उन्हें बताया गया कि भगवान गणेश बुद्धि, विवेक, ज्ञान, शुभारंभ एवं विघ्न विनाश के प्रतीक हैं। समारोह का सबसे मनोहारी एवं आकर्षक दृश्य विद्यालय के इस विशाल मैदान में देखने को मिला, जहां विभिन्न सदनों के बच्चों ने अद्भुत सामूहिक समन्वय तथा रचनात्मक कौशल का परिचय देते हुए स्वयं को इस प्रकार व्यवस्थित किया कि ऊपर से देखने पर छात्रों की श्रृंखला भगवान गणपति की एक विशाल आकृति में परिवर्तित हो गई। उत्सव की सांस्कृतिक गरिमा को और अधिक मनोहारी बनाते हुए कक्षा छठी से आठवीं की छात्राओं ने गणपति गीत पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। इस पावन अवसर को विद्यार्थियों की प्रतिभा के सम्मान से भी जोड़ा गया। विगत दिनों आयोजित पेंटिंग एवं कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले नर्सरी से कक्षा पांचवी तक के बच्चों को विद्यालय की प्राचार्या गुरप्रीत कौर, उप प्रधानाचार्य विजय तिवारी तथा अन्य वरिष्ठ शिक्षकों द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष आनंद अग्रवाल (अधिवक्ता) ने सभी को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं देते हुए अपने प्रेरणादायी संदेश में कहा कि जिस प्रकार आज हमारे विद्यार्थियों ने एकजुट होकर गणपति की विराट आकृति साकार की है।

मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के निधन से पूरे झारखंड को भारी नुकसान : अध्यक्ष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। झारखंड के मंत्री एवं गिरिडीह विधायक सुदिव्य कुमार सोनू के आकस्मिक निधन से पूरा गिरिडीह ही नहीं, बल्कि पूरा झारखंड शोक में डूबा है। उनके निधन से विकास की राजनीति को गहरा आघात पहुंचा है। सोमवार को एकता कल्चरल फाउंडेशन के तत्वावधान में सिहोडीह स्थित कविता बैंक्वेट हॉल में भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर दिवंगत मंत्री को श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। फाउंडेशन के चेयरमैन राजेश सिन्हा ने कहा कि सुदिव्य कुमार सोनू के आकस्मिक निधन से गिरिडीह और झारखंड को अपूरणीय क्षति हुई है। आज पूरा राज्य शोक की लहर में डूबा हुआ है। वहीं फाउंडेशन के अध्यक्ष बब्लू सानु ने कहा कि सुदिव्य कुमार सोनू जैसा जनप्रतिनिधि दोबारा मिलना आसान नहीं होगा। उन्होंने बहुत कम समय में गिरिडीह के विकास के लिए उल्लेखनीय कार्य किए और विकास की गति को नई दिशा दी। महासचिव पंकज शर्मा ने कहा कि सुदिव्य कुमार सोनू के व्यक्तित्व और जनसेवा की जितनी प्रशंसा की जाए, कम है। उनके निधन से समाज ने एक संवेदनशील और विकास के प्रति समर्पित जनप्रतिनिधि खो दिया है। अधिकारी संजू खान ने कहा कि विकास पुरुष को खोने का दुख शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता।श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत मंत्री की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा उनके परिजनों को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की कामना की। इस अवसर पर एकता कल्चरल फाउंडेशन के अध्यक्ष बब्लू सानु, महासचिव पंकज शर्मा, सचिव कासीम खान, कोषाध्यक्ष मोहम्मद तैय्यब, मैनेजर ताहिर ईमाम, विक्रम शर्मा, अल्ताफ मुन्ना, कदीर, अजमल मिर्जा, मकशुद, टिंकू खां, शमीम, मुजम्मिल अख्तर, नवाजिश अख्तर, सुभाष कुमार, संजय कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

निर्जला व्रत, सोलह श्रृंगार और शिव-पार्वती की आराधना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। देशभर के साथ सोमवार को गिरिडीह में भी हरतालिका तीज का पर्व श्रद्धा, आस्था और भक्ति के साथ मनाया जा रहा है। पर्व को लेकर सुहागिन महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। महिलाओं ने पति की लंबी आयु, अखंड सौभाग्य, सुख-समृद्धि और सुखी दांपत्य जीवन की कामना को लेकर निर्जला व्रत रखा। वहीं अविवाहित कन्याओं ने भी मनचाहा वर प्राप्त करने की कामना से तीज का व्रत किया। हरतालिका तीज को लेकर सुबह से ही घरों में पूजा अर्चना की तैयारियां शुरू हो गईं। महिलाओं ने स्नान के बाद स्वच्छ वस्त्र धारण कर व्रत का संकल्प लिया। इसके बाद पूजा स्थल की साफ सफाई कर चौक बनाया गया। परंपरा के अनुसार मिट्टी अथवा बालू से भगवान शिव, माता पार्वती और भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा अर्चना की गई। पूजन के लिए कलश, रोली, अक्षत, चंदन, फूल, बेलपत्र, धूप, दीप, कपूर, फल, मिठाई, नारियल, पान सुपारी, सिंदूर सहित विभिन्न पूजन सामग्री की व्यवस्था की गई। महिलाओं ने सोलह श्रृंगार कर शिव-पार्वती की पूजा की और अपने सुहाग की मंगलकामना की। शिव पार्वती की पूजा कर सुनी व्रत कथा पूजा के दौरान सबसे पहले भगवान गणेश का पूजन किया गया। इसके बाद कलश पूजन कर भगवान शिव और माता पार्वती का आवाहन किया गया।

युवा कांग्रेस को बूथ स्तर तक मजबूत करने का संकल्प

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिला युवा कांग्रेस कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक सोमवार को जिला अध्यक्ष मोहम्मद सोहेल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में जिला प्रभारी आशुतोष राय एवं सह-प्रभारी आकीब जावेद मुख्य रूप से मौजूद रहे। बैठक में संगठन विस्तार के साथ जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर आगे की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक की शुरुआत से पहले गिरिडीह विधायक सह झारखंड सरकार के मंत्री स्वर्गीय सुदिव्य कुमार सोनू को युवा कांग्रेस की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यकर्ताओं ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इसके बाद हुई कार्यकारिणी की बैठक में युवा कांग्रेस को गांव, पंचायत, प्रखंड और बूथ स्तर तक मजबूत करने, अधिक से अधिक युवाओं को संगठन से जोड़ने तथा कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। साथ ही आम जनता से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाने की रणनीति भी तय की गई। जिला अध्यक्ष मोहम्मद सोहेल ने कहा कि गिरिडीह युवा कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत और प्रभावशाली बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम करेगी। कांग्रेस की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के साथ आम लोगों की समस्याओं और अधिकारों की आवाज को मजबूती से उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि संगठन विस्तार के साथ युवा कांग्रेस का मुख्य उद्देश्य जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझना और उनके समाधान के लिए संघर्ष करना है। महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा, रोजगार, किसान और मजदूरों से जुड़े मुद्दों सहित आम लोगों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा। सोहेल ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे गांव से लेकर बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करें और पार्टी की नीतियों को आम लोगों तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि अन्याय के खिलाफ संघर्ष और जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए युवा कांग्रेस हमेशा मजबूती से खड़ी रही है और आगे भी जरूरतमंद एवं पीड़ित लोगों की आवाज बनकर संघर्ष करती रहेगी। बैठक में जिला युवा कांग्रेस के पदाधिकारी, विधानसभा अध्यक्ष, प्रखंड अध्यक्ष सहित विभिन्न स्तर के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

प्रथम महापौर सुनील पासवान के आवास पर गूंजे गणपति बप्पा के जयकारे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर गिरिडीह नगर निगम के प्रथम महापौर सुनील पासवान के आवास पर भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई। इस दौरान पूरे विधि-विधान एवं श्रद्धाभाव के साथ गणपति भगवान की पूजा-अर्चना की गई। पूजा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं स्थानीय लोग शामिल हुए। गणेश प्रतिमा स्थापना के मौके पर निवर्तमान विधायक निर्भय साहाबादी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। इस दौरान श्रद्धालुओं ने गणपति बप्पा मोरया के जयकारे लगाए, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। प्रथम महापौर सुनील पासवान ने कहा कि भगवान गणेश विघ्नहर्ता और मंगलकर्ता हैं। उनके आगमन से घर-परिवार में सुख, शांति और समृद्धि का संचार होता है। उन्होंने सभी लोगों को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं देते हुए आपसी भाईचारे एवं सौहार्द के साथ पर्व मनाने की अपील की। वहीं, निर्भय साहाबादी ने भी गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान गणेश सभी के जीवन से विघ्न दूर करें और समाज में सुख-शांति एवं समृद्धि का वातावरण कायम हो। पूजा-अर्चना के बाद प्रसाद का वितरण भी किया गया।

मंटू मुर्मू पर हमले के मामले में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग सख्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। प्रदेश सह मंत्री, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से जुड़े मंटू मुर्मू पर हुए कथित प्राणघातक हमले, जातिगत अपमान एवं उत्पीड़न के मामले में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) ने गंभीरता दिखाई है। आयोग ने गिरिडीह के पुलिस अधीक्षक को नोटिस जारी कर पूरे मामले में की गई कार्रवाई की जानकारी सात दिनों के भीतर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। आयोग की ओर से 14 सितंबर 2026 को जारी नोटिस में कहा गया है कि मंटू मुर्मू, पिता शुकरा मुर्मू, ग्राम जोधपुर, थाना ताराटांड़, जिला गिरिडीह द्वारा 23 अगस्त 2026 को शिकायत भेजी गई थी। शिकायत में हमले, जातिगत अपमान एवं उत्पीड़न के आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच और कानूनी कार्रवाई की मांग की गई थी। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने संविधान के अनुच्छेद 338क के तहत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मामले की जांच/अन्वेषण करने का निर्णय लिया है। आयोग ने गिरिडीह एसपी से आरोपों और मामले में अब तक की गई कार्रवाई से संबंधित सूचना सात दिनों के अंदर आयोग को भेजने को कहा है। जवाब नहीं मिला तो जारी हो सकता है समन नोटिस में आयोग ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि निर्धारित अवधि में जवाब प्राप्त नहीं होने पर आयोग संविधान के अनुच्छेद 338क के तहत प्राप्त सिविल न्यायालय की शक्तियों का प्रयोग कर सकता है।

शहीद सैनिकों की आत्मा की शांति के लिए 1518 किमी पैदल यात्रा, गिरिडीह पहुंचे गनी बाबा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। सरहद पर देश की रक्षा करते हुए शहीद हुए सैनिकों की आत्मा की शांति की कामना लेकर एक अनूठे धार्मिक अभियान पर निकले गुणवंत जोशी उर्फ हगनी बाबा 1518 किलोमीटर की पदयात्रा कर सोमवार को गिरिडीह पहुंचे। गंगोत्री धाम से पवित्र जल लेकर पैदल यात्रा कर रहे गनी बाबा का गिरिडीह पहुंचने पर शिवभक्तों ने श्रद्धा और उत्साह के साथ भव्य स्वागत किया। गनी बाबा ने बताया कि उनका संकल्प गंगोत्री से जल लेकर बाबा वैद्यनाथ धाम पहुंचकर जलाभिषेक करने और इसके बाद बाबा बासुकीनाथ धाम में भी जलाभिषेक करने का है। इसके बाद वे गुजरात स्थित बाबा नागेश्वर धाम के लिए रवाना होंगे। वहां भी शहीद सैनिकों की आत्मा की शांति के लिए जलाभिषेक करेंगे। उन्होंने कहा कि सीमा पर तैनात सैनिक अपनी जवानी और जिंदगी देश की सुरक्षा के लिए कुर्बान कर देते हैं। ऐसे ही देश के लिए शहीद हुए 20 सपूतों की आत्मा की शांति के लिए उन्होंने यह यात्रा शुरू की है। उनके मुताबिक यह उनके लिए एक छोटा-सा प्रयास है, जिसके माध्यम से वे देश के वीर सपूतों के प्रति श्रद्धा और सम्मान अर्पित करना चाहते हैं। गिरिडीह में मिले स्वागत और सम्मान से अभिभूत गनी बाबा ने कहा कि यहां के लोग बेहद अच्छे और सहयोगी हैं। रास्ते भर उन्हें लोगों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा कि लंबी पदयात्रा के दौरान कभी किसी चीज की कमी महसूस नहीं हुई। जहां भी जाते हैं, लोग श्रद्धा से उनकी मदद करते हैं। यह सब भोले बाबा की कृपा है। धनबाद जिले के धोवाटांड़, शास्त्री नगर निवासी गुणवंत जोशी ब्रह्मचर्य जीवन व्यतीत कर रहे हैं। पेशे से वे मैकेनिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्र से जुड़े हैं। इसके बावजूद देश के शहीद सैनिकों के प्रति श्रद्धा और भगवान शिव में आस्था को लेकर उन्होंने हजारों किलोमीटर की कठिन पदयात्रा का संकल्प लिया है।

श्रद्धा-भक्ति से गूंजा कबीर ज्ञान मंदिर, धूमधाम से मना सद्गुरु मां ज्ञान का जन्मोत्सव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। भाद्र शुक्ल चतुर्थी के पावन अवसर पर सोमवार को श्री कबीर ज्ञान मंदिर, गिरिडीह में परम वंदनीया सद्गुरु माँ ज्ञान का दिव्य जन्मोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। जन्मोत्सव को लेकर सुबह से ही आश्रम परिसर में भक्तों और श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही। देश-विदेश से पहुंचे श्रद्धालुओं की मौजूदगी से पूरा परिसर आध्यात्मिक वातावरण में डूबा रहा। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः आठ बजे गुरुपूजन, भजन कीर्तन एवं बधाई अर्पण के साथ हुई। श्रद्धालुओं ने सद्गुरु माँ के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित करते हुए मंगलकामना की। इसके बाद दोपहर 12 बजे दीक्षा एवं मुंडन संस्कार का आयोजन किया गया। दोपहर दो बजे आश्रम परिसर में विशेष यज्ञ-हवन एवं कथा का आयोजन हुआ। वैदिक मंत्रोच्चार और गुरुभक्ति के उद्घोष से पूरा परिसर गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं ने यज्ञ में आहुति देकर विश्व शांति, लोकमंगल, सामाजिक सद्भाव एवं जनकल्याण की कामना की। यज्ञ-हवन के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और आध्यात्मिक ऊर्जा देखने को मिली। तत्क्षण भाव-अभिव्यक्ति प्रतियोगिता ने मोहा मन अपराह्न चार बजे सद्गुरु माँ ज्ञान के भजनों पर आधारित तत्क्षण भाव-अभिव्यक्ति प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें प्रतिभागियों ने भक्ति और भावनाओं से ओत-प्रोत प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। अमृतमय वचनों से मिली जीवन को दिशा संध्या छह बजे आध्यात्मिक प्रवचन का आयोजन हुआ। इस दौरान सद्गुरु माँ के अमृतमय वचनों और आध्यात्मिक संदेशों के माध्यम से जीवन में सदाचार, आत्मचिंतन, सेवा और लोककल्याण के महत्व पर प्रकाश डाला गया। श्रद्धालुओं ने पूरे मनोयोग से प्रवचन का श्रवण किया। एआई नाट्य-मंचन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां रात्रि आठ बजे सद्गुरु माँ ज्ञान के जीवन एवं आध्यात्मिक यात्रा पर आधारित विशेष एआई नाट्य-मंचन प्रस्तुत किया गया। इसके साथ ही हामनुस्मृति में नारीद्ध नाटक एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में आध्यात्मिक संदेश के साथ कला और तकनीक का अनूठा संगम देखने को मिला। रात्रि दस बजे डाडिया नृत्य एवं महाआरती का आयोजन किया गया। भक्तों ने उत्साहपूर्वक डाडिया में भाग लिया और इसके बाद महाआरती में शामिल होकर सद्गुरु माँ के प्रति अपनी श्रद्धा निवेदित की। मंगलमय वातावरण में कार्यक्रम का समापन हुआ। अध्यात्म और साहित्य साधना का अनूठा संगम उल्लेखनीय है कि सद्गुरु माँ ज्ञान का जन्म वर्ष 1960 में गिरिडीह में हुआ। मात्र 15 वर्ष की आयु में उन्होंने संन्यास का संकल्प लेकर अध्यात्म और लोककल्याण का मार्ग चुना। वर्ष 1985 में उन्होंने गिरिडीह में श्री कबीर ज्ञान मंदिर आश्रम की स्थापना की। अध्यात्म के साथ साहित्य साधना के क्षेत्र में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान बताया जाता है। उन्होंने श्रीमद्भगवद्गीता पर आठ खंडों और लगभग 4500 पृष्ठों में ह्यागीता ज्ञान दर्पणद्ध भाष्य तथा कबीर साहेब की बीजक टीका का लेखन किया है। सद्गुरु माँ ज्ञान के जन्मोत्सव के अवसर पर दिनभर चले धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों ने श्रद्धालुओं को भक्ति, ज्ञान और लोकमंगल की भावना से जोड़ा। पूरे आयोजन के दौरान आश्रम परिसर सद्गुरु माँ की भक्ति और जयघोष से गुंजायमान रहा।

दुर्गा पूजा में पंडाल से लेकर विसर्जन तक के लिए गाइडलाइन जारी

रात 10 बजे से लाउडस्पीकर पर रोक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। आगामी दुर्गा पूजा को लेकर रांची जिला प्रशासन ने पूजा समितियों और आयोजकों के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। पंडालों की सुरक्षा, विद्युत एवं अग्नि सुरक्षा, श्रद्धालुओं की आवाजाही, भीड़ प्रबंधन और विसर्जन को लेकर समितियों को नियमों का पालन करने को कहा गया है। प्रशासन ने पूजा समितियों से अपील की है कि वे सभी निर्देशों का पालन करें और पुलिस-प्रशासन को सहयोग दें।

गाइडलाइन के अनुसार पंडाल और गेट का निर्माण मकान, गैस गोदाम, ट्रांसफॉर्मर, बिजली के तार, रेलवे लाइन और हाईटेंशन तार से सुरक्षित दूरी पर करना होगा। पंडाल में ज्वलनशील और सिंथेटिक कपड़ों का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। महिला और पुरुष श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग प्रवेश और निकास की व्यवस्था के साथ पर्याप्त चौड़ाई वाले द्वार बनाने होंगे। आपात स्थिति में बाहर निकलने के लिए अलग निकास की व्यवस्था भी जरूरी होगी। पंडाल की मजबूती को लेकर भवन निर्माण विभाग के संबंधित अभियंता के निर्देशों का पालन करते हुए प्रमाण-पत्र लेना होगा। वहीं, सुरक्षित वायरिंग, अर्थिंग और विद्युत नियंत्रण कक्ष की व्यवस्था करनी होगी। पंडालों के लिए स्वीकृत विद्युत भार के आधार पर ही कनेक्शन लेकर विद्युत सजावट की जाएगी। जनरेटर को भी पंडाल से सुरक्षित दूरी पर रखना होगा।

अग्नि सुरक्षा पर भी विशेष जोर दिया गया है। पंडाल के अंदर या आसपास ज्वलनशील पदार्थ नहीं रखने होंगे। अग्निशमन यंत्र, पानी और सूखी बालू की बाल्टियां तथा प्राथमिक उपचार की व्यवस्था करनी होगी। संबंधित अग्निशमन पदाधिकारी के निर्देशों का पालन करते हुए अग्नि सुरक्षा संबंधी एनओसी लेना होगा।

विधायक जयराम महतो को कोर्ट से बड़ी राहत, अग्रिम जमानत मंजूर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। विधायक जयराम महतो को धनबाद की एमपी-एमएलए विशेष अदालत से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने जयराम महतो की अग्रिम जमानत याचिका स्वीकार कर ली है। बरवाअड्डा थाने में दर्ज मामले को लेकर उनकी अग्रिम जमानत पर सोमवार को कोर्ट में फैसला सुनाया गया। एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश दुर्गेश चंद्र अवस्थी की अदालत ने जयराम महतो समेत चार आरोपियों की अग्रिम जमानत याचिका मंजूर कर ली है। अदालत ने सभी चारों को जमानत पर मुक्त करने का आदेश दिया है।

बरवाअड्डा थाना प्रभारी के बयान पर दर्ज मामले में विधायक जयराम महतो ने गिरफ्तारी की आशंका को देखते हुए अग्रिम जमानत के लिए अदालत का रुख किया था। सोमवार को धनबाद की एमपी-एमएलए विशेष अदालत ने इस मामले में अपना फैसला सुनाते हुए जयराम महतो को अग्रिम जमानत दे दी। विधायक जयराम महतो के वकील शाहनवाज ने इसकी पुष्टि की है।

अधिग्रहीत जमीन पर फिर मचा घमासान, रैयतों ने खोला मोर्चा, जरेडा का निर्माण रोकने की चेतावनी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। 16 मौजा की जमीन को लेकर एक बार फिर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। जिस जमीन का अधिग्रहण करीब चार दशक पहले एमओसीपी यानी मुकुंदा ओपन कास्ट प्रोजेक्ट के लिए किया गया था, अब उसी जमीन पर जरेडा के तहत टाउनशिप निर्माण की तैयारी है। लेकिन निर्माण शुरू होने से पहले ही रैयतों ने इसका विरोध शुरू कर दिया है। रैयतों का कहना है कि जमीन का अधिग्रहण जिस उद्देश्य से किया गया था, वह उद्देश्य आज तक पूरा नहीं हुआ। न जमीन पर बीसीसीएल ने कब्जा लिया, न एमओसीपी प्रोजेक्ट शुरू हुआ और न ही सभी रैयतों को नियोजन का लाभ मिला। ऐसे में अब सवाल यह है कि जिस जमीन को लेकर दशकों से रैयत अपने हक की लड़ाई लड़ रहे हैं, उस पर नया प्रोजेक्ट किस अधिकार के तहत शुरू किया जा रहा है? रैयतों ने अब आंदोलन के साथ काम रोकने तक की चेतावनी दे दी है। कहानी करीब चार दशक पुरानी है। 1980 से 1990 के बीच 16 मौजा की जमीन का अधिग्रहण एमओसीपी यानी मुकुंदा ओपन कास्ट प्रोजेक्ट के लिए किया गया था। उस वक्त रैयतों से जमीन ली गई और बताया गया कि इस जमीन का इस्तेमाल कोयला परियोजना के लिए होगा। जमीन चली गई, लेकिन समय बीतता गया और जिस परियोजना के लिए जमीन का अधिग्रहण किया गया था, वह धरातल पर शुरू नहीं हो सकी।रैयतों का दावा है कि अधिग्रहण के बाद बीसीसीएल ने जमीन पर वास्तविक कब्जा नहीं लिया। परियोजना का काम आगे नहीं बढ़ा और जमीन का वह इस्तेमाल भी नहीं हुआ, जिसके लिए उसका अधिग्रहण किया गया था। इसके साथ ही रैयतों की एक बड़ी शिकायत नियोजन को लेकर भी है। ग्रामीणों का कहना है कि जमीन लेने के समय जिन परिवारों को रोजगार देने की बात कही गई थी, उन्हें अपेक्षित नियोजन नहीं मिला।यही वजह है कि अब चार दशक बाद यह पुराना जमीन विवाद एक बार फिर सामने आ गया है।

सिमडेगा में बालू माफिया की दबंगई: सदर सीओ को ट्रैक्टर पर लेकर भागने का प्रयास

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सिमडेगा। जिला में अवैध बालू कारोबार के खिलाफ कार्रवाई के दौरान बालू माफिया की दबंगई सामने आई है। सोमवार को अवैध बालू लदे ट्रैक्टरों को रोकने पहुंचे सदर अंचल अधिकारी इम्तियाज अहमद को ट्रैक्टर पर बैठाकर भगाने का प्रयास किए जाने का मामला सामने आया है।

हालांकि सीओ ने किसी तरह आबादी क्षेत्र में ट्रैक्टर रुकवाकर खुद को सुरक्षित किया। इस दौरान उनका मोबाइल छीनने का भी आरोप है। घटना के बाद प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस ने दोनों ट्रैक्टर जब्त करते हुए एक नामजद आरोपित रूबी कोनगाड़ी को गिरफ्तार कर लिया है।

बालू माफिया के बढ़ती दबंगई का यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पूर्व भी एक पुलिस अधिकारी को खूंटी टोली के समीप बालू लदे ट्रैक्टर से कुचलने की कोशिश की गई थी, जिनका इलाज आज भी जारी है। मिली जानकारी के अनुसार, सीओ सोमवार सुबह क्षेत्र भ्रमण के दौरान खूंटीटोली की ओर से आ रहे बालू लदे ट्रैक्टरों को घोड़बहार के पास रोकने लगे। इस दौरान दोनों ट्रैक्टरों के चालक मौके से भाग निकले। सीओ ने ट्रैक्टरों की चाबी अपने कब्जे में लेकर सदर थाना को सूचना दी और पुलिस बल भेजने को कहा।

मंदिर की छत से गिरकर मजदूर की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। जिला के जसीडीह थाना क्षेत्र स्थित पगला बाबा दुर्गा मंदिर में दुर्गा पूजा की तैयारी के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। मंदिर की ऊपरी छत से गिरकर भोला दास नामक मजदूर की मौत हो गई। इस हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इस हादसे के बाद स्थानीय लोगों और दुर्गा पूजा समिति के सदस्यों ने तत्काल उन्हें जसीडीह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए देवघर सदर अस्पताल रेफर कर दिया। सदर अस्पताल पहुंचने पर ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों ने जांच के बाद भोला दास को मृत घोषित कर दिया।

तत्काल टिकट खरीदकर अतिरिक्त शुल्क में बेचने का आरोप, रांची में एक गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। रेलवे टिकटों की अवैध दलाली के खिलाफ रेलवे सुरक्षा बल और क्राइम इंटेलिजेंस ब्रांच ने कार्रवाई करते हुए रांची रेलवे स्टेशन के बुकिंग काउंटर से एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान प्रवीण कुमार वर्मा (25), पिता महावीर प्रसाद वर्मा, निवासी रामूसरन, डाकघर मांद्रो, थाना देवरी, जिला गिरिडीह के रूप में हुई है। आरपीएफ पोस्ट रांची और सीआइबी रांची के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को 13 सितंबर को रेलवे टिकटों की अवैध दलाली किए जाने की विश्वसनीय सूचना मिली थी। इसके बाद टीम ने रांची रेलवे स्टेशन स्थित रेलवे बुकिंग काउंटर पर छापेमारी-सह-तलाशी अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान प्रवीण कुमार वर्मा को पीआरएस काउंटर संख्या-5 से तत्काल रेलवे टिकट खरीदने के बाद हिरासत में लिया गया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से चार लाइव पीआरएस रेलवे टिकट बरामद किए गए। इन टिकटों का कुल मूल्य 29,275 रुपये बताया गया है। इसके अलावा उसके पास से एक मोबाइल फोन, तीन भरे हुए और चार खाली रेलवे टिकट आरक्षण मांग-पत्र भी बरामद किए गए। आरपीएफ के अनुसार, पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह ग्राहकों के लिए रेलवे टिकटों की व्यवस्था करता था और इसके बदले अतिरिक्त शुल्क लेकर उन्हें उपलब्ध कराता था। इस तरह टिकटों की व्यवस्था कर व्यक्तिगत आर्थिक लाभ कमाने का आरोप है। टीम ने बरामद सभी रेलवे टिकटों, मोबाइल फोन और अन्य सामग्रियों को नियमानुसार जब्त कर लिया। मामले में आरोपी के खिलाफ आरपीएफ पोस्ट रांची में केस न. 2918/2026, दिनांक 13 सितंबर 2026 दर्ज किया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

रेलवे टिकटों की अवैध खरीद-बिक्री और दलाली पर रोक लगाने के लिए आरपीएफ और सीबीआई की ओर से बुकिंग काउंटरों और टिकट आरक्षण से जुड़े स्थानों पर निगरानी रखी जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, यात्रियों को निर्धारित मूल्य पर टिकट उपलब्ध कराने और टिकटों की कालाबाजारी रोकने के लिए इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

महाविद्यालय में हिंदी दिवस पर भाषण प्रतियोगिता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दाउदनगर (औरंगाबाद)। दाउदनगर महाविद्यालय में हिंदी दिवस के अवसर पर -विकसित भारत में हिंदी की प्रासंगिकता एवं हमारा कर्तव्य-विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन प्रेमचंद सभागार में सोमवार को किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एमएस इस्लाम ने की। इस अवसर पर शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्रा उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में संजीत कुमार, प्रियंका कुमारी, पुरुषोत्तम कुमार, सौम्या राज, आरती कुमारी, निर्मल कुमार, साहिबा एवं गुड़िया कुमारी सहित कुल आठ विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने हिंदी की महत्ता, राष्ट्र निर्माण में इसकी भूमिका तथा भारतीय भाषाओं की विविधता पर प्रभावशाली विचार प्रस्तुत किए। वक्ताओं ने कहा कि भारत की प्रत्येक भाषा का अपना महत्व और गौरव है तथा सभी भाषाओं का सम्मान ही हमारी भाषायी समृद्धि है।

मंच संचालन डॉ. रोजी कांत ने किया। उन्होंने हिंदी के प्रति प्रेम और राष्ट्रभावना को स्वर देते हुए "हिंदी है हम वतन है, हिंदुस्तान हमारा, सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा" पंक्तियों से कार्यक्रम को भावपूर्ण बना दिया। राष्ट्रीय सेवा योजना के पदाधिकारी डॉ. देव प्रकाश ने हिंदी के प्रति गौरव व्यक्त करते हुए कहा कि हिंदी को ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में भी अधिकाधिक प्रयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने विज्ञान के शिक्षकों से आग्रह किया कि विज्ञान की पुस्तकों एवं अध्ययन-सामग्री को मानक एवं सरल हिंदी में तैयार किया जाए, ताकि विद्यार्थियों के लिए वैज्ञानिक विषयों को समझना सहज हो सके।

प्रतियोगिता में संजीत कुमार-प्रथम, गुड़िया कुमारी-द्वितीय तथा तृतीय स्थान पर सौम्या राज एवं प्रियंका कुमारी रहे। निर्णायक मंडल में डॉ. देव प्रकाश, शशांक मिश्रा एवं डॉ. सुमित कुमार मिश्रा शामिल रहे। हिंदी विभाग के डॉ. मंजू सोरेन की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। शशांक मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में भाषायी चेतना, आत्मविश्वास एवं अभिव्यक्ति-कौशल को विकसित करते हैं।

राष्ट्रगान के सामूहिक गायन के साथ कार्यक्रम का गरिमापूर्ण समापन हुआ।

राजभाषा हिंदी में आया है भाषिक लचीलापन : डॉ. आकाश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दाउदनगर (औरंगाबाद)। राजकीय डिग्री महाविद्यालय ओबरा में सोमवार को हिंदी दिवस के अवसर पर विचारपरक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. आकाश कुमार ने की। उन्होंने राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति पर संक्षेप में प्रकाश डालते हुए बदलते समय के साथ राजभाषा हिंदी में आए भाषिक लचीलेपन को रेखांकित किया। संचालन हिंदी विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. रामप्यारी ने किया। हिंदी विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. निवेदिता प्रसाद ने 'जनपदीय भाषाओं से हिंदी का आलोक' विषय पर व्याख्यान देते हुए हिंदी और जनपदीय भाषाओं के सह-अस्तित्व को रेखांकित किया। साथ ही भाषा के प्रति शुद्धतावादी आग्रह से मुक्त होकर समावेशी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। अंग्रेजी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. नीतेश कुमार ओझा ने हिंदी को वर्चस्ववादी भाषा के बजाय समावेशी भाषा के रूप में विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। छात्रों के साथ- साथ महाविद्यालय के अन्य सहायक प्राध्यापक डॉ.पूजा सिंह, डॉ .शुभम बोकड़े, डॉ. करुणा सागर दुबे, डॉ.रोहित राज, डॉ. संतोष शर्मा, ज्ञान प्रकाश, रवि रंजन, साक्षी पांडेय, श्रद्धा गुप्ता भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने हिंदी और उसकी जनपदीय भाषिक परंपराओं के पारस्परिक संबंध पर सार्थक विमर्श का अवसर प्रदान किया।

जाम की समस्या से मुक्ति के लिए होंगे गृह रक्षक तैनात

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दाउदनगर (औरंगाबाद)। भखरुआं ही नहीं जिले में कई स्थानों पर जाम की समस्या से जनता त्रस्त है। इस समस्या से मुक्ति के लिए चिन्हित स्थानों पर गृह रक्षक तैनात करने का आदेश डीएम अभिलाषा शर्मा ने दिया है। उनके द्वारा जिला समादेष्टा, बिहार गृह रक्षा वाहिनी, औरंगाबाद को पत्र लिखा गया है। इसमें जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जाम की समस्या के मद्देनजर गृह रक्षकों की प्रतिनियुक्ति किये जाने का निदेश दिया गया है। पत्र में कहा गया है कि प्रायः ऐसा देखा जा रहा है कि औरंगाबाद जिले के विभिन्न क्षेत्रों में चौक-चौराहों पर नियमित जाम की समस्या उत्पन्न होते रहती है, जिससे आम जनों को काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। अतः जाम की समस्या से निजात पाने हेतु आपको निदेश दिया जाता है कि पुलिस उपाधीक्षक, यातायात से अविलम्ब समन्वय स्थापित कर आवश्यकतानुसार उन्हें पर्याप्त संख्या में गृह रक्षक उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। साथ ही पुलिस उपाधीक्षक, यातायात, औरंगाबाद को निदेश दिया जाता है कि जिला समादेष्टा, बिहार गृह रक्षा वाहिनी, औरंगाबाद के द्वारा उपलब्ध कराये गए गृह रक्षकों को जाम लगने वाले स्थलों पर आवश्यकतानुसार तैनात करना सुनिश्चित करेंगे ताकि जिले में जाम की समस्या उत्पन्न न हो सके एवं यातायात व्यवस्था सुगम बना रहे।

पौथू पुलिस ने बराही बाजार से वारंटी को किया गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। रफीगंज प्रखंड के पौथू थाना पुलिस ने औरंगाबाद न्यायालय से जारी वारंट के मामले में एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान बराही बाजार निवासी स्व बालदेव यादव के पुत्र भूलन कुमार यादव उर्फ बसंत कुमार यादव के रूप में हुई है। पौथू थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि माननीय न्यायालय सूरज प्रकाश, प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी, औरंगाबाद के वारंट के आधार पर अभियुक्त को विधिवत गिरफ्तार किया गया है।

पूर्व रेलवे

मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा–711101 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्यों के निष्पादन के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस अथवा अन्य किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के साथ पंजीकृत सहित समतुल्य प्रकृति के कार्य का अनुभव एवं अपेक्षित वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से निम्नलिखित ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं: **सीनि. डीईएन/1/हावड़ा। क्रम सं.1, एआईटी सं.: 213_2026-27, दिनांक 09.09.2026, कार्य का विवरण:** एईएन/एलएलएच के अधीन पीडब्ल्यूआई तथा आईओडब्ल्यू कार्यालयों एवं स्टोर बिल्डिंग की मरम्मत कार्य के साथ पेंटिंग, शौचालय का नवीनीकरण, दरवाजे, खिड़कियों का बदलाव, छत की मरम्मत के साथ क्षतिग्रस्त पुराने एसबेस्टस शीट को बदलना, स्तंभों की संरक्षा, सैनिटरी फीटिंग, पाइप लाइन, लेटरिंग इत्यादि का कार्य। **अनुमानित लागत:** रु. 52,18,249.15; **बयाना राशि:** रु. 1,04,400। **क्रम सं. 2, एआईटी सं.: 214_2026-27, दिनांक 09.09.2026, कार्य का विवरण:** एईएन/बीडीसी अनुभाग के अधीन ईआरसी ग्रीसिंग के साथ रेल पेंटिंग कार्य तथा अन्य आनुषंगिक कार्य। **अनुमानित लागत:** रु. 42,24,613.40; **बयाना राशि:** रु. 84,500। **क्रम सं. 3, एआईटी सं.: 215_2026-27, दिनांक 09.09.2026, कार्य का विवरण:** एईएन/एलएलएच अनुभाग के अधीन ईआरसी ग्रीसिंग के साथ रेल पेंटिंग कार्य तथा अन्य आनुषंगिक कार्य। **अनुमानित लागत:** रु. 67,91,526.45; **बयाना राशि:** रु. 1,35,800। **निविदा प्रपत्र की कीमत:** प्रत्येक के लिए शून्य। **समापन अवधि:** प्रत्येक के लिए 6 महीने। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 28.09.2026 को 14.00 बजे। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लेखित बंद होने की तारीख को किसी भी कारणवश छुट्टी का दिन/बंद/हड़ताल घोषित होने पर भी ऑनलाइन निविदा बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में एप्लीकेशन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत कोई भी प्रस्ताव जमा करने की अनुमति नहीं देती है। हालांकि, ऑनलाइन निविदा अगले कार्यकारी दिवस को खोली जाएगी। निविदाओं का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अपने प्रस्ताव उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। ई-निविदा से संबंधित बयाना राशि जमा (ईएमडी) तथा निविदा दस्तावेज की कीमत (टीडीसी) का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग अथवा पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(HWH-331/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **ww.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, आसनसोल स्टेशन रोड, पिन-713301 द्वारा निम्नानुसार संविदा प्रदान करने के लिए आईआरईपीएस पोर्टल वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के जरिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है: (1) **सूचीपत्र सं. : एएसएन-एडीवीटी-25-09, नीलामी शुरू होने की तारीख एवं समय:** 25.09.2026 को 12.00 बजे। **सिक्वेंस सं., लॉट सं. एवं विवरण** निम्नानुसार हैं : **एए/1, एडीवीटी-एएसएन-डीजीआर-ओएच-194-26-2 (विज्ञापन आउट ऑफ होम),** दुर्गापुर स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में एसएसई (इलेक्ट) स्टोर के सामने 3 वर्षों की अवधि के लिए 50:50 समय की साझेदारी के आधार पर 15 फीट x 5 फीट यानी 75 वर्ग फीट आकार के वीडियो वॉल के माध्यम से रेलवे की जानकारी तथा विज्ञापन के प्रदर्शन के लिए संविदा प्रदान करना। **एबी/1, एडीवीटी-एएसएन-डीजीएचआर-ओएसएन-139-26-1 [विज्ञापन - स्टेशन परिसर में (नॉन-डिजिटल)],** देवघर स्टेशन के भीतर 3 वर्षों की अवधि के लिए नॉन-डिजिटल मीडिया के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के लिए संविदा प्रदान करना। (2) **सूचीपत्र सं. : एएसएन-एमएसएस-आरएनजी-आरईटी, नीलामी शुरू होने की तारीख एवं समय:** 25.09.2026 को 14.00 बजे। **सिक्वेंस सं., लॉट सं. एवं विवरण** निम्नानुसार हैं : **एए/1, एडीवीटी-एएसएन-डीजीआर-ओएच-194-26-2 (विज्ञापन आउट ऑफ होम),** रानीगंज स्टेशन में 3 वर्षों की अवधि के लिए रिटेल स्टोर (क्षेत्रफल 150 वर्ग फीट) की स्थापना एवं संचालन के लिए संविदा प्रदान करना। सभी प्रत्याशित बोलीदाताओं को अनुसूची के अनुसार ऊपर उल्लेखित ई-नीलामी के सम्पूर्ण विवरण तथा उसमें भागीदारी के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखने की सलाह दी जाती है।

(ASN-256/2026-27) वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, आसनसोल

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, मालदा, कार्यालय भवन, डाकघर-झलझलिया, जिला-मालदा, पिन-732102 (प. बं.) (नीलामी संचालन अधिकारी) ने मालदा मंडल के तहत विभिन्न ट्रेनों में ट्रेन साइड वेंडिंग संविदा हेतु संविदाएं प्रदान करने के लिए **www.ireps.gov.in** पर ई-नीलामी सूचीपत्र प्रकाशित किया है। **नीलामी सूचीपत्र सं.:** एमओबी-टीवीएस-एमएलडीटी। **नीलामी शुरू:** दिनांक 25.09.2026 को 10.00 बजे। **सिक्वेंस सं., लॉट नं./श्रेणी, ट्रेन सं.** निम्नलिखित हैं: एए/1; एमएमएस-मोबजीईएन-98456-1-26-1, 13401 एवं 13402। एए/2; एमएमएस-मोबजीईएन-98464-1-26-1, 13419 एवं 13420। एए/3; एमएमएस-मोबजीईएन-284860-1-26-1, 13404 एवं 13403। प्रत्याशित बोलीदाताओं से आगे के विवरण के लिए आईआरईपीएस ई-नीलामी प्रारूप देखने का अनुरोध किया जाता है।

(MLD-192/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, सियालदह, कैजर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014 (नीलामी संचालन अधिकारी) द्वारा सियालदह मंडल के तहत बहरमपुर कोर्ट तथा कोलकाता में फॉर्मेसी के साथ आपातकालीन चिकित्सा कक्ष की स्थापना, संचालन एवं रखरखाव; नंगी में मिनी मार्ट के विकास, संचालन एवं रखरखाव तथा ढाकुरिया एवं नंगी रेलवे स्टेशनों में मेडिकल स्टोर की स्थापना, संचालन एवं रखरखाव के लिए संविदा प्रदान करने हेतु **www.ireps.gov.in** पर ई-नीलामी सूचीपत्र प्रकाशित किया गया है। (1) **नीलामी सूचीपत्र सं.: ईएमआर-एसईपी-02; नीलामी शुरू होने की तारीख एवं समय:** 24.09.2026 को 11.45 बजे। **क्रम सं., लॉट सं. एवं स्टेशन** निम्नलिखित हैं: एए/1, एमएसएस-एडीएएच-बीपीसी-मेडएसटीएन-136-26-1, बहरमपुर कोर्ट, एए/2, एमएसएस-एडीएएच-केओएए-मेडएसटीएन-135-26-1, कोलकाता। (2) **नीलामी सूचीपत्र सं.: मिनीमार्ट एनएआई; नीलामी शुरू होने की तारीख एवं समय:** 25.09.2026 को 11.00 बजे। **क्रम सं., लॉट सं. एवं स्टेशन** निम्नलिखित हैं: एए/1, एमएसएस-एडीएएच-एनएआई-एसटीजीईएन-157-26-1, नंगी। (3) **नीलामी सूचीपत्र सं.: मेडिकल स्टोर; नीलामी शुरू होने की तारीख एवं समय:** 28.09.2026 को 11.45 बजे। **क्रम सं., लॉट सं. एवं स्टेशन** निम्नलिखित हैं: एए/1, एमएसएस-एडीएएच-डीएचके-मेडएसटीएन-159-26-1, ढाकुरिया। एए/2, एमएसएस-एडीएएच-एनएआई-मेडएसटीएन-158-26-1, नंगी। प्रत्याशित बोलीदाताओं से आगे के विवरण के लिए आईआरईपीएस ई-नीलामी प्रारूप देखने का अनुरोध किया जाता है।

(SDAH-220/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

रोगी कल्याण समिति की बैठक में अस्पताल की समस्याओं पर चर्चा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हसपुरा। प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में सोमवार को शासी निकाय रोगी कल्याण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बीडीओ पंकज कुमार ने की, जबकि संचालन चिकित्सा प्रभारी डॉ. कुणाल कामाख्या नारायण ने किया। बैठक में स्वास्थ्य प्रबंधक मनीष कुमार एवं अस्पताल प्रबंधक हेमंत कुमार ने पिछली बैठक में लिए गए प्रस्तावों को संपुष्टि के लिए सदस्यों के समक्ष रखा। इस दौरान प्रस्तावों के अनुपालन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई तथा अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार के लिए कई नए प्रस्ताव भी लिए गए। बैठक में अस्पताल की जीर्ण-शीर्ण बाउंड्री के निर्माण, ड्रेनेज सिस्टम दुरुस्त करने, लेबर वार्ड की छत से हो रहे पानी के रिसाव को ठीक कराने, पार्किंग व्यवस्था बढ़ाने तथा अस्पताल परिसर में जलजमाव की समस्या दूर करने सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई। समिति के सदस्य अरुण सिंह, गुड्डु पासवान, द्वारिका पासवान एवं प्रतिनिधि वीरेंद्र कुमार ने अस्पताल की विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। वहीं गुड्डु पासवान ने एजेंडा से अलग अस्पताल में चिकित्सकों की कमी का मुद्दा भी उठाया। इस पर चिकित्सा प्रभारी डॉ. कुणाल कामाख्या नारायण ने बताया कि चिकित्सकों की उपलब्धता को लेकर विभाग को लगातार पत्राचार किया जाता है। बीडीओ पंकज कुमार एवं चिकित्सा प्रभारी ने समिति के सदस्यों से अस्पताल की व्यवस्था बेहतर बनाने में सहयोग की अपील की। बैठक में बीसीएम सूरज कुमार एवं अकाउंटेंट पुष्कर भारद्वाज ने भी सहयोग किया।

रफीगंज शहर के चरकावां निचली डीह में दुर्गा पूजा की तैयारी को लेकर शिशु संघ की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। रफीगंज शहर के चरकावां निचली डिह स्थित देवी मंदिर परिसर में आगामी दुर्गा पूजा की तैयारी को लेकर शिशु संघ दुर्गा पूजा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूजा को भव्य और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने को लेकर कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा हुई। रविवार की रात आयोजित बैठक की अध्यक्षता धनेश चंद्र यादव ने की, जबकि संचालन किशोरी मोहन ने किया। बैठक में दुर्गा पूजा के प्रथम दिन निकलने वाली कलश यात्रा, भक्ति भजन, संध्या महाआरती और रामायण पाठ के आयोजन को लेकर कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। समिति सदस्यों ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा और पूजा को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी की जाएंगी। मौके पर दयानंद कुशवाहा, अखिलेश कुमार, सुबोध कुमार शर्मा, राम अवतार मिस्त्री, गोपाल महतो, राजेंद्र यादव ,अजीत कुमार, सुभाष कुमार, सुधीर कुमार, ब्रजेश यादव, विरेन्द्र कुमार, विजय दास, मोहन यादव , जगदीश चंद्र यादव, सुधीर कुमार, सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

चार विदेशी नागरिक धराये

सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप, विदेशी करेंसी बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। रेलवे स्टेशन पर नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस से म्यांमार के चार नागरिकों के पकड़े जाने के बाद सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया है। ट्रेन नंबर 12505 में कामाख्या से आनंद विहार की यात्रा कर रहे चारों लोगों को कटिहार रेल पुलिस ने संदिग्ध परिस्थितियों में पकड़ा। पूछताछ के दौरान इनके पास भारत में प्रवेश और रहने से जुड़े जरूरी दस्तावेज नहीं मिले। न पासपोर्ट था, न वीजा और न ही भारत में रहने की कोई वैध अनुमति मिली।

कटिहार रेल एसपी हरिशंकर कुमार ने बताया कि चारों के पास जनरल रेलवे टिकट मिले हैं। इनके पास भारतीय और बांग्लादेशी करेंसी भी बरामद हुई है। पूछताछ में सभी ने कामाख्या से जम्मू जाने की बात बताई। मामले में मोहम्मद नूर को गिरफ्तार किया गया है, जबकि उसके साथ मौजूद तीन नाबालिग लड़कियों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। इन तीनों की उम्र और पहचान से जुड़ी जानकारी भी जुटाई जा रही है।

पूछताछ में एक और व्यक्ति के इस पूरे मामले से जुड़े होने और फिलहाल फरार होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। रेल पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि फरार व्यक्ति की भूमिका क्या थी और चारों को जम्मू ले जाने के पीछे क्या मकसद था।

कटिहार रेल एसपी हरिशंकर कुमार ने बताया कि प्रथम हृष्टया पूरा मामला अवैध घुसपैठ से जुड़ा होने की आशंका है। पुलिस जांच का दायरा अब सिर्फ चारों की पहचान और यात्रा तक सीमित नहीं है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि वे भारत में कब और किस रास्ते से दाखिल हुए, किन जगहों पर रहे और यहां उनकी गतिविधियां क्या थीं।

तीन नाबालिग लड़कियों की मौजूदगी ने चौंकाया

तीन नाबालिग लड़कियों की मौजूदगी ने जांच को और गंभीर बना दिया है। पुलिस उनके साथ यात्रा करने वाले लोगों, संभावित संपर्कों और जम्मू जाने के उद्देश्य की भी पड़ताल कर रही है। फिलहाल कटिहार रेल पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां मामले की कड़ियां जोड़ने में जुटी हैं। जांच पूरी होने के बाद ही यह साफ होगा कि चारों भारत में किस रास्ते से पहुंचे और उनके पीछे किसी बड़े नेटवर्क की भूमिका थी या नहीं।

हथियार के बल पर युवक का अपहरण

पुलिस दबिश के बाद दो घंटे में बरामद

रांची। रांची में पुलिस ने हथियारों के बल पर अगवा किए गए एक युवक को महज दो घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर लिया। युवक का अरगोड़ा थाना क्षेत्र के कडरू इलाके से रविवार देर रात अपहरण किया गया था। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू की और विशेष टीम ने नगड़ी इलाके में घेराबंदी कर युवक को बदमाशों के चंगुल से मुक्त करा लिया। पुलिस ने युवक को अपनी सुरक्षा में लेने के बाद इलाज और देखभाल के लिए भेज दिया।

घटना रविवार देर रात करीब एक बजे की बताई जा रही है। अरगोड़ा थाना क्षेत्र के कडरू इलाके में हथियारों के साथ पहुंचे बदमाशों के एक गुट ने युवक को जबरन अगवा कर लिया। घटना के बाद युवक के परिजन घबराए हुए पुलिस के पास पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी दी। मामले की जानकारी मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने बिना समय गंवाए विशेष टीम का गठन किया। नगर पुलिस अधीक्षक पारस राणा के नेतृत्व में टीम ने तकनीकी सूचना तंत्र और खुफिया जानकारी के आधार पर संदिग्ध ठिकानों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने संभावित ठिकानों पर तत्काल छापेमारी भी की।

विशेष टीम ने घटना के करीब दो घंटे के भीतर नगड़ी इलाके में घेराबंदी कर दी। तकनीकी जानकारी के आधार पर पुलिस ने एक संदिग्ध स्थान पर दबिश दी और वहां से अपहृत युवक को बरामद कर लिया। इसके बाद पुलिस ने उसे सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया और तत्काल अपनी सुरक्षा में ले लिया।

अधिकारियों के अनुसार युवक को इलाज और जरूरी देखभाल के लिए भेजा गया है। पुलिस अब अपहरण में शामिल आरोपियों की तलाश और पूरे घटनाक्रम की जांच में जुटी है। रांची पुलिस ने इससे पहले सात सितंबर को भी विधायक जनार्दन पासवान के बेटे के अपहरण के मामले में तेजी से कार्रवाई करते हुए उसे करीब दो घंटे में बरामद किया था।

शिवालयों में उमड़ी महिलाओं की भीड़

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। प्रदेश भर में बड़ी धूमधाम से हरितालिका तीज व्रत मनाया जा रहा है। पति की लंबी उम्र के लिए रखा जाने वाला तीज व्रत मनाया जा रहा है। सुबह से ही व्रती पूजा करने के लिए शहर के अलग-अलग शिवालयों में पहुंचीं। इस दौरान पूरा मंदिर महिला व्रतियों से पट गया है।

आपको बता दें कि ज्योतिष और हिंदू धर्म की परंपरा के तहत भाद्रपद शुक्ल पक्ष की तृतीया एवं चतुर्थी एक ही दिन होने के कारण इस वर्ष तीज और गणेश चतुर्थी एक ही दिन कर रही है।

इस बार 14 सितंबर, सोमवार को हरितालिका तीज का यह पवित्र व्रत रखना बेहद शुभ माना जा रहा है। महिलाओं के अलावा पुरुषों, बच्चों और बुजुर्गों में भी खास उत्साह देखने को मिल रहा है।

आपको बता दें कि यह व्रत अपनी संतान के साथ अपने पति की लंबी आयु एवं सौभाग्य प्राप्ति के लिए किया जाता है।

आज यह पर्व विशेष नक्षत्र में मनाया जा रहा है। हरितालिका व्रत कुंवारी के अलावा विवाहित और नवविवाहित महिलाओं द्वारा माता पार्वती और भगवान शिव की पूजा-अर्चना के साथ रखा जाता है। हरितालिका तीज व्रत को लेकर मुजफ्फरपुर का बाबा गरीबनाथ धाम मंदिर श्रद्धालुओं से पट गया है।

इस दौरान महिला व्रतियों ने बताया कि यह पर्व बेहद महत्वपूर्ण है और इसे हम पूरा परिवार यहां आकर मनाते हैं। इसके लिए पूरे परिवार में खुशी और उत्साह का माहौल रहता है। दूर-दराज से आए भक्तों से आज बाबा गरीबनाथ मंदिर पट गया है और भक्त अपने-अपने पुरोहितों के द्वारा पूजन-पाठ करवा रहे हैं।

मोहिनी देवी मेमोरियल स्कूल में मनाया गया हिंदी दिवस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। सोमवार को विद्यालय परिसर में छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों के बीच हिंदी दिवस समारोह का आयोजन हुआ जिसकी शुरूआत डायरेक्टर डॉ संजय प्रधान ने छात्रों के बीच कक्षा 6 से 10 में निबंध प्रतियोगिता के आयोजन से किया एवं संचालन के रूप में प्राचार्य डॉक्टर पाराशर त्यागी ने कहा हिंदी राजभाषा ही नहीं संपूर्ण भारत की मातृभाषा है। वरीय शिक्षक अर्जुन कुमार ने हिंदी दिवस की शुरूआत की चर्चा करते हुए कहा कि 14 सितंबर 1949 को भारत की संविधान सभा में इस राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया। छात्राओं ने हिंदी दिवस पर अपने विचार प्रकट किया व शिक्षकों ने भी हिस्सा लिया। इसी क्रम में प्रशासक अभिनंदन नौटियाल ने कहा की संयुक्त राष्ट्र संघ में की महासभा में 10 जनवरी 1949 को पहली बार हिंदी बोली गई थी। निबंध प्रतियोगिता के विजय प्रतिभागियों को डायरेक्टर एवं प्राचार्य के द्वारा पुरस्कृत किया गया।

गणेश चतुर्थी पर झारखंड सेवा समिति ने लगाए फलदार पौधे

पर्यावरण संतुलन के लिए सभी को करना चाहिए पौधारोपण : अमित सिन्हा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश देते हुए झारखंड सेवा समिति की ओर से सोमवार को 25 फलदार पौधे लगाए गए। समिति के अध्यक्ष अमित कुमार सिन्हा के नेतृत्व में कार्यक्रम संयोजक मनोज कुमार मंडल के गुरुभवन प्रांगण में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मौके पर अध्यक्ष अमित कुमार सिन्हा ने कहा कि एक वृक्ष 100 पुत्रों के समान होता है। हमारा प्रयास होना चाहिए कि जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाएं, ताकि पर्यावरण स्वच्छ और संतुलित बना रहे तथा आने वाली पीढ़ी को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया में पर्यावरण असंतुलन का प्रभाव देखने को मिल रहा है। कहीं बाढ़ तो कहीं सूखे की स्थिति से लोग परेशान हैं। ऐसे में सभी को वृक्षारोपण को गंभीरता से लेते हुए अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए।कार्यक्रम संयोजक मनोज कुमार मंडल ने कहा कि हमारा जीवन वायु पर निर्भर है और वायु को शुद्ध करने में वृक्षों का अहम योगदान है। समाज को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से फलदार पौधे लगाए गए हैं। महासचिव रंजन फौजी ने कहा कि लगातार बढ़ रहे प्रदूषण के कारण तापमान में वृद्धि हो रही है। पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण कर उसकी देखभाल की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। कार्यक्रम में अध्यक्ष अमित कुमार सिन्हा, कार्यक्रम संयोजक मनोज कुमार मंडल, महासचिव रंजन फौजी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नंदकिशोर गुप्ता, जितेंद्र प्रसाद उर्फ डब्लू, राजेश प्रसाद, कौशल सिंह, राजेश सिन्हा, पवन दांगी, राजेंद्र कुमार, धर्मवीर अग्रवाल, रोहित गुप्ता, किशोर गुप्ता, मनीष कुमार गुप्ता, रामगुलाम मंडल, राजेश कुमार, कृष्णा ठाकुर, विकास पटेल सहित अन्य उपस्थित थे।

वारंटी को पकड़ने गयी पुलिस टीम पर चले ईट-पत्थर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। वारंटी को गिरफ्तार करने पहुंची पुलिस टीम पर उसके स्वजन और अन्य लोगों ने लाठी-डंडे तथा ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले में कई पुलिस पदाधिकारी और जवान चोटिल हो गए। हमलावरों ने पुलिस वाहनों को भी क्षतिग्रस्त करने का प्रयास किया। हालांकि, पुलिस ने मोर्चा संभालते हुए कई हमलावरों को मौके पर ही काबू में कर लिया। घटना बसही पंचायत के सकरौली गांव की है।

बताया गया कि खोदावंदपुर थाना कांड संख्या 89/19 के फरार वारंटी रोहित कुमार उर्फ बुच्चा, पिता लक्ष्मी महतो की गिरफ्तारी के लिए चेरिया बरियारपुर थाना की पुलिस टीम सकरौली पहुंची थी। पुलिस के अनुसार, रोहित पर थाना में दर्ज मामले के तहत लूट की घटना में शामिल होने का आरोप है। लूटे गए मोबाइल की बरामदगी के बाद उसे मामले में नामजद किया गया था। उसके विरुद्ध न्यायालय से कुर्की वारंट भी जारी है।

घाटी में दो ट्रेलरों की आमने-सामने भिड़ंत, चालक की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोडरमा। कोडरमा घाटी में मेघातरी कालीमंडा के पास रविवार की रात करीब दो बजे दो ट्रेलरों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में एक ट्रेलर चालक की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों के आगे के हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों का जायजा लेने के बाद शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी।

रीमा सेवा सदन सील, दो महिला मरीज मिलीं भर्ती

मेदिनीनगर, पलामू। सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय पांडे के नेतृत्व में रविवार शाम सदर अस्पताल के सामने स्थित रीमा सेवा सदन का औचक निरीक्षण कर उसे तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। सिविल सर्जन अनिल कुमार श्रीवास्तव के अनुसार, जनशिकायतों के सत्यापन के दौरान संस्थान में कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। निरीक्षण में चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी अनुपस्थित मिले। ओटी (ऑपरेशन थिएटर) रजिस्टर, इंडोर रजिस्टर, डिस्चार्ज रजिस्टर सहित आवश्यक अभिलेख उपलब्ध नहीं थे। बायोमेडिकल वेस्ट (बीएमडब्ल्यू) के निस्तारण की व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं मिली। फायर सेफ्टी उपकरणों का अभाव, परिसर एवं ओटी में गंदगी, एनेस्थीसिया वर्क स्टेशन की कमी तथा ओटी लैंप के स्थान पर सामान्य एग्जामिनेशन लैंप का इस्तेमाल पाया गया।ओटी टेबल गंदा, क्षतिग्रस्त और फटा हुआ मिला। आपातकालीन चिकित्सा स्थिति से निपटने के लिए जरूरी उपकरण व दवाएं भी उपलब्ध नहीं थीं। इसके अलावा बिना वैध लाइसेंस के दवा दुकान संचालित किए जाने की बात भी निरीक्षण में सामने आई।मरीजों की सुरक्षा और जनस्वास्थ्य को गंभीर खतरा देखते हुए प्रशासन ने पूरे परिसर को सील कर दिया। सीलिंग के दौरान रीमा सेवा सदन में दो महिला मरीज भर्ती पाई गईं।

तेज रफ्तार बुलेट ने ली तीन साल की मासूम की जान

चौपारण, हजारीबाग। चौपारण थाना क्षेत्र के सिरमा गांव में सोमवार को दर्दनाक सड़क हादसे में तीन साल की बच्ची की मौत हो गई। बताया जाता है कि बच्ची घर के पास थी, तभी तेज रफ्तार से आ रही बुलेट मोटरसाइकिल ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद गांव में चीख-पुकार मच गई। मासूम की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। सूचना मिलते ही चौपारण थाना पुलिस मौके पर पहुंची। एसआई सरवन कुमार ने दल-बल के साथ घटनास्थल का जायजा लेकर मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के कारणों और बुलेट चालक के संबंध में पुलिस छानबीन कर रही है।

डिस्टलरी पार्क के तालाब में डूबने से व्यक्ति की मौत

रांची। सदर थाना क्षेत्र के कोकर स्थित डिस्टलरी पार्क के तालाब में नहाने के दौरान एक व्यक्ति की डूबने से मौत हो गई। बताया गया कि नहाने के दौरान वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया। काफी प्रयास के बाद उसे पानी से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। खबर लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस पहचान के प्रयास में जुटी है।

फांसी लगाकर आत्महत्या

रांची। जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के अपर हटिया में बीती रात्रि 20 वर्षीय हर्ष कुमार साहू ने अपने घर के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हिंदी दिवस पर कार्यक्रम

खूंटी । भगत सिंह चौक पर दीपांजलि साहित्य सेवा संस्थान के तत्वावधान में सोमवार को हिंदी दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें हिंदी के महत्व और आवश्यकता पर चर्चा की गई। दीपांजलि साहित्य सेवा संस्थान के अध्यक्ष डॉ दीपक कुमार घोष ने कहा कि आज 14 सितंबर को देशभर में हिंदी दिवस उत्साह और गौरव के साथ मनाया जा रहा है। हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध संस्कृति, साहित्य और भावनाओं को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण भाषा है। मुरहू के शिक्षाविद् डॉ धर्मेंद्र नाथ तिवारी ने कहा कि 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को देवनागरी लिपि में संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। इसी ऐतिहासिक निर्णय की स्मृति में हर वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है।हिंदी साहित्य ने तुलसीदास, प्रेमचंद, महादेवी वर्मा, रवींद्रनाथ टैगोर,रामधारी सिंह ह्यदिनकरह्न और बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय जैसे महान साहित्यकारों के माध्यम से भारतीय समाज और संस्कृति को समृद्ध किया है। अखिल भारतीय सांस्कृतिक विकास महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष तपन घोष ने कहा कि आज हिंदी देश की सीमाओं से बाहर भी अपनी पहचान बना रही है।हिंदी दिवस हमें अपनी भाषा के सम्मान के साथ-साथ अन्य भारतीय भाषाओं के प्रति भी सम्मान और सौहार्द की भावना रखने का संदेश देता है। पूर्व शिक्षक सुधांशु कुमार दत्ता ने कहा कि आधुनिक तकनीक और डिजिटल माध्यमों में हिंदी के बढ़ते प्रयोग से इसके भविष्य की संभावनाएं और मजबूत हुई हैं। युवा ध्रुवेन्द्र भास्कर ने हिंदी को सर्वमान्य -सरल और स्पष्ट भाषा कहा। उन्होंने कहा कि हमें हिंदी की अधिकाधिक प्रयोग करना चाहिए। हम सभी हिंदी दिवस पर संकल्प लें कि हिंदी का सदा सम्मान करेंगे, और भारतीय भाषाओं की विविधता को सहेजते हुए अपनी भाषाई विरासत को आगे बढ़ाएंगे।अनुप कुमार राय, तुलसी प्रजापति, जितेन्द्र पांडे सहित अन्य गणमान्यजनों ने भी हिंदी की महानता पर अपने विचार व्यक्त किए।

नवोदय विद्यालय-2 में अव्यवस्था पर फूटा अभिभावकों का गुस्सा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हुसैनाबाद, पलामू। हुसैनाबाद (जपला) स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय-2 में आयोजित द्वितीय अभिभावक गोष्ठी उस समय हंगामेदार हो गई, जब अभिभावकों ने विद्यालय की शैक्षणिक और बुनियादी व्यवस्था को लेकर प्रबंधन पर जमकर सवाल उठाए। अभिभावकों ने आरोप लगाया कि पूर्व की बैठकों में उठाई गई समस्याओं के बावजूद कई गंभीर समस्याएं अब भी जस की तस हैं। इससे विद्यालय की व्यवस्था और प्राचार्य की कार्यप्रणाली को लेकर अभिभावकों में भारी नाराजगी देखी गई।

बैठक की अध्यक्षता प्राचार्य अशहर रूमी ने की, जबकि संचालन वरिष्ठ शिक्षक कमलेश कुमार ने किया। प्राचार्य ने विद्यालय में पर्याप्त शिक्षकों की उपलब्धता और पठन-पाठन में सुधार का दावा किया। भोजनालय के सामने आरओ प्लांट से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने को भी उपलब्धि के रूप में बताया गया। हालांकि, अभिभावकों ने इन दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि जूनियर छात्रावास में अब भी पानी की समस्या बनी हुई है। छात्रावास और एकेडमिक परिसर में गंदगी की शिकायत भी सामने आई।

अभिभावकों ने आरोप लगाया कि छात्रावास की बिजली आए दिन खराब हो जाती है। विद्यालय की टेलीफोन सेवा बंद होने के कारण आपात स्थिति में बच्चों को अभिभावकों से संपर्क करने में परेशानी होती है। विद्यालय खुले करीब तीन महीने बीत जाने के बावजूद बच्चों को कलम, पेंसिल, कॉपी, गोंद समेत आवश्यक स्टेशनरी उपलब्ध नहीं कराने का भी आरोप लगाया गया।

बैठक में बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर भी गंभीर सवाल उठाए गए। अभिभावकों ने दूषित पेयजल के कारण बच्चों के बीमार पड़ने की शिकायत की। वहीं फर्स्ट एड मेडिकल व्यवस्था में इसी माह एक्सपायर होने वाली दवा के वितरण से संबंधित स्टॉक पंजी दिखाए जाने का दावा भी किया गया। अभिभावकों ने इसे गंभीर लापरवाही बताते हुए जांच की मांग की।पीटीसी आकलन परीक्षा नियमित नहीं होने का मुद्दा भी जोरदार तरीके से उठाया गया। अभिभावकों का आरोप था कि शिक्षा व्यवस्था से जुड़े कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। कुछ अभिभावकों ने यहां तक आरोप लगाया कि विद्यालय की मौजूदा स्थिति से परेशान होकर बच्चे नाम कटवाकर जा रहे हैं। बैठक के दौरान बढ़ते शोरगुल और हंगामे के बीच शिक्षकों के हस्तक्षेप तथा सुधार का आश्वासन दिए जाने के बाद नई पीटीसी समिति का गठन किया गया। इसमें अरविंद सिंह, ओमप्रकाश सिंह, राजकुमार गुप्ता, संगीता कुमारी, सोनी कुमारी समेत महिला-पुरुष अभिभावकों को मिलाकर दस सदस्यों का चयन किया गया।

पोर्टल आईडी के दुरुपयोग से 33 जन्म प्रमाण पत्र जारी

मेदिनीनगर, पलामू।मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एमएमसीएच) में जन्म प्रमाण पत्र जारी करने वाले पोर्टल की आईडी-पासवर्ड और डिजिटल हस्ताक्षर के कथित दुरुपयोग का मामला सामने आया है। आरोप है कि गलत डिस्चार्ज टिकट के आधार पर 33 जन्म प्रमाण पत्र तैयार कर वितरित कर दिए गए। मामला सामने आने के बाद अस्पताल प्रबंधन ने सभी 33 प्रमाण पत्र रद्द कर दिए। सदर अस्पताल के उपाधीक्षक सह जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रार विजय कुमार सिंह के आवेदन पर शहर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। जांच में कंप्यूटर ऑपरेटर अमित कुमार ने बताया कि काम के दबाव के कारण अस्पताल प्रबंधक सुमीत श्रीवास्तव के मौखिक निर्देश पर शिव नारायण साव को जन्म प्रमाण पत्र तैयार करने के काम में लगाया गया था। इसी दौरान पोर्टल आईडी-पासवर्ड के कथित दुरुपयोग की बात सामने आई।

अस्पताल प्रबंधन ने शिव नारायण साव के कार्यकाल में जारी अन्य प्रमाण पत्रों की भी जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में 33 से अधिक प्रमाण पत्रों में गड़बड़ी की आशंका जताई गई है।

विहिप के स्थापना दिवस पर संस्कृति और समाज की रक्षा का आह्वान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। जिला मुख्यालय के शहरकोल स्थित विश्व हिंदू परिषद कार्यालय में सोमवार को परिषद का स्थापना दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया गया। मौके पर परिषद के प्रांत सह मंत्री मनोज पोद्दार, इस्कॉन मंदिर के संत दामोदर दास, आरएसएस के मुकेश, मृत्युंजय घोष, साहिबगंज विभाग मंत्री अरविंद घोष, सेवा विभाग टोली के अशोक वर्मा, श्याम यादव, जिला मंत्री विशाल भगत समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मनोज पोद्दार ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद धर्म और संस्कृति की रक्षा तथा हिंदू समाज को एकजुट करने के उद्देश्य से कार्य करती है। उन्होंने कहा कि राम जन्मभूमि आंदोलन के बाद भी धर्मांतरण, गौ रक्षा, मठ-मंदिरों की सुरक्षा और संस्कृति की रक्षा जैसी कई चुनौतियां समाज के सामने हैं।उन्होंने नई पीढ़ी को संस्कारवान बनाने और भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया। साथ ही देसी गाय के संरक्षण, सामाजिक कार्यों और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के लिए लोगों से आगे आने की अपील की।

जिला मंत्री विशाल भगत ने बताया कि जन्माष्टमी से 13 सितंबर तक जिले के गांव-गांव में स्थापना दिवस मनाया गया। सोमवार को जिला मुख्यालय में कार्यक्रम के साथ इसका समापन हुआ। अन्य वक्ताओं ने भी हिंदू समाज को एकजुट रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम का समापन भारत माता की आरती के साथ हुआ।

सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करें : रामकुमार अनुभवी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चंद्रपुरा(बोकारो)। दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र प्रबंधन एवं एसटीएम अस्पताल के चिकित्सकों की ओर से डीवीसी कर्मियों और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों को फर्स्ट एड का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य आपात स्थिति में प्राथमिक उपचार के प्रति कर्मियों को जागरूक और सक्षम बनाना रहा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीवीसी चंद्रपुरा के मुख्य महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रधान राम कुमार अनुभवी ने कहा कि सभी कर्मियों को सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करना चाहिए, ताकि फर्स्ट एड की जरूरत ही न पड़े। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद यदि किसी प्रकार की दुर्घटना या आपात स्थिति उत्पन्न होती है, तो फर्स्ट एड में प्रशिक्षित कर्मी तत्काल बचाव और प्राथमिक उपचार करने में सक्षम होंगे। उन्होंने कहा कि फर्स्ट एड का प्रशिक्षण लेने वाले कर्मी स्वयं भी लाभान्वित होंगे और जरूरत पड़ने पर दूसरे लोगों की मदद भी कर सकेंगे। उन्होंने प्रशिक्षण को कार्यस्थल की सुरक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया।

एसटीएम अस्पताल के उप मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. पीके घोष ने प्रशिक्षणार्थियों को फर्स्ट एड से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। उन्होंने कहा कि सभी को अपने दैनिक जीवन में प्राथमिक उपचार को लेकर हमेशा सतर्क रहना चाहिए।

डॉ. मानिक मंडल और डॉ. एस. चटर्जी ने भी विभिन्न बीमारियों एवं आपात परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए उनसे बचाव और प्राथमिक उपचार के उपाय बताए। इस दौरान प्रशिक्षणार्थियों को दुर्घटना अथवा अचानक स्वास्थ्य संबंधी समस्या उत्पन्न होने पर तत्काल उठाए जाने वाले कदमों की जानकारी दी गई।

गणपति के जयकारों से गूंजा पाकुड़ रेलवे मैदान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। गणेश चतुर्थी के अवसर पर पाकुड़ रेलवे मैदान भक्तिमय हो उठा। सार्वजनिक गणेश पूजा समिति, रेलवे मैदान की ओर से आयोजित चार दिवसीय गणेशोत्सव के तहत सोमवार को वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ भगवान श्रीगणेश की पूजा-अर्चना शुरू हुई। सुबह से ही पूजा पंडाल में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही और पूरा मैदान ह्यगणपति बप्पा मोरया, मंगलमूर्ति मोरयाह्न के जयघोष से गूंजता रहा।

पूजा के शुभारंभ से पहले पुरोहित सजल चटर्जी और सुकांतो सहाना के नेतृत्व में श्रद्धालु गाजे-बाजे के साथ रेलवे पोखर पहुंचे। यहां विधि-विधान से कलश में पवित्र जल भरा गया और उसे पूजा पंडाल लाया गया। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार, शंखध्वनि और मंगलाचरण के बीच कलश स्थापित कर गणपति की पूजा शुरू की गई। श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश के दर्शन कर पुष्पांजलि अर्पित की और सुख, शांति, समृद्धि, आरोग्य एवं परिवार के मंगल की कामना की। संध्या में महाआरती और प्रसाद वितरण के बाद मोनी व्यास एवं उनकी टीम ने भजन संध्या प्रस्तुत की। बिहार, झारखंड और बंगाल से पहुंचे कलाकारों ने भगवान गणेश को समर्पित भक्ति गीत और भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों की स्वर-लहरियों के बीच श्रद्धालु भक्ति में झूमते नजर आए और लगातार गणपति बप्पा के जयकारे लगाते रहे।

पूजा समिति के संस्थापक हिसाबी राय ने बताया कि रेलवे मैदान में पिछले 28 वर्षों से लगातार गणपति महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन अब पाकुड़ की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। गणपति के दर्शन और आशीर्वाद के लिए जिले के अलावा आसपास के क्षेत्रों से भी श्रद्धालु पहुंचते हैं।

उन्होंने कहा कि समिति का उद्देश्य पूजा-अर्चना के साथ समाज में प्रेम, भाईचारा, सद्भाव और एकता की भावना को मजबूत करना भी है। आयोजन को सफल बनाने में राणा शुक्ला, अविनाश पंडित, अजीत मंडल, तनमय पोद्दार, राज चौधरी, अनिकेत गोस्वामी, पिंटू हाजरा, संजय राय, रणजीत राम, अमन भगत, अंकित मंडल, निर्भय सिंह, नितिन मंगल, रवि पटवा सहित समिति के अन्य सदस्यों की सक्रिय भूमिका रही।

जनसुनवाई में मंत्री श्रवण कुमार और सुनील कुमार ने सुनीं आमजनों की समस्याएं

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जदयू प्रदेश कार्यालय, पटना में सोमवार को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार एवं ग्रामीण कार्य मंत्री सुनील कुमार ने राज्य के विभिन्न जिलों से आए आमजनों की समस्याएं सुनीं। दोनों मंत्रियों ने संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर बात कर फरियादियों की समस्याओं के विधिसम्मत एवं त्वरित निष्पादन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ 'गांधी जी' तथा प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी सुमित कुमार सिंह भी मौजूद रहे। मीडिया से बातचीत में श्रवण कुमार ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स का सफल आयोजन भारत के लिए अवसरों के नए द्वार खोलेगा और इसका देश को दूरगामी लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि जनता दल यूनाइटेड और उसके नेतृत्व को लेकर अनर्गल टिप्पणियां करने वालों को जनता ने 2024 के लोकसभा और 2025 के विधानसभा चुनाव में करारा जवाब दिया। दोनों चुनावों में नीतीश कुमार के नेतृत्व में जदयू ने ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। श्रवण कुमार ने कहा कि नीतीश कुमार हमेशा कहते रहे हैं कि सरकारी खजाने पर पहला हक आपदा पीड़ितों का है। इसी सोच के साथ वर्तमान एनडीए सरकार बाढ़ प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता पहुंचाने के लिए पूरी गंभीरता से काम कर रही है। वहीं सुनील कुमार ने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राज्य सरकार पूरी मुस्तैदी से राहत एवं बचाव अभियान चला रही है। प्रत्येक जिले में प्रभारी मंत्री और वरीय अधिकारी स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं तथा स्वास्थ्य सेवाओं एवं राहत व्यवस्था की नियमित निगरानी की जा रही है। प्रभावित परिवारों तक समय पर राहत सामग्री पहुंचाने, सामुदायिक रसोई के सुचारु संचालन, पर्याप्त एवं सुरक्षित पेयजल, पशुओं के लिए पर्याप्त चारा तथा नाव और सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि बाढ़ प्रभावित लोगों को किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हो और उन्हें हरसंभव सहायता समय पर उपलब्ध हो। कार्यक्रम से संबंधित जानकारी कार्यालय सचिव संजय कुमार सिन्हा ने दी।

शिक्षा में उत्कृष्ट कार्य के लिए नुसरत जहां को बिहार केसरी सम्मान-2026

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य के लिए शिवहर जिले के उच्च माध्यमिक विद्यालय कमरौली की प्रधानाध्यापिका नुसरत जहां को बिहार केसरी सम्मान-2026 से सम्मानित किया गया। विद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों को बेहतर बनाने, सामाजिक जागरूकता कार्यक्रमों को बढ़ावा देने और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में किए जा रहे उल्लेखनीय प्रयासों के लिए उन्हें यह सम्मान दिया गया। शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर सरगम कला एवं समाज कल्याण मंच की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में शिक्षा एवं समाज के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित किया गया था। समारोह में किसी कारणवश नुसरत जहां उपस्थित नहीं हो सकी थीं। बाद में बिहार सरकार के ग्रामीण विकास एवं सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के मंत्री तथा जदयू नेता श्रवण कुमार के हाथों उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में आयोजित कार्यक्रम में नुसरत जहां ने सम्मान को गौरव के साथ शिक्षा के क्षेत्र में और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा बताया।

69वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए केपटाउन पहुंचे डॉ. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार 13 से 18 सितंबर तक दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन में आयोजित 69वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए केपटाउन पहुंच गए। केपटाउन एयरपोर्ट पर आयोजकों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। डॉ. प्रेम कुमार ने स्वागत और सम्मान के लिए आभार जताते हुए कहा कि यह यात्रा नए अनुभवों, संवाद और नई संभावनाओं को समझने का अवसर है। सम्मेलन में राष्ट्रमंडल देशों की संसदों के पीठासीन पदाधिकारी, संसदीय लोकतंत्र, सुशासन और समसामयिक वैश्विक चुनौतियों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे। सम्मेलन के दौरान डॉ. प्रेम कुमार संसदीय नेतृत्व की भूमिका, विशेषकर जलवायु अनुकूलन और आपदाओं के प्रति संसदीय स्तर पर लचीलापन बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार रखेंगे। साथ ही विभिन्न देशों के पीठासीन पदाधिकारियों और संसदीय प्रतिनिधियों के साथ संवाद एवं अनुभवों का आदान-प्रदान करेंगे। केपटाउन सम्मेलन के बाद डॉ. प्रेम कुमार 20 से 24 सितंबर तक सिडनी, 24 से 27 सितंबर तक ऑकलैंड तथा 28 सितंबर से 1 अक्टूबर तक मालदीव की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे।

हिंदी दिवस पर बिहार स्टेट पावर होल्डिंग एवं अनुषंगी कंपनियों ने किया विशेष कार्यक्रम का आयोजन

ऊर्जा परिवार में हिंदी प्रेम का दिखा उत्सव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड और इसकी अनुषंगी कंपनियों द्वारा हिंदी दिवस 2026 के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत वाक् प्रतियोगिता (एक्सटेम्पोर) और स्वरचित हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ऊर्जा सचिव एवं अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशकअजय यादव (भा.प्र.से.), प्रबंध निदेशक राहुल कुमार (भा.प्र.से.), प्रबंध निदेशक डॉ. नवल किशोर चौधरी (भा.प्र.से.), प्रबंध निदेशक सौरभ जोरवाल (भा.प्र.से.) और प्रबंध निदेशक विशाल राज (भा.प्र.से.) उपस्थित रहे। अजय यादव (भा.प्र.से.) ने प्रतियोगिता के सभी विजेताओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। साथ ही तीज एवं गणेश चतुर्थी के अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने कहा कि रचनात्मकता का उद्देश्य हमारी क्षमताओं को पहचानना और उन्हें नए आयाम देना है। भाषा को सरल और सहज बनाने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं तक संदेश प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए सरल भाषा का प्रयोग आवश्यक है। ऊर्जा सचिव ने सरल भाषा, प्रभावी संवाद और रचनात्मक सोच के साथ उपभोक्ताओं तक ऊर्जा विभाग की बात पहुंचाई जानी चाहिए। ऊर्जा परिवार के कर्मचारियों एवं पदाधिकारियों ने दोनों प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया और हिंदी भाषा के प्रति अपने प्रेम एवं रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के मूल्यांकन हेतु सांवर भारती, महाप्रबंधक (जनसंपर्क/प्रशासन), जितेश सिंह, महाप्रबंधक (जनसंपर्क/ प्रशासन) और रवि भूषण, महाप्रबंधक (जनसंपर्क/प्रशासन), निर्णायक मंडल के रूप में उपस्थित रहे।

सैमसंग सर्टिफाइड री-न्यूड ने गैलेक्सी एस 26 सीरीज को ग्राहकों तक पहुंचाया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। सैमसंग इंडिया अब गैलेक्सी एस 26 सीरीज को अपने सैमसंग सर्टिफाइड री-न्यूड प्रोग्राम के तहत उपलब्ध करा रहा है। सैमसंग की तीसरी पीढ़ी के एआई फोन्स के रूप में, सर्टिफाइड री-न्यूड गैलेक्सी एस 26 अल्ट्रा और गैलेक्सी एस 26 सैमसंग डॉट कॉम पर उपलब्ध है। ये डिवाइस नए जैसे हैं और बेहतरीन मूल्य पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। गैलेक्सी एस 26 सीरीज को अपनी सर्टिफाइड री-न्यूड लाइन-अप में शामिल करके सैमसंग अब अधिक ग्राहकों को अपने नवीनतम फ्लैगशिप इनोवेशन का अनुभव करने का अवसर दे रहा है।

ऊर्जा उत्पादन के साथ भारतीय भाषा एवं संस्कृति के संवर्धन के लिए एनटीपीसी प्रतिबद्ध

पूर्वी क्षेत्र-1 मुख्यालय में हिंदी दिवस सह हिन्दी पखवारे का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। एनटीपीसी पूर्वी क्षेत्र-1 मुख्यालय में राजभाषा अनुभाग के तत्वावधान में 14 से 28 सितम्बर 2026 तक आयोजित होने वाले हिंदी पखवाड़े के शुभारंभ के साथ ही 14 सितम्बर को मनाए जाने वाले हिन्दी दिवस का शुभारंभ मुख्य सभागार में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाप्रबंधक (मानव संसाधन) विल्सन अब्राहम ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग हेतु राजभाषा संकल्प दिलाया। इस अवसर पर महाप्रबंधक विल्सन अब्राहम ने कहा कि एनटीपीसी ऊर्जा उत्पादन के साथ-साथ भारतीय भाषा एवं संस्कृति के संवर्धन के लिए भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने कार्यालयीन कार्यों, रिपोर्टों एवं पत्राचार में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग पर जोर देते हुए कहा कि हिंदी को कार्य-व्यवहार की सहज एवं प्रभावी भाषा बनाया जाना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान एनटीपीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा जारी हिंदी अपील भी उपस्थितजनों के साथ साझा की गई। इस अवसर पर हिंदी वर्तनी शुद्धिकरण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। हिंदी पखवाड़े के दौरान निबंध लेखन, हिन्दी संगोष्ठी व कार्यशाला, श्रुति लेखन एवं हिंदी प्रश्नोत्तरी सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

हिंदी दिवस पर डॉ. आनन्द रंजन झा ने दिया हिंदी के सम्मान और डिजिटल शिक्षा का संदेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जंदाहा (वैशाली)। हिंदी दिवस के अवसर पर कैरियर मिशन कम्प्यूटर एकेडमी, जंदाहा के निदेशक डॉ. आनन्द रंजन झा ने हिंदी भाषा के सम्मान, संवर्धन और प्रचार-प्रसार का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि हिंदी हमारी पहचान, संस्कृति और राष्ट्रीय गौरव की भाषा है। आधुनिक तकनीकी शिक्षा के साथ हिंदी का समन्वय विद्यार्थियों को ज्ञान और कौशल की नई दिशा प्रदान कर सकता है। इस अवसर पर डॉ. आनन्द रंजन झा ने अपनी कविता 'हिंदी का गौरव, हिंदी का मान' के माध्यम से हिंदी भाषा के प्रति प्रेम और सम्मान की भावना व्यक्त की। डॉ. झा ने कहा कि हिंदी केवल भाषा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, संस्कार और भावनाओं की पहचान है। डिजिटल युग में हिंदी को कंप्यूटर एवं आधुनिक तकनीक से जोड़कर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा दिया जा सकता है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और हिंदी प्रेमियों को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

दानापुर मंडल में राजभाषा पखवारा का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दानापुर। हिन्दी दिवस के अवसर पर दानापुर मंडल के द्वारा 14 सितंबर से 30 सितंबर तक राजभाषा पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में मंडल रेल प्रबंधक विनोद कुमार द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर पखवाड़े का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अधिक से अधिक दैनिक काम-काज में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने का आह्वान किया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए अपने संदेश में मंडल रेल प्रबंधक विनोद कुमार ने बताया कि 'क' क्षेत्र में होने के कारण हमारी यह जिम्मेदारी है कि हम अपना अधिक से अधिक काम-काज राजभाषा हिन्दी में करें तथा सरल, सहज एवं आसान शब्दों के प्रयोग द्वारा राजभाषा हिन्दी को आम जनों को समझने की लायक भाषा बनाने में अपना योगदान दें। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक विनोद कुमार एवं उपस्थित अधिकारियों द्वारा 'रेलवाणी' त्रैमासिक पत्रिका का विमोचन भी किया गया। पत्रिका का विमोचन करते हुए मंडल रेल प्रबंधक ने बताया कि पत्रिका के माध्यम से हम अपने अव्यक्त भावों एवं विचारों को सरल एवं आसान शब्दों के माध्यम से दूसरे कर्मचारियों तक आसानी से पहुंचा सकते हैं। पत्रिका का मूल उद्देश्य पाठकों में ज्ञान एवं विभिन्न स्रोतों से प्राप्त जानकारियों का आदान-प्रदान करना है। पखवाड़े के अंतर्गत 14 सितंबर से लेकर 30 सितंबर तक दानापुर मंडल द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे जिसमें दिनांक 16.09.2026 को राजभाषा प्रदर्शनी, 18.09.2026 को टिप्पण एवं प्रारूप लेखन, 23.09.2026 को हिन्दी निबंध एवं वाक्य, 25.09.2026 को राजभाषा क्विज कर्मचारियों के लिए आयोजित किए जाएंगे।

भारतीय जीवन बीमा निगम के पूर्व मध्य क्षेत्रीय कार्यालय में हिंदी पखवारा समारोह का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारतीय जीवन बीमा निगम के पूर्व मध्य क्षेत्रीय कार्यालय, एक्जीबिशन रोड पटना के सभा कक्ष में मानव संसाधन विकास विभाग द्वारा हिंदी पखवाड़ा के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। सभा की अध्यक्षता प्रेमेंद्र हरि क्षेत्रीय प्रबंधक ने की। सभा के मुख्य अतिथि के रूप में डॉ तरुण कुमार हिंदी विभागाध्यक्ष, पूर्व प्राचार्य पटना कॉलेज, पूर्व मानविकी संकायाध्यक्ष पटना विश्वविद्यालय सम्मिलित हुए। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आज देशभर में बड़े उत्साह और गरिमा के साथ हम 'हिंदी दिवस' मनाया जा रहा है। इस वर्ष के हिंदी दिवस का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को अपनी राजभाषा के प्रति जागरूक करना, उसके गौरव को पुनर्स्थापित करना और दैनिक कामकाज में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग को बढ़ावा देना है। 14 सितंबर 1949 के ऐतिहासिक दिन को स्मरण करते हुए जब संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में लिखित हिंदी को भारत संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था, आज विभिन्न सरकारी, गैर-सरकारी और शैक्षणिक संस्थानों में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर देश के प्रबुद्ध जनों और संस्था प्रमुखों ने देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए हिंदी भाषा को जन-जन की भाषा बनाने का आह्वान किया है। सभा का संचालन ई केरकेट्टा, प्रादेशिक प्रबंधक, मानव संसाधन विकास विभाग ने किया। सभा का शुभारंभ निगम गीत, दीप प्रज्ज्वलन एवं गृह मंत्री और सी.ई.ओ./ एम.डी. के संदेश से हुआ। इसमें क्षेत्रीय कार्यालय के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप के पदक विजेता विवेक कुमार गुप्ता एवं नेहा रानी सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राष्ट्रीय स्तर पर पावरलिफ्टिंग में बिहार का नाम रोशन करने वाले नेशनल इक्विप्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2026 के पदक विजेता विवेक कुमार गुप्ता एवं नेहा रानी को सम्मानित किया गया। गाजीपुर, उत्तर प्रदेश में आयोजित 52वीं पुरुष सीनियर नेशनल इक्विप्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2026 में विवेक कुमार गुप्ता ने 74 किलोग्राम वर्ग में कुल 697.5 किलोग्राम वजन उठाकर कांस्य पदक हासिल किया। वहीं 44वीं महिला सीनियर नेशनल इक्विप्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2026 में नेहा रानी ने 83 किलोग्राम वर्ग में 477.5 किलोग्राम वजन उठाकर कांस्य पदक हासिल किया। दोनों खिलाड़ियों को विधायक एवं विधानसभा के मुख्य सचेतक संजीव चौरसिया ने दुशाला एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। सम्मान समारोह में बिहार राज्य पावरलिफ्टिंग संघ के महासचिव अशोक मेहता और बिहार राज्य पावरलिफ्टिंग संघ, पटना के अध्यक्ष राजीव भार्गव उपस्थित रहे। संघ की ओर से दोनों खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं।

कृषि ड्रोन से बदलेगी खेती की तस्वीर : विजय कुमार सिन्हा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में कृषि को आधुनिक एवं तकनीक आधारित बनाने की दिशा में राज्य सरकार लगातार नए कदम उठा रही है। किसानों को कम समय में अधिक क्षेत्र में कीटनाशी एवं तरल उर्वरकों के छिड़काव की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत चतुर्थ कृषि रोड मैप के तहत 'कृषि ड्रोन से फसलों पर कीटनाशी एवं तरल उर्वरक का छिड़काव' योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। योजना के लिए राज्य में कुल 11 करोड़ 81 लाख 30 हजार 440 रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके तहत बिहार के सभी 38 जिलों में 2,85,160 एकड़ फसल क्षेत्र में कृषि ड्रोन के माध्यम से कीटनाशी, फफूंदनाशी, खरपतवारनाशी, पादप वृद्धिनियामक तथा विभिन्न प्रकार के तरल उर्वरकों के छिड़काव का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बिहार की खेती को अब परंपरागत तरीकों के साथ आधुनिक तकनीक से जोड़ने का समय है।

होटल प्रबंधन संस्थान, हाजीपुर में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन

हिंदी हमारी संस्कृति, संवेदना और सामाजिक एकता का महत्वपूर्ण माध्यम : सुमित चटर्जी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन स्वायत्तशासी संस्था, होटल प्रबंधन संस्थान, हाजीपुर में हिंदी दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के विभागाध्यक्ष सुमित चटर्जी द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ व्याख्याता, व्याख्याता, सहायक व्याख्याता, प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विभागाध्यक्ष सुमित चटर्जी ने कहा कि हिंदी केवल हमारी भाषा नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, संवेदना, विचार और सामाजिक एकता का महत्वपूर्ण माध्यम है। यह देश के करोड़ों लोगों को एक-दूसरे से जोड़ने का कार्य करती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है क्योंकि इसी दिन वर्ष 1949 में संविधान सभा ने हिंदी को देवनागरी लिपि में संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। यह दिवस अपनी भाषा के प्रति सम्मान, गौरव और जिम्मेदारी को स्मरण करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि हिंदी की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सरलता, सहजता और समावेशी प्रकृति है। हिंदी ने समय के साथ विभिन्न भारतीय भाषाओं एवं संस्कृतियों के अनेक शब्दों को आत्मसात किया है जो इसकी जीवंतता और व्यापकता को दर्शाता है। होटल प्रबंधन एवं आतिथ्य क्षेत्र में हिंदी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए श्री चटर्जी ने कहा कि एक सफल आतिथ्य क्षेत्र के पेशेवर के लिए केवल तकनीकी ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि अतिथियों के साथ मधुर, विनम्र एवं प्रभावी संवाद करने की क्षमता भी अत्यंत आवश्यक है।

अभियंता दिवस पर बिहार विधान सभा अध्यक्ष ने दी शुभकामनाएं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

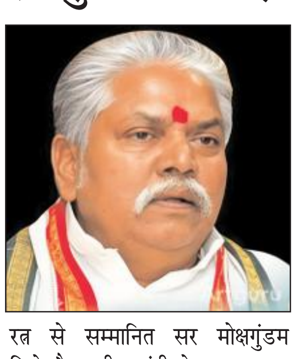

पटना। बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने अभियंता दिवस के अवसर पर सभी अभियंताओं के उज्ज्वल भविष्य, सुख-समृद्धि एवं सफलता की कामना करते हुए राष्ट्र निर्माण में उनके निरंतर योगदान के लिए शुभकामनाएं दी है। अपने संदेश में अध्यक्ष ने कहा कि अभियंता देश के विकास की आधारशिला को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अपनी तकनीकी दक्षता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार एवं रचनात्मक सोच के माध्यम से अभियंता आधारभूत संरचना, जल संसाधन, सिंचाई, ऊर्जा, उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी तथा डिजिटल विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्र निर्माण को गति प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह दिवस महान अभियंता एवं भारत रत्न से सम्मानित सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है। सर विश्वेश्वरैया ने देश में इंजीनियरिंग एवं तकनीकी विकास को नई दिशा देने के साथ-साथ जल प्रबंधन, सिंचाई और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया। उनकी दूरदृष्टि, अनुशासन, कार्य के प्रति समर्पण और राष्ट्र सेवा की भावना आज भी देश के अभियंताओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग ने की स्टेशन पुनर्विकास कार्य की प्रगति की समीक्षा

स्टेशन पुनर्विकास कार्य निर्धारित समय के भीतर पूरा करने का महाप्रबंधक ने दिया निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग द्वारा विभागाध्यक्षों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यालय, हाजीपुर में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशन पुनर्विकास कार्य की प्रगति की समीक्षा की गयी। बैठक में महाप्रबंधक द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विभिन्न स्टेशनों पर जारी पुनर्विकास कार्य की प्रगति की समीक्षा की गयी। महाप्रबंधक ने कार्य में तेजी लाते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा पर पूरा करने का निर्देश दिया। रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास यात्रियों को अत्याधुनिक रेल अवसंरचना, सुरक्षित, स्मार्ट एवं आरामदायक यात्रा अनुभव उपलब्ध कराने की दिशा में रेलवे की निरंतर प्रतिबद्धता का प्रतीक है। पूर्व मध्य रेल में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 97 स्टेशनों का पुनर्विकास विभिन्न चरणों में है। दानापुर मंडल के 22 स्टेशन, सोनपुर मंडल के 16 स्टेशन, धनबाद मंडल के 17 स्टेशन, पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल के 17 स्टेशन तथा समस्तीपुर मंडल के 25 स्टेशन इस योजना में शामिल हैं। विदित हो कि विकसित भारत के भारतीय रेल के दृष्टिकोण के अनुरूप चयनित रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित किया जा रहा है। भारतीय विविधता की भव्यता को प्रदर्शित करते हुए स्टेशन पुनर्विकास का मुख्य उद्देश्य स्टेशनों पर अत्याधुनिक यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ मौजूदा सुविधाओं का उन्नयन, यात्री सुविधाओं का विस्तार, सुगम पहुंच सुनिश्चित करना, सुरक्षा मानकों को सुदृढ़ करना तथा स्टेशन परिसर को आधुनिक एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान करना है। साथ ही क्षेत्र की स्थानीय पहचान एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखना भी इसका प्रमुख उद्देश्य है। स्टेशन की वास्तुकला को क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर के अनुरूप विकसित किया जा रहा है जिससे यह आधुनिक यात्री सुविधाओं और स्थानीय परंपरा का उत्कृष्ट संगम प्रस्तुत करेगा। बेहतर रेल संपर्क के माध्यम से स्थानीय व्यापार, कृषि गतिविधियों तथा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच और अधिक सुदृढ़ होगी।

शिक्षा विभाग ने 37 पदाधिकारियों को सौंपा जिलों के निरीक्षण का जिम्मा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। शिक्षा विभाग मुख्यालय ने राज्य के विभिन्न जिलों के निरीक्षण के लिए 37 पदाधिकारियों का आवंटन किया है। विभाग के विशेष सचिव द्वारा जारी सूची के अनुसार संबंधित पदाधिकारियों को अपने-अपने आवंटित जिलों में निरीक्षण कार्य शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया गया है। सूची के अनुसार श्रीप्रकाश (बि.प्र.से.), संयुक्त सचिव को गोपालगंज, शाहजहां (बि.प्र.से.), संयुक्त सचिव को मुजफ्फरपुर, शचीन्द्र कुमार, विशेष निदेशक, माध्यमिक शिक्षा को बक्सर तथा रश्मि रेखा (बीईपी) को बेगूसराय का निरीक्षण सौंपा गया है। अहसन, संयुक्त निदेशक, जन शिक्षा को पूर्वी चंपारण, संजू कुमारी (बि.प्र.से.), संयुक्त सचिव को जहानाबाद, सुषमा कुमारी (बि.प्र.से.), विशेष कार्य पदाधिकारी (एससीईआरटी) को गया तथा आरुष (बि.प्र.से.), विशेष कार्य पदाधिकारी (एससीईआरटी) को अरवल का दायित्व दिया गया है। रविन्द्र कुमार, उप निदेशक (एससीईआरटी) को रोहतास, नीरज कुमार, उप निदेशक, प्राथमिक शिक्षा को पश्चिम चंपारण, नरेन्द्र कुमार, उप निदेशक, माध्यमिक शिक्षा को मधुबनी, प्रफुल्ल कुमार मिश्र, उप निदेशक, प्राथमिक शिक्षा को अररिया तथा कविता कुमारी, उप निदेशक, प्राथमिक शिक्षा को वैशाली का निरीक्षण करना है। राज कुमार शर्मा, उप निदेशक को सीवान, शिवनाथ प्रसाद, माध्यमिक शिक्षा (संविदा पर नियोजित) को सारण, प्रमोद कुमार साहू, उप निदेशक, जन शिक्षा को सीतामढ़ी, कौशल कुमार, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी को लखीसराय तथा गार्गी कुमारी, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी को पूर्णिया का दायित्व मिला है।

संपादकीय

जलवायु परिवर्तन अब चेतावनी नहीं, ठोस कदम उठाना होगा

कहीं तेज गर्मी तो कहीं भाषण बाढ़, बारिश ने विश्व का हाल बेहाल कर रखा है। यूरोप को धरती का ठंडा क्षेत्र माना जाता है, लेकिन अब वहां भी वनाग्नि की घटनाएं आम हो गई हैं। दक्षिण-पश्चिमी फ्रांस के जंगल इन दिनों भीषण आग से दहक रहे हैं। यहां करीब ढाई लाख लोगों को घर-बार छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा है। जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए दुनिया भर में कई योजनाएं और कार्यक्रम बनाए गए हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर उन्हें अमल में लाने की गंभीरता कहीं नजर नहीं आती है। विडंबना यह है कि कार्बन उत्सर्जन में जिन देशों का योगदान सबसे कम है, उन्हें ही जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का खमियाजा सबसे ज्यादा भुगतना पड़ रहा है। एक नई अध्ययन रिपोर्ट से भी इस बात की पुष्टि होती है, जिसमें अनुमान लगाया गया है कि वैश्विक ताप में होने वाली बढ़ोतरी के कारण वर्ष 2050 तक सालाना चार लाख से अधिक लोगों की मौत हो सकती है। इनमें से दस गुना अधिक मौत गरीब देशों में होंगी, क्योंकि वहां लोगों के पास भीषण गर्मी से बचाव के लिए आवश्यक शीतलन सुविधाएं उपलब्ध कराने के संसाधन नहीं हैं।यही नहीं, तापमान बढ़ने से जंगलों में आग की घटनाएं भी लगातार भयावह होती जा रही हैं, जिससे न केवल पर्यावरण को नुकसान हो रहा है, बल्कि मनुष्य के आवासीय इलाकों के लिए भी खतरा पैदा हो गया है। गौरतलब है कि विश्व भर में विकास के नाम पर नए संसाधन विकसित करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है।

बढ़ते शहरीकरण एवं औद्योगीकरण, वाहनों की संख्या में बेतहाशा इजाफा तथा बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई और जंगलों को नष्ट किए जाने से कार्बन उत्सर्जन का स्तर लगातार बढ़ रहा है।इसमें सबसे बड़ा योगदान विकसित देशों का है, मगर जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयासों में वे निचली कतार में खड़े हैं। बढ़ते तापमान की वजह से जंगल की आग भी विनाशकारी साबित हो रही है।यूरोप को धरती का ठंडा क्षेत्र माना जाता है, लेकिन अब वहां भी वनाग्नि की घटनाएं आम हो गई हैं। दक्षिण-पश्चिमी फ्रांस के जंगल इन दिनों भीषण आग से दहक रहे हैं। यहां करीब ढाई लाख लोगों को घर-बार छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा है।भारत में भी हर साल जंगल की आग से वनस्पतियों का व्यापक नुकसान होता है। ऐसे में जरूरी है कि सुरक्षित भविष्य के लिए जलवायु परिवर्तन से निपटने के उपायों को लेकर गंभीरता दिखाई जाए और उन पर सख्ती से अमल किया जाए।

रूढ्वादियों के तुष्टीकरण हेतु तत्कालीन राजीव गांधी सरकार ने सदन में 19 मई 1986 को मुस्लिम महिला अधिनियम पारित किया और देश की सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को निष्प्रभावी कर दिया। मुस्लिम तुष्टीकरण के लिए वक्फ को मजबूत किया गया। वर्तमान में वक्फ बोर्ड के पास कुल 8.72 लाख से अधिक पंजीकृत अचल संपत्तियां, 16 हजार से अधिक चल संपत्तियां तथा 38 लाख एकड़ से अधिक भूमि है। ईसाइयों की धार्मिक संपत्तियों के लिए कैनन लॉ के नियम लागू होते हैं। वहीं हिन्दुओं के मंदिरों की सम्पत्तियों पर सरकारी कब्जे के फरमान जारी होते रहे। अधिकांश पर सरकारी कारिन्दों को प्रशासक बनाकर बैठा दिया गया जो सरकार के इशारे तथा स्वयं की मर्जी से व्यवस्थाओं संशोधित कर रहे हैं। इतिहास के पन्नों की कालिख के अलावा अब वर्तमान परिदृष्य बेहद कष्टप्रद होता जा रहा है। भगवां यात्रायें निकालने वाले हों या फिर हरे झंडे के नीचे धमकियां देने वाले। नीली जमात के सिपाहसालार हों या फिर सफेद टोपी वालों की भीड।

राजनीति के दंगल में धार्मिक तुष्टीकरण के दांव

(डा. रवीन्द्र अरजरिया)

बंगाल से लेकर दिल्ली तक दुर्गा पूजा पर मांसाहार के भक्षण पर बयानों, प्रदर्शनों और शब्द मंथन का दौर प्रारम्भ हो गया है। खान-पान, रहन-सहन और सोच-विचार के आधार पर देश को बांटने का प्रयास आक्रान्ताओं के आगमन के साथ ही शुरू हो गया था। चाटुकारों की लोलुप मानसिकता ने राष्ट्रभक्ति को दफन करके मीरजाफर की सोच को अंगीकार किया और भौतिक सुख की कल्पना में स्वयं के दुःखद अंत तक पहुंच गये। अतीत के पन्ने में चाटुकारों, लालचियों और स्वार्थी लोगों की कहानियां भरी पडीं हैं। सत्ता सुख, सम्मानित मंच और आर्थिक भण्डारण की मृगमारीचिका के पीछे दौडने वालों ने समय से साथ अवसरवादिता को अपनाया। कभी कट्टरता के आगे नतमस्तक हुए तो कभी शक्ति के आगे घुटने टेक दिये। कभी वैभव बटोरने के लिए नैतिकता की हत्या की तो कभी विलासता के लिए नीलामी के तख्ते पर खडे हो गये। ऐसे ही लोगों ने अपनों के छला और विरासत में मिलने वाली स्वयं की राष्टीय थाथी को आतिताइयों के हाथों में पहुंचा दिया। संस्कृति, संस्कार और सनातन किस्तों में कत्ल होता चला गया। वैदिक परम्पराओं और मान्यताओं पर कुठाराघात होता चला गया। शान्त, सहज और सरल जीवन यापन करने वालों पर चन्द चालाकों ने शिकंजा कसा और शाश्वत सिद्धान्तों की मनमानी व्याख्यायें करके स्वयं भू संरक्षक बना बैठे। धर्म को छुईमुई का पौधा बनाकर रख दिया गया। अजर, अमर और अविनाशी धर्म को छुने, खाने, पहनने, बोलने, करने जैसी क्रियाओं से नष्ट होने की परिभाषायें दी जाने लगीं। विजातीय होने की घोषणायें होने लगी। परिणामस्वरूप सत्य पर असत्य का आवरण चढता चला गया। देश, काल और परिस्थितियों के अनुरूप जीवन शैली अपनाने वालों ने नये परिवेश में भी अपनी मान्यताओं को रूढियों में बदलकर लकीर पीटना शुरू कर दिया। शासकों ने शासितों पर अपनी मान्यताओं को थोप दिया। लम्बे समय तक गुलामी झेलने के कारण आम आवाम का आत्मविश्वास तार-तार हो गया। यही कारण है कि स्वाधीनता संग्राम में आक्रामकता को अंगीकार करने वालों के स्थान पर काले अंग्रेज बन चुके विलायती चाटुकारों के हाथों में षडयंत्र के तहत देश सौपा गया। नये तानाशाह का राजतिलक हुआ। बांटो और राज करो, की नीतियां चलती रहीं। धर्म के नाम पर, जाति के नाम पर, भाषा के नाम पर, क्षेत्र के नाम पर बटवारे किये जाते रहे। सभी वर्गों के मीरजाफरों को पर्दे के पीछे से संरक्षण दिया जाता रहा। हालात यहां तक पहुंच गये कि तुष्टीकरण के लिए संविधान संशोधन भी किये जाते रहे ताकि अपने लोगों को खुश रखा जा सके। कभी न्याय के मापदण्ड बदले गये तो कभी धार्मिक सम्पत्तियों के लिए कठोर नियम बनाये। कभी पुरातन मान्यताओं को तोडा गया तो कभी आस्था पर आघात किया गया। स्वतंत्र भारत में ऐसे अनगिनत उदाहरण भरे पडे हैं जिनमें से शाहबानो प्रकरण तो आज देश की राजनीति से जवाब मांग रहा है। सन् 1985 में सर्वोच्च न्यायालय ने मोहम्मद अहमद खान बनाम शाहबानो बेगम प्रकरण में स्वयं का भरण-पोषण करने में असमर्थ तलाकशुदा महिला के लिए दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के अंतर्गत भरण-पोषण के अधिकार को मान्यता दी। कोर्ट ने शाह बानो बेगम के पक्ष में फैसला सुनाते हुए उन्हें गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया जिससे कट्टरपंथी नाराज हो गये। रूढवादियों के तुष्टीकरण हेतु तत्कालीन राजीव गांधी सरकार ने सदन में 19 मई 1986 को मुस्लिम महिला अधिनियम पारित किया और देश की सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को निष्प्रभावी कर दिया। मुस्लिम तुष्टीकरण के लिए वक्फ को मजबूत किया गया। वर्तमान में वक्फ बोर्ड के पास कुल 8.72 लाख से अधिक पंजीकृत अचल संपत्तियां, 16 हजार से अधिक चल संपत्तियां तथा 38 लाख एकड़ से अधिक भूमि है। ईसाइयों की धार्मिक संपत्तियों के लिए कैनन लॉ के नियम लागू होते हैं। वहीं हिन्दुओं के मंदिरों की सम्पत्तियों पर सरकारी कब्जे के फरमान जारी होते रहे। अधिकांश पर सरकारी कारिन्दों को प्रशासक बनाकर बैठा दिया गया जो सरकार के इशारे तथा स्वयं की मर्जी से व्यवस्थाओं संशोधित कर रहे हैं। इतिहास के पन्नों की कालिख के अलावा अब वर्तमान परिदृष्य बेहद कष्टप्रद होता जा रहा है। भगवां यात्रायें निकालने वाले हों या फिर हरे झंडे के नीचे धमकियां देने वाले। नीली जमात के सिपाहसालार हों या फिर सफेद टोपी वालों की भीड। लाल फीताशाही हो या फिर खद्दरधारियों की जमातें। समाज सेवक के लबादे में लिपटे षडयंत्रकारी हों या फिर बुद्धिजीवियों के स्वयं भू ठेकेदार। सभी एक सुनियोजित षडयंत्र के तहत आम आवाम को ठगने, सत्ता सुख भोगने, विलासता के संसाधन जुटाने में लगे हैं। सनातन की सरलता ने उसे राजनैतिक दलों का चारागाह बना दिया है। बहुसंख्यक का नाम देकर उस पर अत्याचारों की दावानल निरंतर गिराया जा रहा है। जातिगत वैमनुष्यता फैलाई जा रही है। वैदिक मान्यताओं तक को हाशिये पर पहुंचाया जा रहा है। उदाहरण के लिए सनातनी ग्रन्थों में उल्लेखित चार धामों के विस्तार को लें तो वर्तमान में सरकारी तंत्र की गतिविधियों में छुपा षडयंत्र सामने आ ही जाता है। देश के वर्तमान मानचित्रानुसार उत्तराखण्ड में श्रीबद्रीनाथ धाम, उडीसा में श्रीजगन्नाथ धाम, तमिलनाडु में श्रीरामेश्वरम धाम तथा गुजरात में श्रीद्वारिका धाम की स्थिति ही चारों धाम की परिभाषा को पूर्ण करते हैं परन्तु उत्तराखण्ड की सरकारी मशानरी लम्बे समय से अपने राज्य में ही चारों धाम होने का जयघोष करके सनातनी ग्रन्थों को झूठा साबित करने पर तुली है। वहां के सरकारी आंकडों में श्रीबद्रीनाथ, श्रीकेदारनाथ, श्रीगंगोत्री और श्रीयमुनात्री ही चारों धाम हैं। ऐसा ही प्रयास कांग्रेस के शासन काल में श्रीरामसेतु की प्रमाणिकता के दौरान भी किया गया था जिसमें प्रमाणों को झुठलाकर उसे काल्पनिक तक बताया गया था। सूत्रों में समायोजित सनातनी ग्रन्थों ने अपने दर्शन को कथानकों के माध्यम से रोचकता प्रदान करते हुए वर्णित किया है जिसे तत्वदर्शियों, ज्ञानियों तथा तपस्वियों से ही उसका मर्म समझा जा सकता है। जैसे कहानी के कथानक, कथोपकथन आदि के पीछे उसकी शिक्षा छुपी होती है वैसे ही सनातनी ग्रन्थों की व्याख्या भी है। संस्कृत को हिन्दी में अनुवादित करने वालों ने अपनी समकालीन सामाजिक व्यवस्थाओं को भी धर्म के नाम पर परोस दिया था जिसे आज भी अनेक कथित विद्वानजन मान्यता के रास्ते से रूढि बनाने पर तुले हैं। अनेक अनुवाद तो देश की गुलामी के दौरान कराये गये। ग्रन्थों को आतिताई शासनों ने विकृत किया था। सामाजिक व्यवस्था को सुखद बनाने वाले आज स्वयं के हित साधने में लगे हैं। दलगत राजनीति के दिखावे के पीछे निजी हितों की लहरें छुपी हैं जो अब सुनामी बनकर देश को ही नस्तनाबूत करने पर तुल गईं हैं। बहुरूपिये बनकर खद्दरधारियों की जमातें चुनावी काल में मंदिर, मस्जिद, चर्च, गुरुद्वार पहुंचने लगते हैं। जातिगत महापुरुषों को देवता, भगवान और परमात्मा तक मानने लगते हैं। अभी से ही संख्याबल के आधार पर नये दावपेंच चले जा रहे हैं। ऐसे में देश को आम आवाम को स्वयं आगे आकर एक देश-एक कानून की मांग उठाना चाहिए तभी राजनीति के दंगल में धार्मिक तुष्टीकरण के दांव विफल होंगे। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश को जरूर लगाएं इन चीजों का भोग, बप्पा को है अत्यंत प्रिय

(ज्योति साह)

गणेश उत्सव शुरु हो चुका है। विधि-विधान से लोग अपने घरों में बप्पा का स्वागत हुआ। गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश की पूजा और उन्हें कई प्रकार के भोग लगाए जाते हैं। मान्यता है कि गणेश जी को उनके प्रिय भोग जरूर अर्पित करने चाहिए। इससे बप्पा प्रसन्न होते हैं। तो चलिए जानें भगवान गणेश के प्रिय भोग। गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर देशभर में भक्त धूमधाम से भगवान गणेश का अपने-अपने घरों में स्वागत करते हैं। हर साल भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर गणेश चतुर्थी का त्योहार मनाया जाता है। मान्यता है कि इसी तिथि पर बप्पा का जन्म हुआ था। घर में भगवान गणेश को पूरे विधि-विधान के साथ-साथ सही दिशा और सात्विक नियमों का पालन करते हुए रखना अनिवार्य होता है। ज्योतिष एक्सपर्ट, वास्तु गुरु मान्या बताती हैं कि गणेश चतुर्थी पर बप्पा की विधि-विधान से पूजा करने के साथ-साथ उन्हें कुछ चीजों को भोग जरूर लगाना चाहिए। ऐसा करने से भगवान गणेश प्रसन्न होते हैं और उनकी कृपा से परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। तो चलिए विस्तार से जानें भगवान गणेश के प्रिय भोग जो गणेश चतुर्थी पर बप्पा को जरूर लगाने चाहिए। साथ ही, इस दौरान कुछ नियमों का ध्यान भी जरूर रखना चाहिए। मोदक - ज्योतिष एक्सपर्ट, वास्तु गुरु मान्या के अनुसार, भगवान गणेश को चावल के आटे, ताजे नारियल और गुड़ से बने 21 उकडीचे मोदक का भोग लगाना चाहिए। क्योंकि, ये मोदक उन्हें अत्यंत प्रिय है। लड्डू का भोग - शुद्ध देसी घी से बने मोतीचूर या बेसन के लड्डू भी भगवान गणेश को अर्पित करने चाहिए। पीला रंग बृहस्पति ग्रह से संबंधित है और सकारात्मक ऊर्जा को दर्शाता है। ऐसे में गणेशजी को लड्डू का भोग लगाने से आर्थिक समस्याएं कम हो सकती हैं। केले का जोड़ा -गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश को कभी भी अकेला केला यानी एक केला अर्पित नहीं करना चाहिए। उन्हें हमेशा दो पके हुए केले का जोड़ा ही चढ़ाएं। 21 दूर्वा और गुड़-नारियल ~बप्पा के लिए भोग की थाली तैयार करते समय उसमें 21 गांठ दूर्वा के साथ शुद्ध गुड़ और ताजे नारियल की गिरी जरूर रखें। भगवान गणेश को दूर्वा अत्यंत प्रिय है। केसरीया खीर और पंचामृत - गाय के शुद्ध दूध मखाने-चावल से केसरिया खीर बनाकर उसका भोग लगाएं। यह खीर गणेश जी को बहुत प्रिय है। इसे अर्पित करने से घर में समृद्धि और शांति का वास बना रह सकता है। पूरन पोली - चना दाल, गुड़ और शुद्ध घी से बनी पूरन पोली बप्पा को अत्यंत प्रिय है। ज्योतिष एक्सपर्ट, वास्तु गुरु मान्या बताती हैं कि चना दाल और गुड़ से बना ये भोग गणेशजी को अर्पित करने से घर के सदस्यों की बुद्धि तेज होती है और बिजनेस व करियर में तरक्की के रास्ते खुल सकते हैं। सूजी का शीरा - शुद्ध घी, सूजी, चीनी और ड्राई फ्रूट्स से तैयार किया शीरा यानी हलवा का भोग भी भगवान गणेश को जरूर लगाएं। ये भोग अर्पित करने से परिवार के बीच आपसी प्रेम और शांति बढ़ सकती है। हालांकि, बप्पा को भोग लगाते समय कुछ नियमों का ध्यान जरूर रखना चाहिए।

साथ ही, इस दौरान कुछ नियमों का ध्यान भी जरूर रखना चाहिए। मोदक - ज्योतिष एक्सपर्ट, वास्तु गुरु मान्या के अनुसार, भगवान गणेश को चावल के आटे, ताजे नारियल और गुड़ से बने 21 उकडीचे मोदक का भोग लगाना चाहिए। क्योंकि, ये मोदक उन्हें अत्यंत प्रिय है। लड्डू का भोग - शुद्ध देसी घी से बने मोतीचूर या बेसन के लड्डू भी भगवान गणेश को अर्पित करने चाहिए। पीला रंग बृहस्पति ग्रह से संबंधित है और सकारात्मक ऊर्जा को दर्शाता है। ऐसे में गणेशजी को लड्डू का भोग लगाने से आर्थिक समस्याएं कम हो सकती हैं। केले का जोड़ा - गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश को कभी भी अकेला केला यानी एक केला अर्पित नहीं करना चाहिए।

गणेशजी को भोग लगाते समय इन नियमों का रखें ध्यान – गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश को भोग लगाते समय आपका मुख पूर्व या उत्तर दिशा की तरफ ही होना चाहिए। इस दिशा को वास्तु में बहुत शुभ माना जाता है। भोग हमेशा चांदी, पीतल, तांबे या केले के पत्ते पर रखकर ही अर्पित करना चाहिए। भूलकर भी कांच, प्लास्टिक या लोहे के बर्तन में भगवान गणेश को भोग न लगाएं। शास्त्रों के अनुसार, गणेशजी की पूजा और नैवेद्य में तुलसी का पत्ता भूलकर भी शामिल नहीं करना चाहिए। क्योंकि शिवजी और बप्पा की मूर्ति में तुलसी दल का प्रयोग करना वर्जित माना गया है।

---

38 साल बाद श्रीलंका की यात्रा पर गये भारतीय रक्षा मंत्री, पहुँचते ही चाइना का सारा खेल पलट दिया

राजनाथ सिंह ने कोलंबो में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए जिस बात पर सबसे ज्यादा जोर दिया, उसका रणनीतिक संदेश बेहद स्पष्ट था, पड़ोसी बदले नहीं जा सकते। उन्होंने कहा कि भारत श्रीलंका को अपना बेहद करीबी मित्र मानता है और संकट की किसी भी घड़ी में उसके साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। यह केवल भावनात्मक बयान नहीं, बल्कि 2022 के आर्थिक संकट और 2025 में चक्रवात दित्वाह के बाद भारत की त्वरित सहायता से जुड़ी उस विश्वसनीयता का राजनीतिक विस्तार है, जिसे श्रीलंका में चीन के मुकाबले भारत की सबसे बड़ी ताकत माना जा सकता है।

(नीरज कुमार दुबे)

श्रीलंका हिंद महासागर के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों के बीच स्थित है। कोलंबो, हंबनटोटा और अन्य बंदरगाहों की भौगोलिक स्थिति इसे भारत की समुद्री सुरक्षा के लिए असाधारण महत्व देती है। पिछले वर्षों में चीन की आर्थिक और बंदरगाह परियोजनाओं ने श्रीलंका को बीजिंग के रणनीतिक प्रभाव के केंद्र में ला दिया था। करीब 38 साल बाद किसी भारतीय रक्षा मंत्री का श्रीलंका पहुंचना हिंद महासागर की बदलती भू-राजनीति में भारत की उस रणनीतिक वापसी का संकेत है, जिसमें सुरक्षा, समुद्री शक्ति, आर्थिक साझेदारी और जनविश्वास, चारों मोर्चों को एक साथ साधा जा रहा है। इससे पहले 1988 में तत्कालीन रक्षा मंत्री केसी पंत श्रीलंका गए थे और अब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कोलंबो की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। राजनाथ सिंह ने कोलंबो में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए जिस बात पर सबसे ज्यादा जोर दिया, उसका रणनीतिक संदेश बेहद स्पष्ट था, पड़ोसी बदले नहीं जा सकते। उन्होंने कहा कि भारत श्रीलंका को अपना बेहद करीबी मित्र मानता है और संकट की किसी भी घड़ी में उसके साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। यह केवल भावनात्मक बयान नहीं, बल्कि 2022 के आर्थिक संकट और 2025 में चक्रवात दित्वाह के बाद भारत की त्वरित सहायता से जुड़ी उस विश्वसनीयता का राजनीतिक विस्तार है, जिसे श्रीलंका में चीन के मुकाबले भारत की सबसे बड़ी ताकत माना जा सकता है।

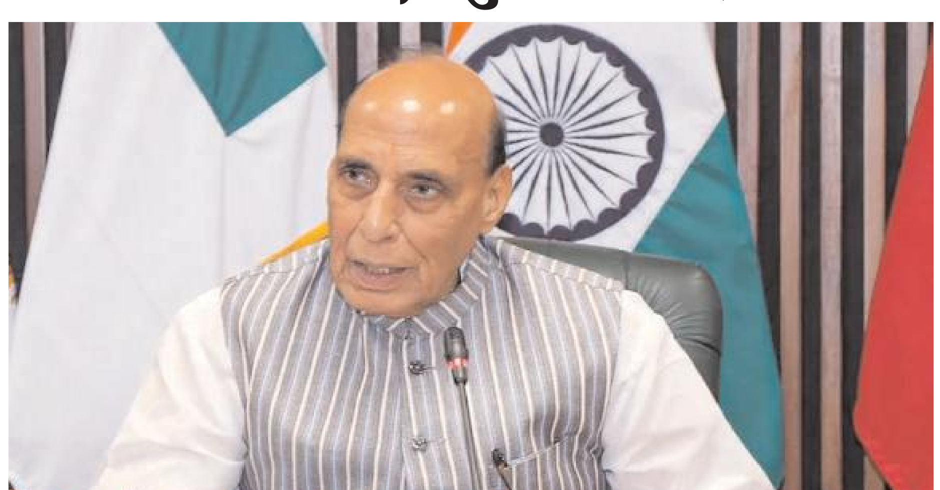

चीन के मुकाबले भारत की बढ़त क्यों अहम? – श्रीलंका हिंद महासागर के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों के बीच स्थित है। कोलंबो, हंबनटोटा और अन्य बंदरगाहों की भौगोलिक स्थिति इसे भारत की समुद्री सुरक्षा के लिए असाधारण महत्व देती है। पिछले वर्षों में चीन की आर्थिक और बंदरगाह परियोजनाओं ने श्रीलंका को बीजिंग के रणनीतिक प्रभाव के केंद्र में ला दिया था। लेकिन मौजूदा घटनाक्रम संकेत देता है कि कोलंबो अब एकतरफा चीनी निर्भरता की बजाय संतुलित साझेदारी को प्राथमिकता दे रहा है। खुद श्रीलंका के संडे टाइम्स ने राजनाथ सिंह के दौरे से पहले लिखा कि भारत चाहता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पिछली यात्रा के दौरान हुए समझौतों को तेजी से लागू किया जाए। अखबार ने यह भी रेखांकित किया कि सिंह की यात्रा ऐसे समय हो रही है जब श्रीलंका को अपने अंतरराष्ट्रीय संबंधों को अधिक सक्रियता से संचालित करना होगा। इसी अखबार के संपादकीय ने इससे भी बड़ा संकेत दिया। उसने हिंद महासागर में बढ़ती सैन्य गतिविधियों, समुद्री मार्गों और बंदरगाहों की भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच श्रीलंका को फिर से जियोपोलिटिकल वोटर्स में बताया और चीन के संदर्भ में पहले सामने आए संदिग्ध शोध-पोतों के मुद्दे को याद किया। यानी श्रीलंका की अपनी मीडिया बहस भी यह स्वीकार कर रही है कि द्वीप की सुरक्षा और संप्रभुता अब सीधे हिंद महासागर की महाशक्ति प्रतिस्पर्धा से जुड़ी है।

रक्षा सहयोग अब कागज से जमीन पर – इस यात्रा का सबसे ठोस परिणाम तीन महत्वपूर्ण रक्षा समझौतों के रूप में सामने आ रहा है। इनमें दोनों देशों के नेशनल कैडेट कार्पस के बीच सहयोग, भारत और श्रीलंका के नेशनल डिफेंस कालेज के बीच साझेदारी तथा श्रीलंकाई वायुसेना के भारतीय मूल के 70 एंटी-एयरक्राफ्ट हथियारों के रखरखाव में भारत की सहायता शामिल है। भारत पहले ही 24 ऐसे हथियार श्रीलंका को दे चुका है और अब शेष छह की भी मुफ्त में मेंटेनेंस सहायता करेगा। यहां असली महत्व हथियारों से ज्यादा दीर्घकालिक सैन्य इंटरऑपरेबिलिटी और संस्थागत संबंधों का है। प्रशिक्षण, रक्षा शिक्षा और उपकरणों का रखरखाव किसी देश को केवल हथियार बेचने से कहीं ज्यादा गहरे सुरक्षा रिश्ते में बांधता है। इसके साथ ही कोलंबो बंदरगाह पर भारतीय नौसेना के आईएनएस उदयगिरी की मौजूदगी ने यात्रा को स्पष्ट समुद्री आयाम भी दे दिया है।

दिल जीतने की कूटनीति – राजनाथ सिंह ने केवल रक्षा की भाषा नहीं बोली। उन्होंने भारत की आर्थिक क्षमता, तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था और वैश्विक भूमिका को भी सामने रखा। उन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था के करीब 4 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने, 7.8 प्रतिशत तिमाही वृद्धि और वैश्विक विकास में 16 प्रतिशत से अधिक योगदान का उल्लेख किया। यह संदेश श्रीलंका के लिए महत्वपूर्ण है कि भारत अब केवल सुरक्षा प्रदाता नहीं, बल्कि आर्थिक अवसरों का स्रोत भी है। उधर, श्रीलंका के राजनीतिक और सामाजिक हलकों में भी इस रिश्ते की सकारात्मक स्वीकार्यता दिखाई दे रही है। पूर्व ईस्टर्न प्रोविंस गवर्नर और सीलोन वर्कर्स कांग्रेस नेता सेंथिल थोंडामन ने राजनाथ सिंह की यात्रा को दोनों देशों की रक्षा साझेदारी मजबूत करने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया और कहा कि श्रीलंका ने सरकारें बदलने के बावजूद भारत के साथ रक्षा क्षेत्र में सहयोग बनाए रखा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को श्रीलंका के लोगों द्वारा बड़े भाई की तरह स्वीकार किए जाने की बात भी कही।

रणनीतिक निष्कर्ष- भारत ने बाजी कैसे पलटी? – देखा जाये तो यह स्पष्ट है कि भारत ने श्रीलंका को चीन की एकाधिकारवादी रणनीतिक निर्भरता की ओर जाने से रोकने के लिए एक मजबूत वैकल्पिक सुरक्षा और आर्थिक ढांचा खड़ा कर दिया है। यही इस यात्रा की सबसे बड़ी रणनीतिक जीत है। भारत ने सैन्य शक्ति के साथ विश्वसनीयता, संकट में मदद, सांस्कृतिक निकटता, आर्थिक अवसर और जनसंपर्क को एक पैकेज में बदल दिया है। श्रीलंका को यह संदेश मिल रहा है कि भारत उसके सामने कोई दूर की महाशक्ति नहीं, बल्कि वह पड़ोसी है जो संकट में सबसे पहले पहुंच सकता है। हिंद महासागर के इस निर्णायक भूगोल में यही भारत की सबसे बड़ी बढ़त है। चीन बंदरगाहों और परियोजनाओं के जरिए प्रभाव बनाता है, जबकि भारत अब सुरक्षा, साझेदारी और भरोसे के जरिए अपना प्रभाव गहरा कर रहा है। राजनाथ सिंह की कोलंबो यात्रा केवल रक्षा कूटनीति नहीं; यह हिंद महासागर में भारत की रणनीतिक वापसी और श्रीलंका के दिल-दिमाग दोनों में अपनी जगह मजबूत करने की कवायद है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

डीलर के विरुद्ध लाभुकों ने प्रखंड मुख्यालय पर किया प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डंडखोरा (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र के भमरैली पंचायत के दर्जनों राशन कार्ड लाभुक सोमवार को प्रखंड मुख्यालय पहुंचकर जन वितरण प्रणाली के दुकानदार रामानंद पोद्दार के विरुद्ध जमकर प्रदर्शन किया। आक्रोशित लाभुकों ने प्रखंड कार्यालय का घेराव करते हुए डीलर पर खाद्यान्न वितरण में भारी कटौती,तौल में हेराफेरी, अवैध वसूली तथा विरोध करने पर गाली-गलौज करने का गंभीर आरोप लगाया।इस दौरान ग्रामीण राशन का भी लाये थे। लाभुक प्रखंड विकास पदाधिकारी के पास डीलर के खिलाफ अपनी शिकायत दर्ज करते हुए निष्पक्ष जांच और सख्त कानूनी कार्रवाई किये जाने की मांग की है। प्रखंड मुख्यालय पहुंची लाभुक लक्ष्मी देवी तथा कौशल्या देवी ने बताया कि निर्धन परिवार के होने के कारण सरकार द्वारा उन्हें अंत्योदय

अन्न योजना के तहत 35 किलोग्राम राशन आवंटित है। लेकिन डीलर द्वारा उन्हें हर महीने महज 12 से 13 किलोग्राम अनाज देकर विदा कर दिया जाता है।पूरा राशन मांगने पर डीलर व उसका पुत्र कहता है कि ऊपर से हीं माल कम दिया जा रहा है।लेना है तो लो नहीं तो जाओ। वहीं लाभुक सूरज चौहान ने बताया कि प्रति सदस्य पांच किलो प्रति युनिट की दर से मिलने वाले राशन में भी मनमाना ढंग से कटती की जाती है। 25 किलो के बदले 20 और 60 किलो की जगह 40 किलो राशन ही दिया जाता है। उन्होंने बताया कि जो राशन दिया जाता है,उसे बाहर में तौलने पर उसमें भी 2-3 किलो कम होता है।लाभुकों ने डीलर पर ई-केवाईसी और कार्ड ठीक करने के नाम पर 100 से 200 रुपये की अवैध वसूली किये जाने का भी आरोप लगाया है। तो वहीं डीलर के पुत्र सोनू कुमार पर लाभुकों को गाली देने और अभद्र व्यवहार करने की बात कही।लाभुकों की मानें तो डीलर द्वारा प्रवासी मजदूरों के राशन के राशन कार्ड बंद करने की भी धमकी दी जाती है। बार-बार शिकायत के बाद भी कोई सुधार नहीं होने पर उन्हें आजिज होकर प्रखंड मुख्यालय आकर गुहार लगानी पड़ी।अब सवाल है कि सरकार गरीब कार्डधारकों को राशन मुफ्त देती है।वितरण सही हो इसकी निगरानी को लेकर प्रखंड से लेकर जिलास्तर तक के पदाधिकारी नामित हैं ।फिर भी गरीबों की हकमारी क्यों हो जाती है?क्या निगरानी से जुड़े लोग अपने दायित्वों का निर्वहन सही ढंग से नहीं कर पा रहे हैं? स्थानीय जनप्रतिनिधि बताते हैं कि नियमित प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी का नहीं होना तथा विभागीय डाटा ऑपरेटर पंकज कुमार का पदस्थापित होना अनियमितता को बढावा देता है। इसका अवैध वसूली: ई-केवाईसी और नाम सुधार के नाम पर 100-200 रुपये ऐंठने का आरोप लाभुकों का आरोप है कि डीलर मनमाने ढंग से वसूली का अड्डा चला रहा है। बाहर कमाने गए परदेसी कामगार जब राशन लेने आते हैं, तो उनका नाम पोर्टल से कटने का डर दिखाकर 3 हजार रुपये तक की मांग की जाती है। ग्रामीणों ने बताया कि सरकार द्वारा ई-केवाईसी प्रक्रिया बिल्कुल निःशुल्क रखी गई है, लेकिन डीलर द्वारा प्रति कार्ड 100 से 200 रुपये जबरन वसूले जा रहे हैं। राशि नहीं देने पर अंगूठा नहीं लगवाया जाता। लाभुकों ने चेतावनी दी कि यदि अविलंब जांच कर डीलर का लाइसेंस रद्द नहीं हुआ, तो वे अनुमंडल स्तर पर उग्र आंदोलन करेंगे। पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। इस बाबत प्रभारी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी से फोन पर बात की गयी तो फोन उठाना मुनासिब नहीं समझा।

गणेश पूजा कलश यात्रा से पहले बरंडी नदी में डूबे दो किशोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फलका (कटिहार)। सोमवार को फलका बाजार में गणेश पूजा के अवसर पर आयोजित होने वाली कलश शोभायात्रा की खुशियाँ पल भर में मातमी सन्नाटे में तब्दील हो गईं।बरंडी नदी के निसुंदरा घाट पर स्नान करने के क्रम में पैर फिसलकर गहरे पानी में चले जाने से एक किशोर की डूबकर मौत हो गई। जबकि दूसरे को स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए बाल-बाल बचा लिया।मृतक बालक की पहचान फलका बाजार निवासी तेजस कुमार (15) के रूप में हुई है।वहीं सुरक्षित बचाए गए दूसरे बालक की पहचान उसी मोहल्ले के पीयूष कुमार (14) के रूप में की गई है। घटना के बारे में बताया जाता है कि तेजस और पीयूष अपने अन्य दोस्तों के साथ कलश शोभायात्रा से पहले निसुंदरा घाट पर स्नान करने गए थे। इसी दौरान दोनों गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। बच्चों को डूबता देख घाट पर मौजूद स्थानीय लोगों ने तुरंत नदी में छलांग लगा दी। काफी मशक्कत के बाद पीयूष कुमार को कुछ ही समय में पानी से बाहर निकाल लिया गया, जिससे उसकी जान बच गई। हालांकि तेजस कुमार का कोई सुराग नहीं मिल पाया। करीब डेढ़ घंटे की कड़ी खोजबीन के बाद तेजस को पानी से बाहर निकाला जा सका।घटना के तुरंत बाद ग्रामीणों और स्थानीय प्रशासन के सहयोग से दोनों बच्चों को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फलका लाया गया।जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद तेजस कुमार को मृत घोषित कर दिया।वहीं पीयूष कुमार

का अस्पताल में इलाजरत है।घटना की सूचना मिलते ही प्रभारी थानाध्यक्ष अमरदीप कुमार सिंह ने शव को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस कागजी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी में जुट गई है। इस हृदय विदारक घटना के बाद से मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे फलका बाजार में शोक की लहर दौड़ गई है।मामले में अंचलाधिकारी सौमी पोद्दार ने बताया कि संबंधित राजस्व कर्मचारी को मौके पर भेजकर जांच रिपोर्ट समर्पित करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाते हुए जल्द ही मृतक के आश्रित को आपदा प्रबंधन विभाग के तहत उचित मुआवजा दिलाने का भरोसा दिया है।

संक्षिप्त समाचार

साहेबनगर में 460 परिवारों के बीच प्लास्टिक का वितरण

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। अंचल कार्यालय मनसाही के द्वारा साहेबनगर पंचायत के साहेबनगर गांव में बाढ़ से प्रभावित 460 परिवारों के बीच प्लास्टिक का वितरण किया गया। इस मौके पर वार्ड संख्या चार के वार्ड सदस्य मोहम्मद मन्नान ने बताया कि अंचल कार्यालय मनसाही के द्वारा 460 प्लास्टिक उपलब्ध कराया गया था जिसे शिविर लगाकर बाढ़ पीड़ितों के बीच बांटा गया। वहीं अंचल प्रशासन के द्वारा अभी भी 60 और परिवारों के बीच प्लास्टिक बांटा जाना बाकी हैं। अंचल प्रशासन के द्वारा जैसे ही प्लास्टिक उपलब्ध कराया जाएगा तुरंत उन्हें बाढ़ पीड़ितों के बीच वितरण कर दिया जाएगा।

गैस सिलेंडर से लगी किराना दुकान में आग

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। मनसाही थाना क्षेत्र के कुरेठा पंचायत अंतर्गत पंचवर्गा चौक स्थित एक किराना दुकान में सोमवार की सुबह गैस सिलेंडर लीक होने से अचानक आग लग गयी। अगलगी की घटना में दुकान में रखी लाखों रुपये की किराना सामग्री जलकर राख हो गयी। घटना के बाद पीड़ित दुकानदार व परिवार के लोगों में मायूसी छायी हुई हैं ।जानकारी के अनुसार पंचवर्गा चौक निवासी मोहम्मद रतीबुल की किराना दुकान में सोमवार सुबह करीब 9:30 बजे चाय बनाने के दौरान गैस सिलेंडर से गैस का रिसाव होने लगा। देखते ही देखते सिलेंडर में आग पकड़ ली और आग ने पूरी दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें तेज होने के कारण आसपास के लोग मौके पर जुट गये और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि जब तक स्थानीय लोगों द्वारा आग बुझायी गयी,तब तक दुकान में रखी अधिकांश किराना सामग्री जलकर राख हो चुकी थी। पीड़ित दुकानदार के अनुसार,अगलगी में लाखों रुपये की सामग्री का नुकसान हुआ है। घटना की सूचना मिलने पर कुरेठा पंचायत के मुखिया अवधेश प्रसाद यादव,पैक्स अध्यक्ष छोटू कुमार गोस्वामी सहित अन्य स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और घटना का जायजा लिया। जनप्रतिनिधियों ने अंचलाधिकारी मोहम्मद इस्माइल को घटना की जानकारी देते हुए अग्निपीड़ित दुकानदार को सरकारी स्तर से उचित मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग की।

परीक्षाफल नहीं निकलने से बीएड में नामांकन नहीं ले पा रहे छात्र : अभाविप

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। पूर्णिया विश्वविद्यालय 1 जुलाई से लेकर 31 जुलाई तक बीए बीएससी और बीकॉम स्पेशल पार्ट 2 ऑल पार्ट 3 का परीक्षा लिया गया था। इस मौके अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद प्रांत सह मंत्री विनय सिंह, विभाग सह संयोजक विक्रांत सिंह, नगर सह मंत्री रवि सिंह, विशाल सिंह ने कहा कि पार्ट 3 के परीक्षाफल के इंतजार में छात्र और छात्रा बीएड में नामांकन लेने से वर्जित हो रहे है । यूपी हरियाणा सभी जगह नामांकन

की तिथि खत्म हो रही है ।एबीवीपी के कार्यकताओं ने कहा कि जुलाई से सितंबर आ चुकी है पर परीक्षाफल अभी तक प्रकाशित नहीं की गई है। उन्होंने परीक्षा नियंत्रिक से आग्रह किया है कि छात्र हित को देखते हुए जल्द से जल्द परीक्षाफल को प्रकाशित किया जाए ।

प्लास्टिक बंद चिप्स खाने से बच्चे की मौत

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मखदुमपुर में प्लास्टिक बंद चिप्स खाने से एक बच्चे की मौत हो गई जबकि दूसरा बच्चा अस्पताल में जिंदगी और मौत की जंग लड़ रही है। मृतक बच्ची मखदुमपुर गांव के ही मो हीरो की पुत्री चाहत (6) बताया जाता है। घटना के बाद से घर में कोहराम जैसी स्थिति है।

हर कोई रोते चिलाते हुए नजर आए। घटना की खबर जिसने भी सुनी घटनास्थल की तरफ भाग रहे थे और देखते ही देखते आस-पास लोगों की काफी भीड़ लग गई। इसी भीड़ के बीच एक महिला के द्वारा बच्चे को जीवित करने की दावे किए जाने लगा जिसके बाद मरता क्या नहीं करता महिला के दावे के साथ झारफूक का सिलसिला शुरू हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर मुफस्सिल पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची मगर भीड़ को देखते हुए वह भी बेबस नजर आए। इस संबंध में मुफस्सिल थाना अध्यक्ष संतोष कुमार निराला ने बताया कि पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर घटना की जांच कर आगे की कार्रवाई में जुट गई ।

हिन्दी हमारी भाषा ही नहीं अस्मिता की पहचान : प्रमोद चंद्रवशी

पटना (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। हिन्दी हमारी भाषा ही नहीं, हमारी अस्मिता की पहचान और संस्कृति-उन्नायक है। हिन्दी ही भारत की सांस्कृतिक और आत्मिक एकता सुनिश्चित करेगी। यह भारत की जन-जन की भाषा है। हिन्दी का अर्थ अपनापन है, संस्कृति है, संस्कार है। यह बातें सोमवार को, बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में आयोजित हिन्दी-दिवस समारोह का उद्घाटन करते हुए, बिहार के कला एवं संस्कृति-मंत्री प्रमोद चंद्रवंशी ने कही। उन्होंने कहा कि दक्षिण में केवल राजनैतिक कारणों से हिन्दी का विरोध है। वहाँ के आम जन हिन्दी से बैर नहीं प्रेम रखते हैं। हमें विश्वास है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जो हिन्दी से गहरा प्रेम करते हैं, हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने के लिए अवश्य उत्सुक होंगे। सभा की अध्यक्षता करते हुए सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने संसार के समस्त हिन्दी-भाषियों और

हिन्दी-प्रेमियों को बधाई दी और कहा कि हिन्दी शीघ्र ही भारत की 'राष्ट्रभाषा' घोषित होगी। संपूर्ण भारतवर्ष अब यह समझ चुका है कि अंग्रेजी के माध्यम से आज तक हमें ठगा गया है और अपनों से दूर किया गया है। हिन्दी हमारी एकता को दृढ़ और अंग्रेजी खंडित करती है। भारत को एक शक्तिशाली राष्ट्र और विश्वगुरु के रूप में स्थापित होना है, तो उसे देश को आत्मा से गले लगाने वाली भाषा हिन्दी को 'राष्ट्रभाषा' का स्थान देना ही होगा। देश का एक राष्ट्रीय-ध्वज है, एक राष्ट्रीय चिन्ह है, यहाँ तक कि राष्ट्रीय-पशु-पक्षी तक भी है। केवल एक 'राष्ट्र-भाषा' ही नहीं है, जिसके अभाव में एक राष्ट्र 'गुंगा' ही रहता है, भले ही वह बाहर से कितना भी समृद्ध क्यों नहीं जान पड़े। भारत सरकार की हिन्दी सलाहकार समिति के सदस्य वीरेंद्र कुमार यादव, सुप्रसिद्ध लेखिका किरण सिंह, प्रो जनार्दन सिंह, डा रत्नेश्वर सिंह, डा पूनम आनन्द, प्रो उषा सिंह, विभा रानी श्रीवास्तव तथा अरविन्द कुमार सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से गुंजायमान फलका

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फलका (कटिहार)। सोमवार को गणेश चतुर्थी के अवसर पर नव युवा संघ फलका के नेतृत्व में 11 हजार नव कन्याओं एवं महिलाओं द्वारा भव्य कलश सोभा यात्रा निकाली गई। पूर्व की भाँति इस वर्ष भी फलका ठाकुरबाड़ी मंदिर में गणेश महोत्सव के मौके पर भगवान श्री गणेश की विशाल प्रतिमा के स्थापना के साथ मेले का भी आयोजन किया गया है।जो 14सितंबर से आगामी 20 सितंबर तक चलेगा।कलश यात्र में 11 हजार महिलाओं व कन्याओं ने भाग लिया।अहले सुबह सात बजे सभी महिलाओं ने निसुंदरा बरंडी नदी के तट पर काशी के कुशल

पुरोहित से पूजा अर्चना कर कलश से जल भरकर फलका बजार, गोपालपट्टी गाँव एवं पकड़ीया दुर्गा मंदिर, फलका हाट होते हुए फलका ठाकुर बाड़ी मंदिर में कलश यात्रा का समापन किया गया।कलश यात्रा की शुरूवात नारियल फोड़ कर किया गया। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने जगह - जगह सड़क पर जल छिड़काव किया तथा कन्याओं को शीतल जल एवं शरबत, ठंडा और लस्सी भी भेंट किए। सारा क्षेत्र गणपति बप्पा... मोरया के नारों से गुंजायमान होता नजर आया। कलश यात्रा में सुरक्षा के दृष्टिकोण से एसडीपीओ -टू सुनील कुमार शर्मा, प्रभारी थानाध्यक्ष अमरदीप कुमार सिंह, पुअनि विवेक कुमार सिंह, अंजनी सिंह, अरुण कुमार सदलबल के साथ प्रखंड प्रमुख दीपशिखा सिंह, जिला पार्षद प्रतिनिधि बलराम साह,संजय झा, अमित गुप्ता, मुखिया बिनोद मिर्धा, अनुज कुमार, टुनटुन गुप्ता, समिति सदस्य लखनदेव ठाकुर, समाजसेवी चंदन चौधरी सहित जगह - जगह भारी संख्या में महिला व पुरुष पुलिस बल तैनात दीखे।

मोहिनी देवी मेमोरियल स्कूल में मनाया गया हिंदी दिवस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। सोमवार को विद्यालय परिसर में छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों के बीच हिंदी दिवस समारोह का आयोजन हुआ जिसकी शुरूआत डायरेक्टर डॉ संजय प्रधान जी ने छात्रों के बीच कक्षा 6 से 10 में निबंध प्रतियोगिता के आयोजन से किया एवं संचालन के रूप में प्राचार्य डॉक्टर पाराशर त्यागी ने कहा हिंदी राजभाषा ही नहीं संपूर्ण भारत की मातृभाषा है। वरीय शिक्षक अर्जुन कुमार ने हिंदी दिवस की शुरूआत की चर्चा करते हुए कहा कि 14 सितंबर 1949 को भारत की संविधान सभा में इस राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया। सभी कक्षा

के छात्राओं ने हिंदी दिवस पर अपने विचार प्रकट किया व शिक्षकों ने भी हिस्सा लिया। इसी क्रम में प्रशासक अभिनंदन नौटियाल ने कहा की संयुक्त राष्ट्र संघ में की महासभा में 10 जनवरी 1949 को पहली बार हिंदी बोली गई। हिंदी दिवस पर निबंध प्रतियोगिता के आयोजन में कक्षा 6 से 10 के छात्रों में विजय प्रतिभागियों को डायरेक्टर एवं प्राचार्य के द्वारा पुरस्कृत किया गया।

व्यवसायी बिहार के संदेशवाहक बनें : संजय सरावगी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। नॉर्थ ईस्टर्न बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की 48वीं वार्षिक आमसभा रविवार को संपन्न हुई। भारतीय जनता पार्टी के बिहार प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व मंत्री संजय सरावगी और अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की।पूर्व उपमुख्यमंत्री सह विधायक तारकिशोर प्रसाद ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। चैम्बर के निवर्तमान अध्यक्ष सह विधान पार्षद अशोक अग्रवाल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने अपने संबोधन में कहा कि व्यवसायी बिहार के संदेशवाहक बने ताकि बिहार में ज्यादा

से ज्यादा से निवेश आ सके बिहार में उद्योग लगाने के लिए सरकार एक रुपये में जमीं उपलब्ध करा रही है। पूर्व उपमुख्यमंत्री सह विधायक तारकिशोर प्रसाद ने कहा कि चैम्बर में लीडरशिप प्रदान करने की क्षमता है। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में यह पहली सरकार है जिसने व्यवसायी आयोग का गठन किया है। हालांकि इसमें थोडा सुधर की आवश्यकता है। नगर निगम की महापौर उषा देवी अग्रवाल ने कहा कि चैम्बर व्यवसायियों के दुःख-दर्द में हमेशा खड़ा है कटिहार के औद्योगिक और व्यवसायी विकास में चैम्बर की महत्वपूर्ण भूमिका है नगर निगम इस व्यवसायिक नगरी को स्वच्छ, सुंदर और विकसित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है कदवा विधायक डॉ. दुलाल चंद गोस्वामी ने कहा कि चैम्बर के प्रस्तावों का वो पूरी तरह से समर्थन करते हैं और हर कदम में वे चैम्बर के हित में लगातार काम करंगे। प्राणपुर विधायक निशा सिंह ने कहा कि व्यवसायी नए नेतृत्व में आगे बढे, हर कदम में चैम्बर के साथ हमेशा कड़ी रहूंगी। बरारी विधायक विजय सिंह ने कहा कि चैम्बर व्यवसायियों के हित में लगातार संघर्ष करता रहा है विधयक, निगम महापौर और चैम्बर मिलकर व्यवसायी हित में काम करेंगे।चैम्बर के नवनिर्वाचित अध्यक्ष बिमल सिंह बेंगानी ने अपने संबोधन में कहा कि चैम्बर ने हमेशा से व्यवसायी हित में काम किया है वर्त्तमान में जो जवाबदेही उन पर सौपी गयी है उस पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे।

हरितालिका तीज पर सुहागिनों ने रखा निर्जला व्रत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। पति की दीघार्यु, अखंड सौभाग्य और सुखमय दांपत्य जीवन की मंगलकामना के सोमवार को हरितालिका तीज का पावन पर्व श्रद्धा भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ मनाया गया। तीज के अवसर पर सुहागिन महिलाओं ने पूरे दिन निर्जला उपवास रखकर भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना की। सुबह से ही महिलाओं के कदम मंदिर की ओर बढ़ते रहे और देखते ही देखते मंदिर का परिसर श्रद्धा और आस्था से सराबोर हो गया। सोलह श्रृंगार से सजी सुहागिन महिलाएं पूजा की थाली लेकर मंदिर पहुंचीं। किसी के हाथों में पूजन सामग्री थी तो किसी

के मुख पर शिव-पार्वती के प्रति अटूट आस्था। महिलाओं ने विधि विधान से माता पार्वती और देवाधिदेव महादेव की पूजा-अर्चना कर अपने पति की लंबी आयु तथा परिवार की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की।कथा के दौरान पुरोहित आचार्य रमेश पांडे ने श्रद्धालु महिलाओं को हरितालिका तीज व्रत की कथा सुनाई। कथा के दौरान मंदिर परिसर में गहरी आध्यात्मिक शांति का वातावरण बना रहा। आचार्य रमेश पांडे ने कहा कि हरितालिका तीज भगवान शिव और माता पार्वती के अटूट प्रेम, तपस्या, समर्पण और दांपत्य निष्ठा का प्रतीक है।

म्यांमार की 3 लड़कियों व एक युवक को आरपीएफ एवं जीआरपी ने किया डिटेन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। कटिहार रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ एवं जीआरपी ने नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस से संदिग्ध अवस्था में सफर कर रहीं म्यांमार मूल की तीन नावालिग रोहिंग्या लड़कियों और उन्हें ले जा रहे एक म्यांमारी युवक को हिरासत में लिया है। आरपीएफ ने प्रारंभिक जांच के बाद चारों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए रेल पुलिस के हवाले कर दिया। पकड़ी गई किशोरियों में दो की उम्र करीब 16 वर्ष और एक की 15 वर्ष बताई गई है। प्रारंभिक छानबीन में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय मानव तस्करी सिंडिकेट की आशंका गहरा गई है। मुताबिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपित युवक इन नाबालिग लड़कियों को अवैध तरीके से

अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कराकर भारत लाया था और उन्हें ट्रेन के जरिए जम्मू स्थित शरणार्थी शिविर ले जाने की फिराक में था। मामले की संवेदनशीलता और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ाव देखते हुए जीआरपी के साथ-साथ सेंट्रल आईबी और स्टेट की विशेष टीमों ने भी कटिहार पहुंचकर घंटों सघन पूछताछ की है। लड़कियां केवल म्यांमार की स्थानीय बोली समझ पा रही हैं और उन्हें हिंदी अथवा बांग्ला भाषा का ज्ञान नहीं है। जांच एजेंसियों को संदेह है कि उन्हें किसी भी पूछताछ से बचने के लिए पहले से ट्रेंड किया गया था। सुरक्षा एजेंसियां उनके पूरे रूट और नेटवर्क को खंगाल रही हैं। जांच एजेंसियों की पूछताछ में पकड़े गए म्यांमारी युवक ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। युवक के माता-पिता पिछले काफी समय से जम्मू के शरणार्थी शिविर में रह रहे हैं।जिससे इस नेटवर्क के तार सीधे जम्मू से जुड़ते दिख रहे हैं। आशंका है कि वह सीमावर्ती इलाकों से म्यांमार की किशोरियों को बहला-फुसलाकर अवैध रास्तों से भारत में दाखिल कराता है और फिर उन्हें देश के अलग-अलग शिविरों या अज्ञात ठिकानों तक पहुंचाता है।

राष्ट्रभाषा के प्रति सम्मान को लेकर हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। नेशनल पब्लिक स्कूल मनिहारी की ओर से विद्यालय परिसर में राष्ट्रभाषा के प्रति सम्मान, प्रेम एवं एकात्मता को बढावा देने के उद्देश्य से हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का शुभारम्भ स्कूल के प्रबन्धक न्यासी रामेश्वर पाण्डेय न्यासी डॉ. ओम प्रकाश पाण्डेय ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर प्रबन्धक न्यासी रामेश्वर पाण्डेय ने कहा कि हिन्दी को राजभाषा का दर्जा दिलाने के लिए प्रयत्न करने वाले मूर्धन्य साहित्यकार व्यौहार राजेन्द्र सिंह के प्रयासों को सम्मान देते हुए 14 सितम्बर 1949 को उनके 50वें जन्मदिन पर संविधान सभा ने हिन्दी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया। देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली हिन्दी राजभाषा के रूप में देश को एक सूत्र में पिरोती है। न्यासी डॉ. ओम प्रकाश पाण्डेय ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने इसे जनमानस की भाषा कहा था । हमें इसके प्रति श्रद्धा का भाव रखना चाहिये ।छात्र -छात्राओं द्वारा कविता-वाचन किया गया तथा हिन्दी दिवस से संबधित पोस्टर का निर्माण किया । तोतली जुबान और बाल सुलभ अल्हडपन में प्रस्तुत कविता द्वारा हिन्दी भाषा की शान में कसीदे गढे तथा इन्द्रधनुषी रंगों से निर्मित पोस्टर ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में अभिनव भारती, शिवम् कुमार, युवराज कुमार,पंखुरी कुमारी, पिहु कुमारी, शिवम् कुमार, कृति कुमारी, तृषा कुमारी, मिस्टी कुमारी, सौम्या सोनी, पाखी पासवान, परी पासवान, सिद्धि कुमारी, मिठी कुमारी की प्रस्तुति को सराहा गया ।

नगर निगम की योजनाओं को समयबद्ध पूरा करने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। नगर निगम कटिहार की महापौर ऊषा देवी अग्रवाल की अध्यक्षता में महापौर कक्ष में नगर निगम क्षेत्र में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति को लेकर महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप महापौर मंजूर खान,नगर आयुक्त संतोष कुमार, सहायक अभियंता विवेक कुमार, कनीय अभियंता अजय सिंह, उप परियोजना निदेशक एवं संबंधित कनीय अभियंता सहित विभिन्न योजनाओं से जुड़ी एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।समीक्षा के दौरान नगर निगम के माध्यम से क्रियान्वित विभिन्न योजनाओं की वर्तमान प्रगति, लंबित कार्यों एवं मिसिंग लिंक से संबंधित कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। महापौर ने संबंधित पदाधिकारियों एवं एजेंसी प्रतिनिधियों से योजनावार अद्यतन

स्थिति की जानकारी ली तथा लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का निर्देश दिया।महापौर ऊषा देवी अग्रवाल ने स्पष्ट निर्देश दिया कि विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी लंबित एवं मिसिंग लिंक कार्यों को चिन्हित कर निर्धारित समयसीमा में पूरा कराया जाए। उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने तथा आम लोगों को योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराने पर जोर दिया। बैठक के दौरान वार्ड संख्या 25 एवं 45 के पीड़ित लोगों की समस्याओं पर भी विस्तार से विमर्श किया गया। संबंधित मामलों की जानकारी लेते हुए आवश्यक कार्रवाई एवं समाधान की दिशा में पहल करने के निर्देश दिए गए। महापौर ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों का उद्देश्य आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। ऐसे में योजनाओं में अनावश्यक विलंब किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगा। अधिकारियों एवं संबंधित एजेंसियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी तरीके से योजनाओं को धरातल पर उतारने का निर्देश दिया गया।बैठक का मुख्य उद्देश्य नगर निगम क्षेत्र में संचालित योजनाओं की वास्तविक स्थिति की समीक्षा कर कार्यों में तेजी लाना, लंबित एवं मिसिंग लिंक कार्यों को पूरा कराना तथा विकास योजनाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करना रहा।

संक्षिप्त समाचार

10 लाख करोड़ की वेडिंग इंडस्ट्री, शादियों के सीजन में 3 शेयर करा सकते हैं बंपर कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में शादियों का सीजन आने वाला है। भारत में वेडिंग इंडस्ट्री लगातार बढ़ रही है। अखिल भारतीय व्यापारी संघ (सीएआईटी) के मुताबिक भारत की वेडिंग इंडस्ट्री का सालाना कारोबार करीब 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। इसमें कपड़ों से लेकर ज्वेलरी, कॉस्मेटिक्स, होटल, डेकोर, ट्रैवल आदि शामिल हैं। पिछले साल अक्टूबर से दिसंबर के बीच करीब 48 लाख शादियां हुई थी, जिनसे 6 लाख करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। ऐसे में वेडिंग इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनियों के शेयर में भी तेजी दिखाई देती है। माना जा रहा है कि इस बार भी शादियों के सीजन में इन कंपनियों के शेयर उछल सकते हैं। शादी के दौरान लोग कपड़ों पर सबसे ज्यादा पैसा खर्च करते हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मेट्रो और टियर-2 शहरों में शादी के बजट का 10 से 20 फीसदी हिस्सा दूल्हा-दुल्हन के कपड़ों पर खर्च होता है। इसके बाद ज्लेवरी में भी बड़ी रकम खर्च होती है। इन दोनों इंडस्ट्री की ग्रोथ भी तेजी से हो रही है। ऐसे में कपड़ा और ज्वेलरी सेक्टर के शेयर भी निवेशकों का अच्छा मुनाफा करा सकते हैं। जानें कुछ ऐसे ही शेयरों के बारे में। वेदांत फैशंस लिमिटेड का ब्रांड मान्यवर काफी फेमस है। शादियों के सीजन में मान्यवर के कपड़े न सिर्फ दूल्हे के लिए बल्कि परिवार के दूसरे सदस्यों की भी पसंद बन जाते हैं। ब्रांड पोर्टफोलियो में पुरुषों के लिए कुर्ता सेट, इंडो-वेस्टर्न सेट, शेरवानी, जैकेट, जोधपुरी और एक्सेसरीज शामिल हैं। वेदांत फैशंस शेयर मार्केट में लिस्टेड कंपनी है। इसने निवेशकों को हाल के महीनों में जबरदस्त रिटर्न दिया है। सियाराम सिल्क मिल्स भी कपड़ों के कारोबार में है। वर्तमान में इसके पोर्टफोलियो में पुरुषों के एथनिक और विशेष अवसरों के कपड़े शामिल हैं। कंपनी का ब्रांड शादी में पहने जाने वाले कपड़ों की बिक्री करता है। ष्द्व1श्च के पोर्टफोलियो में शेरवानी, इंडो-वेस्टर्न कपड़े, जोधपुरी सूट, कुर्ता-पायजामा, टक्सिडो और एक्सेसरीज शामिल हैं। कंपनी के और भी कई ब्रांड कपड़ों के कारोबार में हैं। इस कंपनी के शेयर का रिटर्न मिला जुला रहा है।

429 रुपये का शेयर 6 दिन में 1700 रुपये के पार, 300 प्रतिशत की तूफानी तेजी

नईदिल्ली, एजेंसी। ईएसडीएस सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन के शेयरों में आई तेजी ने सबको चौंका दिया है। बाजार में उतरने के 6 दिन के भीतर कंपनी के शेयर 300 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। ईएसडीएस सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन के शेयर 6 दिन में 429 रुपये से बढ़कर 1700 रुपये के पार जा पहुंचे हैं। अब मैथन एलॉयज ने ईएसडीएस सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन पर बड़ा दांव लगाया है। मैथन एलॉयज ने ईएसडीएस सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन में 0.65 पर्सेंट हिस्सेदारी खरीदी है। मैथन एलॉयज ने यह हिस्सेदारी 113 करोड़ रुपये में खरीदी है। मैन्युफैक्चरिंग कंपनी मैथन एलॉयज ने ईएसडीएस सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन के 760548 शेयर ओपन मार्केट ट्रांजैक्शंस के जरिए खरीदे हैं। फाइनेंशियल ईयर 2025-26 में ईएसडीएस सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन का टर्नओवर 378 करोड़ रुपये रहा। वित्त वर्ष 2025 में यह 357 करोड़ रुपये था। ईएसडीएस सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन के आईपीओ में शेयर का दाम 429 रुपये था। कंपनी के शेयर 4 सितंबर को बाजार में लिस्ट हुए। ईएसडीएस सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन के शेयर 4 सितंबर को ह्रस्श्व में 757 रुपये पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग वाले ही दिन कंपनी के शेयर अपर सर्किट के साथ 908.40 रुपये पर जा पहुंचे। इसके बाद से कंपनी के शेयरों में लगातार तूफानी तेजी देखने को मिल रही है। ईएसडीएस सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन के शेयर शुक्रवार 11 सितंबर को ह्रस्श्व में 10 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 1740.40 रुपये पर बंद हुए हैं। कंपनी के शेयर 11 सितंबर को क्चस्श्व में 10 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 1716.35 रुपये पर बंद हुए। ईएसडीएस सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन का आईपीओ टोटल 142.88 गुना सब्सक्राइब हुआ। कंपनी के आईपीओ में आम निवेशकों या रिटेल इनवेस्टर्स की कैटेगरी में 41.68 गुना दांव लगा।

बीमा कंपनी देगी 8.06 करोड़ का मुआवजा

आग से नुकसान मामले में फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में कई सारी बीमा कंपनियां कई प्रकार की इंश्योरेंस पॉलिसी का ऑफर और सुविधा प्रदान करती हैं। इस दौरान लोग अपना, अपनी कंपनी का, गाड़ी समेत अन्य चीजों का इंश्योरेंस इसलिए कराते हैं ताकि किसी भी प्रकार के नुकसान या जरूरत पर उन्हें नियम के साथ बीमा क्लेम का फायदा हो सके। इस बीच एक बीमा क्लेम का मामला मुंबई से आया है।

यहां स्विट्जरलैंड की कंपनी 'विक्टोरिनॉक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड' के कस्टम्स बॉन्डेड वेयरहाउस के आग में जलकर खाक होने के सात साल बाद कंज्यूमर कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए बीमा कंपनी को बड़ा झटका दिया है। आयोग ने बीमा कंपनी न्यू इंडिया एश्योरेंस को आदेश दिया है कि वह कंपनी के फायर इंश्योरेंस क्लेम को गलत तरीके से खारिज करने के लिए 8.06 करोड़ रुपये से ज्यादा का भुगतान करे। बीमा कंपनी के खिलाफ शिकायत करने वाली कंपनी, स्विट्जरलैंड की विक्टोरिनॉक्स,त्र की पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी है। यह कंपनी भारत में अपनी मूल कंपनी द्वारा बनाए गए ट्रैवल बैग, चाकू, लग्जरी घड़ियों, कटलरी और अन्य उपभोक्ता उत्पादों के निर्यात, आयात और वितरण का काम करती है। इस कंपनी ने न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी से 'स्टैंडर्ड फायर एंड स्पेशल पेरिल्स पॉलिसी' ली थी। मुंबई के कंज्यूमर

क्लेम को बिना सोचे-समझे खारिज किया गया- आयोग

न्यूज एजेंसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, बीते 2 सितंबर को दिए गए अपने आदेश में, डिस्ट्रिक्ट कंज्यूमर डिस्प्यूट्स रिड्रेसल कमीशन (साउथ मुंबई) ने कहा कि कंपनी के सही क्लेम को 'सिर्फ तकनीकी आधार पर और बिना सोचे-समझे' खारिज कर दिया गया था।

आयोग के पैनल ने कहा, 'बिना किसी ठोस असहमति या धोखाधड़ी की मंशा के, सिर्फ प्रक्रियात्मक नियमों का पालन न करने के आधार पर इंश्योरेंस कंपनी का दावा खारिज करना कानूनी रूप से सही नहीं था।' पैनल ने आगे कहा कि इस तरह इंश्योरेंस कंपनी ने गलत व्यापारिक तरीका अपनाया और शिकायतकर्ता, विक्टोरिनॉक्स इंडिया को सेवा देने में कमी बरती। कंपनी ने तर्क दिया कि कुछ खास इंटरनल एग्रीमेंट और इनवॉइस जमा न करके क्लॉज का उल्लंघन किया गया है।

2019 में कस्टम बॉन्डेड वेयरहाउस में लगी थी आग

कंपनी के द्वारा की गई शिकायत के अनुसार, 16 फरवरी 2019 को कंपनी के कस्टम बॉन्डेड वेयरहाउस में भीषण आग लग गई थी। जानकारी के अनुसार, यह एक सुरक्षित और सरकारी नियमों के तहत चलने वाली स्टोरेज सुविधा है, जहां आयातित सामानों को रखा जाता है। शिकायतकर्ता ने बताया कि वेयरहाउस में मौजूद कर्मचारियों ने आग बुझाने के लिए तुरंत और जरूरी कदम उठाए थे। हालांकि, जैसे-जैसे आग विकराल होती गई, जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट की अग्निशमन सेवाओं की मदद ली गई। शिकायत में कहा गया है कि तमाम कोशिशों के बावजूद, आग की तीव्रता के कारण वहां रखे सामान को बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ। बीमा कंपनी ने शिकायतकर्ता के दावे को किया खारिज शिकायत में बताया गया कि बीमा कंपनी के नियुक्त सर्वेयर ने कुल नुकसान का आकलन 8,06,49,573 रुपये का किया था। वहीं, बीमा कंपनी ने जनवरी 2021 में इस दावे को खारिज कर दिया।

टाटा संस आईपीओ से 6 कंपनियों की हो सकती है चांदी

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा संस का आईपीओ आ सकता सकता है। रिपोर्ट के अनुसार आरबीई ने उनकी डिमांड को ठुकरा दिया है। ऐसे में अब कंपनी को इश्यू के लिए जाना पड़ सकता है। इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार टाटा संस का आईपीओ 9 से 12.5 लाख करोड़ रुपये के वैल्यूएशन पर आ सकता है। अगर ऐसा हुआ तो यह डिस्काउंट वैल्यूएशन होगा। बता दें, टाटा संस के आईपीओ आने की अगर आधिकारिक पुष्टि होती है तो कई कंपनियों के शेयरों में तूफानी तेजी देखने को मिल सकती है। आइए जानते हैं कि वो कौन सी कंपनियां हैं और उनका क्या सम्बन्ध है। टाटा स्टील, टाटा मोटर्स पैसेंजर्स व्हीकल्स लिमिटेड, टाटा केमिकल्स लिमिटेड वो तीन कंपनियां हैं, जिनका टाटा संस में 2.5 से 3 प्रतिशत के बीच हिस्सेदारी है। टाटा संस की संभावित आईपीओ से इन कंपनियों के शेयरों में हलचल देखने को मिल सकती है। टाटा केमिकल्स की टाटा संस में कुल हिस्सेदारी 2.53 प्रतिशत की है। जिसकी कुल वैल्यू 30,000 करोड़ रुपये की है। अगर टाटा संस का वैल्यूएशन 12 लाख करोड़ रुपये रहता है। इसके अलावा टाटा स्टील और टाटा मोटर्स पैसेंजर्स व्हीकल्स की टाटा संस में 3.06-3.06 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

कंज्यूमर कोर्ट से एसबीआई कार्ड को बड़ा झटका! 7 साल पुराने मामले में क्रेडिट कार्ड होल्डर को देने होंगे 15000

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रेडिट कार्ड को लेकर केंद्रीय बैंक आरबीआई का नियम ग्राहकों को काफी मदद करता है। इसके साथ ही किसी मामले या दिक्कत में कंज्यूमर कोर्ट भी सहारा बनता है। इस बीच एक ऐसा मामला आया है, जो सात साल पुराना यानी कि 2019 का है। इस मामले में कंज्यूमर कोर्ट से ग्राहक को जीत मिली है और क्रेडिट कार्ड कंपनी को झटका लगा है। वडोदरा कंज्यूमर डिस्प्यूट्स रिड्रेसल कमीशन (एडिशनल) ने एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड (एसबीआईकार्ड्स) को एक बड़ा झटका दिया है। इसके साथ ही आयोग ने कंपनी से उसके एक क्रेडिट कार्ड होल्डर को 15,000 रुपये देने का आदेश भी दिया है। इस ग्राहक ने दो ट्रांजैक्शन पर आपत्ति जताई थी, जिसमें आयोग ने कहा कि कार्ड जारी करने वाली कंपनी यह साबित नहीं कर पाई कि अनऑथराइज्ड पेमेंट के लिए ग्राहक ही जिम्मेदार था।

ग्राहक ने अक्टूबर 2019 में दर्ज कराई थी शिकायत

जानकारी के मुताबिक, नवायार्ड के रहने वाले शकील पठान ने जुलाई और अगस्त 2019 में अपने एसबीआई क्रेडिट कार्ड पर 7499 रुपये और 9634 रुपये के ट्रांजैक्शन (लेनदेन) देखे। उन्होंने कमीशन को बताया कि न तो उन्होंने ये पेमेंट किए थे और न ही इनके लिए मंजूरी दी थी। ग्राहक पठान ने रिफंड के लिए एसबीआई कार्ड्स से संपर्क किया था, लेकिन कंपनी ने इन ट्रांजैक्शन के लिए उन्हें ही जिम्मेदार ठहराया। इसके बाद उन्होंने अक्टूबर 2019 में कंज्यूमर कमीशन में शिकायत दर्ज कराई थी। इस शिकायत के साथ ग्राहक ने आयोग से आर्थिक नुकसान और मानसिक परेशानी के लिए 20000 रुपये की मांग भी की थी। इस मामले में स्ब्क्च्ढ्ढ कार्ड्स ने तर्क दिया कि ट्रांजैक्शन सुरक्षित थे क्योंकि पठान के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर वन-टाइम पासवर्ड भेजे गए थे। कंपनी ने कहा कि पेमेंट उनके कार्ड वेरिफिकेशन वैल्यू या लीक होने की वजह से हो सकते हैं और दावा किया कि इसकी जिम्मेदारी कार्ड होल्डर की है। इस कंपनी ने यह भी तर्क दिया कि जिन मर्चेंट्स को पेमेंट मिला था, उन्हें शिकायत में पक्षकार नहीं बनाया गया था।

कस्टमर मुआवजे का हकदार- आयोग

वहीं, आयोग ने अनऑथराइज्ड इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग ट्रांजैक्शन पर केंद्रीय बैंक आरबीआई के सर्कुलर के प्रावधानों पर भरोसा किया। उसने पाया कि विवादित ट्रांजैक्शन के लिए कस्टमर जिम्मेदार था या नहीं, यह साबित करने की जिम्मेदारी बैंक या फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन की है। फोरम ने गौर किया कि एसबीआई कार्ड्स ने दावा किया था कि पेमेंट पठान के मोबाइल फोन पर भेजे गए ओटीपी का इस्तेमाल करके किए गए थे।

आरबीआई का बड़ा फैसला, साइबर फ्रॉड के शक में अब पूरा बैंक अकाउंट नहीं होगा फ्रीज

नई दिल्ली, एजेंसी। साइबर फ्रॉड और संदिग्ध लेनदेन से जुड़े मामलों में बैंक ग्राहकों को बड़ी राहत मिल सकती है। भारतीय रिजर्व बैंक ने एक नए फ्रेमवर्क का प्रस्ताव दिया है, जिसके तहत बैंक किसी खाते में संदिग्ध लेनदेन मिलने पर पूरा बैंक अकाउंट फ्रीज नहीं कर सकेंगे। बैंक को केवल उस रकम पर अस्थायी रोक लगानी होगी, जिस लेनदेन पर विवाद या साइबर फ्रॉड का संदेह है। प्रस्तावित नियमों के मुताबिक, अगर 1000 रुपये या उससे अधिक का असामान्य ट्रांजैक्शन किसी खाते को म्यूल अकाउंट या साइबर फ्रॉड से जुड़ा हुआ दिखाता है, तो बैंक सिर्फ संबंधित रकम को अस्थायी रूप से रोक सकेंगे। बाकी खाते का संचालन जारी रहेगा। एआई से पकड़े जाएंगे संदिग्ध लेनदेन नए फ्रेमवर्क के तहत बैंकों को एआई आधारित

ट्रांजैक्शन मॉनिटरिंग सिस्टम का इस्तेमाल करना होगा। इन सिस्टम के जरिए ऐसे लेनदेन की पहचान की जाएगी, जो ग्राहक की सामान्य प्रोफाइल के मुकाबले अचानक या असामान्य हों। इसके अलावा ऐसे ट्रांजैक्शन पर भी नजर रखी जाएगी, जो ग्राहक की घोषित आय या प्रोफाइल के मुकाबले बहुत ज्यादा हों या पहले से पहचाने गए साइबर फ्रॉड नेटवर्क से जुड़े हों।

इसके बाद बैंक को ग्राहक की सफाई और दिए गए दस्तावेजों की जांच के लिए 10 कैलेंडर दिन मिलेंगे। अगर बैंक को ग्राहक की सफाई संतोषजनक लगती है, तो संबंधित रकम पर लगी रोक तुरंत हटानी होगी।

1 अप्रैल 2027 से लागू हो सकते हैं नियम

आरबीआई ने इन प्रस्तावित नियमों को सार्वजनिक टिप्पणियों के लिए जारी किया है। नए निर्देश 1 अप्रैल 2027 से लागू होने प्रस्तावित हैं। हालांकि, बैंक चाहें तो इन्हें इससे पहले भी अपना सकते हैं। नए सिस्टम में बैंक ग्राहक को संदिग्ध ट्रांजैक्शन की वैधता साबित करने के लिए 20 कैलेंडर दिन का समय देंगे। ग्राहक अपनी पहचान, ट्रांजैक्शन का उद्देश्य और पैसे के स्रोत से जुड़े दस्तावेज देकर रकम की वैधता स्पष्ट कर सकेगा।

कुकीज, नूडल्स, स्नैक्स, सॉफ्ट ड्रिंक्स और फ्रोजन फूड्स... एफएसएसएआई के लाल हेक्सागोनल से कंपनियों में मचा है हड़कंप

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने 10 सितंबर को फूड रेगुलेटर स्नस्स्ड्ढ को आदेश दिया था कि वह 10 दिनों के भीतर अपने प्रस्तावित 'फ्रंट-ऑफ-पैक' चेतावनी लेबल को लागू करने के बारे में जानकारी स्पष्ट करे। फूड पैकेजिंग में सुधार से जुड़ा यह लेबल पिछले एक दशक से विवादों में रहा है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के बाद से ही कुकीज, नूडल्स, स्नैक्स, सॉफ्ट ड्रिंक्स और फ्रोजन फूड्स बनाने वाली कंपनियों में हड़कंप मचा है। वे इस मामले में अंतिम फैसला आने से पहले ही अपने प्रोडक्ट्स में चीनी, नमक और सैचुरेटेड फैट की मात्रा कम करने की जल्दी में हैं। ईटी की एक रिपोर्ट में इंडस्ट्री के बड़े अधिकारियों के हवाले से यह दावा किया गया है। कई मल्टीनेशनल कंपनियां ग्लोबल हेडक्वार्टर द्वारा तय समय-सीमा से पहले ही नमक और चीनी कम कर रही हैं। पहली बार ऐसा हो रहा है। उन्हें डर है कि अगर स्नस्स्ड्ढ की प्रस्तावित लाल हेक्सागोनल चेतावनी अनिवार्य हो गई, तो उनकी बिक्री घट सकती है। पैक्ड स्नैक्स बनाने वाली एक बड़ी कंपनी के एक अधिकारी ने कहा, 'कोई भी अंतिम फैसले का इंतजार नहीं कर रहा है, क्योंकि यह नियम जल्द ही लागू होने वाला है। इसके अलावा, चीनी और नमक कम करने से स्वाद पर असर पड़ सकता है, इसलिए हम मौजूदा उत्पादों की रेसिपी बदलने की प्रक्रिया को तेज कर रहे हैं।

अर्थव्यवस्था में तेजी से बढ़ रहा है एनर्जी सेक्टर

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत ही नहीं, किसी भी अर्थव्यवस्था में काफी महत्वपूर्ण है। भारत की बात करें तो यहां के एनर्जी सेक्टर में निवेश का एक ऐसा बड़ा दौर शुरू हो रहा है। यह देश के इतिहास में सबसे बड़ा हो सकता है। पहले के दौर में मुख्य रूप से बिजली बनाने की क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया जाता था। लेकिन इस बार बदलाव कहीं ज्यादा बड़ा और व्यापक है। इससे पूरे पावर सेक्टर के इकोसिस्टम का तेजी से विस्तार हो रहा है। कोटक म्यूचुअल फंड के फंड मैनेजर मंदार पवार बताते हैं कि इसके पीछे तीन बड़े और लंबे समय तक चलने वाले कारण हैं: बिजली की बढ़ती मांग, क्लीन एनर्जी की ओर बढ़ता बदलाव और इस बदलाव को सपोर्ट करने के लिए ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन (ञ्ज×ष्ठ) नेटवर्क को मजबूत करने की तुरंत जरूरत। यह एनर्जी सेक्टर में कई दशकों तक चलने वाला और अरबों डॉलर के निवेश का साइकिल हो सकता है। इससे आने वाले समय में निवेश के लिए कई नई और बेहतर कंपनियां उभर सकती हैं। आइए जानते हैं इस बारे में...

भारत इलेक्ट्रिसिटी समिट 2026 में पावर मिनिस्ट्री का अनुमान आया था कि अगले 20 साल में भारत के पावर सेक्टर में करीब 200 लाख करोड़ रुपये (लगभग 2 ट्रिलियन डॉलर) का निवेश हो सकता है। हालांकि, यह अनुमान काफी बड़े और लंबे समय के हैं। इसलिए अभी इनकी पूरी तस्वीर साफ नहीं है और ये लक्ष्य महत्वाकांक्षी भी हो सकते हैं। वहीं, कई इंडस्ट्री स्टडीज का अनुमान है कि अगले 10 साल में पावर सेक्टर में 30-40 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के निवेश का मौका हो सकता है। यह पैसा कई क्षेत्रों में लगाया जाएगा, जैसे: बिजली के उत्पादन, ट्रांसमिशन, रिन्यूएबल एनर्जी, एनर्जी स्टोरेज, पावर ग्रिड को आधुनिक बनाना और अन्य जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर। अगर ऐसा होता है, तो यह निवेश पिछले 10 साल में हुए निवेश से करीब डबल होगा। इससे भारत के इंडस्ट्रियल सेक्टर और पूरी अर्थव्यवस्था का ढांचा काफी हद तक बदल सकता है।

बिजली की मांग लगातार बढ़ रही है

पिछले कुछ सालों के दौरान हमने देखा है कि बिजली की मांग तेजी से बढ़ रही है। दरअसल, बिजली की खपत को मानक माना जाए तो भारत दुनिया के सबसे तेज बढ़ने वाले देशों की सूची में शामिल हो गया है। इसके पीछे शहरीकरण, इंडस्ट्रियलाइजेशन, इलेक्ट्रिक व्हीकल का बढ़ता इस्तेमाल, डेटा सेंटर और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे कारण हैं। सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी के लॉन्ग टर्म नेशनल रिसोर्स एडेक्वेसी प्लान के मुताबिक, 2035-36 तक भारत में बिजली की पीक डिमांड करीब तक पहुंच सकती है।

बेंगलुरु की कंपनी को किर्गिस्तान में मिला बड़ा भंडार, शुरू किया प्रोडक्शन, स्पेन-मोजांबिक में भी है मौजूदगी

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन के बाद भारत दुनिया में सोने का दूसरा बड़ा उपभोक्ता है। लेकिन भारत में सोने का उत्पादन बहुत कम है और हम अपनी जरूरत का करीब 90 फीसदी सोना आयात करते हैं। इस बीच भारत की कंपनियां अब ग्लोबल माइनिंग इंडस्ट्री में अपनी मौजूदगी बढ़ा रही हैं। बेंगलुरु की कंपनी डेक्कन गोल्ड माइन्स लिमिटेड ने मध्य एशियाई देश किर्गिस्तान में अपने गोल्ड माइनिंग प्रोजेक्ट को एक्सप्लोरेशन और डेवलपमेंट से प्रोडक्शन के चरण तक पहुंचा दिया है। यह पहली भारतीय कंपनी बन गई है जो किर्गिस्तान गोल्ड माइनिंग प्रोजेक्ट के प्रोडक्शन स्टेज तक पहुंची है।

किर्गिस्तान के मध्य में नारिन इलाके में स्थित अल्टिन टोर मिनरल से भरपूर सोल्टन सारी जोन का हिस्सा है। यह जोन 300 किलोमीटर तक फैला है और टिएन शान शियर जोन का हिस्सा है, जो अपने गोल्ड डिपॉजिट के लिए जाना जाता है। मध्य एशिया में स्थित कजाकस्तान और उज्बेकिस्तान दुनिया में सोने को टॉप 10 उत्पादकों में शामिल हैं। किर्गिस्तान में भी सोने के बड़े भंडार हैं।

यह डेक्कन गोल्ड और भारतीय माइनिंग के लिए एक अहम मोड़ है। विदेश में किसी प्रोजेक्ट को एक्सप्लोरेशन से प्रोडक्शन तक ले जाने की उपलब्धि दिखाती है कि भारतीय माइनिंग कंपनियां जिम्मेदारी से रिसोर्स डेवलप कर सकती हैं और ग्लोबल स्तर पर मुकाबला कर सकती हैं।

राष्ट्रपति ने शुरू किया प्लांट

टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक किर्गिज रिपब्लिक के राष्ट्रपति सादिर एन. जापारोव ने हाल में एक ऑनलाइन समारोह के जरिए अल्टिन टोर गोल्ड प्रोजेक्ट में गोल्ड प्रोसेसिंग प्लांट का उद्घाटन किया।

इस प्रोजेक्ट का संचालन डेक्कन गोल्ड की स्थानीय सहायक कंपनी एवेलम पार्टनर एलएलसी करती है। डेक्कन गोल्ड का फोकस अब तक गोल्ड एक्सप्लोरेशन पर रहा है, लेकिन अब वह गोल्ड और जरूरी मिनरल एसेट्स का ग्लोबल पोर्टफोलियो बनाने की कोशिश कर रही है।

कंपनी ने बताया कि उसने अगस्त में इस प्रोजेक्ट पर अपना पहला त्रश्वद्मस्र स्रश्वह्र (कच्चा सोना) तैयार किया था। अब वह बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन की दिशा में काम कर रही है। कंपनी के एमडी हनुमा प्रसाद मोडाली ने कहा, 'अल्टिन टोर डेक्कन गोल्ड और भारतीय माइनिंग के लिए एक अहम मोड़ है। विदेश में किसी प्रोजेक्ट को एक्सप्लोरेशन से प्रोडक्शन तक ले जाने की उपलब्धि दिखाती है कि भारतीय माइनिंग कंपनियां जिम्मेदारी से रिसोर्स डेवलप कर सकती हैं और ग्लोबल स्तर पर मुकाबला कर सकती हैं। '

स्पेन-मोजांबिक में भी मौजूदगी

कंपनी गोल्ड के अलावा दूसरे क्षेत्रों में भी फोकस बढ़ा रही है। उसके पोर्टफोलियो में छत्तीसगढ़ में निकेल-कॉपर-प्लैटिनम ग्रुप के एलिमेंट, स्पेन में टंगस्टन और टिन प्रोजेक्ट और मोजाम्बिक में लिथियम और टैंटलम एसेट्स शामिल हैं। साल 2003 में स्थापित यह कंपनी बीएसई पर लिस्टेड है। कंपनी का दावा है कि वह देश की पहली लिस्टेड गोल्ड और क्रिटिकल मिनरल रिसोर्स कंपनी है।

आईआईटी में थिएटर ने बदली जिंदगी, इंजीनियरिंग छोड़ एक्टिंग को बनाया करियर

जितेंद्र कुमार ने अपने उस सफर को याद किया, जिसने उन्हें एक एक्टर बना दिया। 'पहला पहला' शो में गोपाल दत्त से बात करते हुए, 'पंचायत' के एक्टर ने स्कूल के दिनों में अपनी पहली परफॉर्मेंस को याद किया, जब उन्होंने ताड़का का रोल निभाया था। उन्होंने कहा कि उस समय, उन्होंने एक्टिंग में करियर बनाने के बारे में सोचा भी नहीं था। जितेंद्र ने याद करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि मेरा पहला एक्टिंग अनुभव तब हुआ था जब मैंने स्कूल में रामायण के नाटक में ताड़का का रोल किया था। उस समय, ऐसा कोई विचार नहीं था कि यह कुछ ऐसा बन सकता है जिसे मैं प्रोफेशनली करूंगा। यह बस एक स्कूल परफॉर्मेंस थी।' हालांकि, स्कूल खत्म होने के बाद, जितेंद्र ने बताया कि उनका ध्यान पूरी तरह से पढ़ाई पर चला गया। वह आईआईटी एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी के लिए कोटा चले गए और आखिरकार आईआईटी खड़गपुर में सीट हासिल कर ली। हालांकि, कैंपस की इस नई जिंदगी में अपनी चुनौतियां भी थीं। जितेंद्र ने माना कि उन्हें इस बात का बहुत एहसास रहता था कि उनके आस-पास के सभी लोग अच्छी इंग्लिश बोलते थे। जब मैं आईआईटी खड़गपुर गया, तो इंग्लिश मेरे लिए एक मुश्किल चीज थी। मुझे इसका एहसास रहता था क्योंकि अचानक आप ऐसे माहौल में होते हैं जहां हर कोई इंग्लिश बोल रहा होता है, और आपको लगता है कि आप पीछे रह गए हैं। फिर उन्होंने थिएटर के बारे में जाना और कई कॉम्पिटिशन में हिस्सा लिया। यह पहली बार था जब उन्होंने एक्टिंग को एक संभावित करियर के तौर पर सोचा। वह कहते हैं, 'आईआईटी में, मैंने थिएटर के बारे में लगभग अचानक ही जाना। मैंने कॉम्पिटिशन में हिस्सा लेना शुरू किया, और हर बार जब मैंने परफॉर्म किया, तो मुझे लगा कि इसमें कुछ ऐसा है जो मुझे सच में पसंद आया। शायद यह पहली बार था जब मैंने सोचना शुरू किया कि शायद एक्टिंग मेरे लिए कुछ हो सकती है।' वर्कफ्रंट की बात करें तो जितेंद्र हाल ही में पॉपुलर फ्रेंचाइजी 'मिर्जापुर' के फिल्म अडैप्टेशन में बबलू पंडित का रोल निभाते हुए दिखे थे। ध्यान देने वाली बात यह है कि जितेंद्र इस मशहूर वेब सीरीज का हिस्सा नहीं थे।

चुंबक ने मुझे बहनों जैसा रिश्ता दिया, जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगी

'चुंबक' जहां पर्दे पर हंसी, मनोरंजन और शानदार परफॉर्मेंस का वादा करता है, वहीं संदीपा धर के लिए यह प्रोजेक्ट उनकी जिंदगी में इससे भी खास चीज लेकर आया है, और वो है एक खूबसूरत और हमेशा साथ रहने वाला बहनों जैसा रिश्ता। अभिनेत्री ने हाल ही में शो की अपनी फीमेल को-स्टार्स के साथ अपनी खास बॉन्डिंग के बारे में बात करते हुए बताया कि 'चुंबक' के दौरान बनी दोस्ती अब सिर्फ काम तक सीमित नहीं रही, बल्कि एक मजबूत रिश्ते में बदल चुकी है। अपनी फीमेल को-स्टार्स के साथ बॉन्डिंग को लेकर संदीपा ने कहा, ''चुंबक' ने मुझे सिर्फ बेहतरीन को-स्टार्स ही नहीं दिए, बल्कि एक ऐसा बहनों जैसा रिश्ता भी दिया है, जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगी। नीना मैम, डेलनाज, मानसी, हेली, अमायरा और मैं खुद को गर्व से 'गर्ल गैंग' कहते हैं। सच पूछिए तो इंडस्ट्री में शूटिंग और काम के बीच समय निकालना आसान नहीं होता, लेकिन हम सभी एक-दूसरे के लिए समय निकालने की पूरी कोशिश करते हैं। कभी ब्रंच, कभी डिनर, तो कभी बस साथ बैठकर घंटों बातें करना, ये छोटे-छोटे पल हमारे लिए बहुत मायने रखते हैं। इस ग्रुप में इतना प्यार, सपोर्ट, हंसी-मजाक और अपनापन है कि यह परिवार जैसा महसूस होता है। मैं खुश हूं कि 'चुंबक' मेरे जीवन में इन शानदार महिलाओं को लेकर आया। मुझे पूरा यकीन है कि कैमरे बंद होने के बाद भी ये रिश्ता हमेशा मेरे साथ रहेंगी।' संदीपा की ये बातें 'चुंबक' की महिला कलाकारों के बीच साझा की जाने वाली सच्ची दोस्ती और बॉन्डिंग की झलक देती हैं, जो अपने व्यस्त शेड्यूल के बावजूद यह गर्ल गैंग एक-दूसरे के लिए समय निकालना नहीं भूलती। संदीपा की ये बाते, ये भी दिखाती हैं कि साथ काम करते हुए बने कुछ रिश्ते जिंदगी भर के लिए खास बन जाते हैं।

लवप्रीत गिल की अपील

शहनाज से मत करो तुलना

सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस' के नए सीजन में पंजाबी अभिनेत्री लवप्रीत गिल और भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री आम्रपाली दुबे भी आई हैं। शो में एंट्री के साथ ही दोनों अभिनेत्रियों को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। लवप्रीत गिल की तुलना 'बिग बॉस 13' की सबसे चर्चित कंटेस्टेंट्स में शामिल रहीं शहनाज गिल से की जा रही है। आईएएनएस ने जब लवप्रीत गिल से पूछा कि एक पंजाबी अभिनेत्री के तौर पर 'बिग बॉस' में उनकी तुलना शहनाज गिल से की जा रही है, तो उन्होंने इस पर प्रतिक्रिया दी। लवप्रीत ने कहा, ''शहनाज गिल मेरी सीनियर कलाकार हैं और मैं उनका सम्मान करती हूं, लेकिन मेरी अपनी अलग पहचान है। मेरी लोगों से अपील है कि मेरी शहनाज से तुलना न करें, बल्कि एक अलग कलाकार के रूप में मुझे जानें और प्यार दें।'' शहनाज गिल 'बिग बॉस' के इतिहास की सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली पंजाबी कंटेस्टेंट्स में से एक रही हैं। 'बिग बॉस 13' में शहनाज ने 'पंजाब की कटरीना' के रूप में एंट्री ली थी और देखते ही देखते अपने चुलबुले अंदाज से दर्शकों की फेवरेट बन गई थीं। शो में दिवंगत अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला के साथ उनकी बॉन्डिंग भी काफी चर्चा में रही। दोनों की जोड़ी को दर्शकों ने 'सिडनाज' नाम दिया और सोशल मीडिया पर इस हैशटैग की जबरदस्त लोकप्रियता देखने को मिली। 'बिग बॉस 13' में शहनाज गिल सेकेंड रनर-अप रही थीं, जबकि सिद्धार्थ शुक्ला ने शो की ट्रॉफी अपने नाम की थी।

......अब नेगेटिव किरदारों से थोड़ा ब्रेक लेना चाहता हूं

पिछले कुछ सालों में ताना जी के उदयभान, आदिपुरुष के लंकेश, देवरा 1 के भैरवा जैसे नकारात्मक किरदारों के लिए सुर्खियां बटोरने वाले ऐक्टर सैफ अली खान अब विलेन वाली भूमिकाओं से थोड़ी दूरी बनाना चाहते हैं। ऐसे में, अपनी अगली फिल्म हैवान में एक अंधे म्यूजिशियन और मार्शल आर्टिस्ट के चुनौतीपूर्ण रोल को लेकर वह खासे उत्साहित हैं। सैफ अली खान ने अपनी इस फिल्म को लेकर बातें करते हुए कहा कि वह अभी कुछ समय के लिए हीरो के रोल ही करना चाहते हैं। अपनी इस फिल्म में अपने रोल को लेकर बातें की जिसमें वो देख नहीं पाते हैं।

मैं अभी नेगेटिव रोल से थोड़ा ब्रेक लेना चाहता हूं

सैफ अली खान ने कहा, ' मैं अभी नेगेटिव रोल से थोड़ा ब्रेक लेना चाहता हूं। तब मैं बतौर ऐक्टर ऐसे किरदार एक्सप्लोर करना चाहता था, मगर अभी कुछ समय के लिए हीरो के रोल ही करना चाहूंगा।' सैफ हैवान के अपने किरदार को बहुत ही खास मानते हैं। वह कहते हैं, 'मैंने अब तक ज्यादातर जो रोल किए हैं, उनके प्रति सहानुभूति नहीं होती। वे या तो मजबूत हैं या प्रिविलेज्ड हैं या नेगेटिव, तो उनके लिए दुख महसूस नहीं होता, जबकि इसके लिए आपके मन से आह निकलती है, जो मेरे लिए बहुत अलग और नई बात थी और मैंने इसी इमोशन को निचोड़ा है।'

मुझे स्ट्रेस था कि वो नकली न लगे

उन्होंने आगे कहा था, 'हांलांकि, अंधे का रोल करना बहुत चुनौतीपूर्ण था। ऊपर से वो बच्चों को म्यूजिक, मार्शल आर्ट, रेसलिंग भी सिखाते हैं, तो मुझे स्ट्रेस था कि वो नकली न लगे लेकिन मेरे दिमाग में जैपनीज समुराई फिल्में थीं। वे काफी ऐसी फिल्में बनाते हैं कि एक अंधा आदमी कैसे सुनकर महसूस करते हैं, फाइट भी कर सकते हैं, तो वे फिल्में देखकर मुझमें कंविक्शन था कि मैं भी ऐसा कर सकता हूं।'

पहली बार अक्षय के आगे हीरो के रोल में हूं

फिल्म 'हैवान' में ओजी अनाड़ी-खिलाड़ी यानी सैफ और अक्षय कुमार की जोड़ी 2008 में आई टशन के 18 साल बाद दोबारा साथ में नजर आ रही है। इस जुगलबंदी पर सैफ कहते हैं, 'नोस्टैल्जिया बहुत अच्छी बात है। हम दोनों तीस साल से काम कर रहे हैं तो ऑडियंस के दिमाग में ये पुरानी बात कहीं न कहीं है। वैसे, इस फिल्म में हमारा इक्वेजन बिल्कुल अलग है। इसमें मेरा रोल थोड़ा ज्यादा टफ, सीरियस और हीराइक है, जो अक्षय के साथ वाली फिल्मों में पहली बार होगा। पहली बार उनके सामने मुझे इतनी जिम्मेदारी दी गई है।'

हुंकार : 'बापजी' के शोषण के खिलाफ अनीत पड्डा ने उठाई आवाज

फिल्म 'सैयारा' से दर्शकों का दिल जीतने वाली अनीत पड्डा अब अपनी आगामी वेब सीरीज 'हुंकार-द रोर' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इसका आज ट्रेलर जारी हो गया है। क्राइम थ्रिलर सीरीज में अनीत पड्डा शोषण के खिलाफ आवाज उठाती हैं। वहीं, फातिमा सना शेख इस मामले की जांच करती हैं।

किसने किया अनीत का शोषण?
क्राइम थ्रिलर सीरीज 'हुंकार' जियो हॉटस्टार पर आएगी। अनीत साहसी और निर्भीक मीनू की भूमिका में हैं। 17 साल की मीनू अपने खिलाफ होने वाले शोषण का विरोध करती है। मीनू बापजी पर शोषण का आरोप लगाती है, जो बेहद प्रभावशाली शख्सियत है। मामला पुलिस तक पहुंचता है। फातिमा सना शेख पुलिस अधिकारी की भूमिका में हैं। केस की पड़ताल करते हुए कई चुनौतियां मीनू (अनीत) के सामने आती हैं। अपने भी संदेह करने लगते हैं।

फातिमा सना शेख ने की पड़ताल

मीनू के आरोपों की जांच की कड़ी में कई सनसनीखेज खुलासे होते हैं। मुश्किल वक्त में अपने साथ छोड़ते हैं। मगर, मीनू ऐसे विपरीत हालात में भी साहस का परिचय देती और निर्भीक होकर सच बताती है। फातिमा इस सच को साबित करने के लिए सबूत जुटाती हैं। सीरीज का निर्देशन करण डी कपाडिया, नित्या मेहरा और हीराज मरफतिया ने किया है। इसे बिड़ला स्टूडियोज और अप्लॉज एंटरटेनमेंट ने प्रोड्यूस किया है। प्रियंका चोपड़ा इस सीरीज की कार्यकारी निर्माता हैं। 'हुंकार' वेब सीरीज 25 सितंबर से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। इस सीरीज में मोहम्मद जीशान अय्यूब, अर्जुन माथुर, रघुबीर यादव और राम कपूर भी अहम भूमिकाओं में हैं।

साउथ सिनेमा में शाहिद कपूर की एंट्री, ड्रेगन में जूनियर एनटीआर और आलिया भट्ट संग जमेगी जोड़ी

जूनियर एनटीआर और प्रशांत नील की एक्शन थ्रिलर 'ड्रेगन ' में आलिया भट्ट और शाहिद कपूर की एंट्री को लेकर खबरें तेज होती दिख रही हैं। ऐसे में फैंस ये जोड़ी फिर से बड़े परदे पर देखने के लिए बहुत एक्साइटेड हैं। खबरें हैं कि इस फिल्म में शाहिद नेगेटिव रोल में दिख सकते हैं। हालांकि, मेकर्स ने दोनों की कास्टिंग को अभी ऑफिशियली कन्फर्म नहीं किया है।

साउथ सिनेमा में शाहिद कपूर और आलिया भट्ट की एंट्री, ड्रेगन की कास्ट में होंगे शामिल

साउथ के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर और 'केजीएफ' व 'सालार' फेम डायरेक्टर प्रशांत नील की मच-अवेटेड फिल्म 'ड्रेगन ' पहले ही अपने बड़े स्केल और दमदार स्टारकास्ट को लेकर चर्चा में है। फिल्म में अनिल कपूर की एंट्री के बाद अब खबर है कि आलिया भट्ट और शाहिद कपूर भी इस एक्शन थ्रिलर का हिस्सा बन सकती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक शाहिद फिल्म में एक नेगेटिव किरदार निभा सकते हैं, जबकि आलिया के रोल को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि, इन दोनों नामों को लेकर मेकर्स की तरफ से अभी कोई ऑफिशियली स्टेटमेंट नहीं आई है। फिल्म की कहानी 1967 के दौर कि है और इसका बैकड्रॉप 'गोल्डन ट्रायंगल' और इंटरनेशनल अफीम ट्रेड से जुड़ा बताया जा रहा है। फिल्म में अनिल कपूर, रुक्मिणी वसंत और आशुतोष राणा जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। अब खबरें ये भी हैं कि आलिया भट्ट और शाहिद कपूर इस फिल्म से जुड़ने वाले हैं, हालांकि मेकर्स ने अभी इसपर ऑफिशियली कुछ नहीं कही है।

'ड्रेगन ' में दिख सकती है 'शानदार' जोड़ी

रिपोर्ट के मुताबिक, आलिया भट्ट और शाहिद कपूर 'ड्रेगन ' में लीड रोल निभाने के लिए टीम में शामिल हो गए हैं। दोनों कलाकारों की ये जोड़ी इससे पहले फिल्म 'शानदार' में साथ नजर आ चुकी है। हालांकि, इस खबर पर अभी तक फिल्म के मेकर्स की ओर से कोई ऑफिशियल कन्फर्मेशन नहीं आया है।

जूनियर ह्ळ्ळ्रके साथ आलिया की फिर बनेगी जोड़ी?
आलिया भट्ट का तेलुगु सिनेमा से कनेक्शन नया नहीं है। उन्होंने एसएस राजामौली की 'आरआरआर' से तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया था, जिसमें जूनियर एनटीआर भी लीड रोल में थे। ऐसे में अगर 'ड्रेगन ' में उनकी एंट्री कन्फर्म होती है, तो यह जूनियर एनटीआर के साथ उनकी दूसरी फिल्म होगी। इसके अलावा आलिया के नाग अश्विन की 'कल्कि 2898 एडी: पार्ट 2' में भी शामिल होने की चर्चाएं हैं, हालांकि इसकी भी अभी कोई ऑफिशियल कन्फर्मेशन नहीं हुई है।

शाहिद कपूर बनेंगे विलेन

वहीं शाहिद कपूर को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा उनके किरदार की है। रिपोर्ट्स की मानें तो 'कबीर सिंह' स्टार फिल्म में नेगेटिव रोल निभा सकते हैं। इससे पहले अप्रैल में 'तेलुगु चित्रालु' की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि शाहिद इस प्रोजेक्ट को लेकर मेकर्स के संपर्क में हैं। अगर उनकी एंट्री पक्की होती है, तो ये तेलुगु सिनेमा में शाहिद कपूर की ऑफिशियल एंट्री होगी।

अनिल कपूर समेत ये सितारे भी हैं फिल्म का हिस्सा

फिल्म में जूनियर एनटीआर के साथ अनिल कपूर, रुक्मिणी वसंत और आशुतोष राणा जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। अगर आलिया भट्ट और शाहिद कपूर की एंट्री वाली खबरें सच साबित होती हैं, तो 'ड्रेगन ' की स्टारकास्ट साउथ और बॉलीवुड के बड़े नामों का एक बड़ा कॉम्बिनेशन बन जाएगी।

11 जून 2027 को रिलीज होगी 'ड्रेगन '

प्रशांत नील के निर्देशन में बन रही 'ड्रेगन ' एक बड़े स्केल की एक्शन थ्रिलर बताई जा रही है। फिल्म की कहानी, जूनियर एनटीआर का किरदार और प्रशांत नील का एक्शन स्टाइल इसे लेकर पहले से ही काफी बज बना रहे हैं। फिल्म 11 जून 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

âæÚU-âÍ×æ¿a

°×°Ü°â

इंटर मियामी और नैशविले का मैच 2-2 से ड्रॉ

मियामी। मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में नु स्टेडियम में इंटर मियामी और नैशविले के बीच खेला गया मुकाबला 2–2 से ड्रॉ रहा। मियामी के कप्तान लियोनेल मेसी ने एक गोल किया। कॉम्पिटिशन में उनके गोलों की संख्या अब 99 हो गई है। विजिटर्स ने सैम सर्रिज के गोल से चौथे मिनट में बढ़त बनाते हुए स्कोर खोला। इंटर मियामी ने 19वें मिनट में ओन गोल से बराबरी कर ली, जब मेसी की कॉर्नर किक डिलीवरी को नैशविले के डिफेंडर रीड बेकर–व्हिटिंग ने नेट के पीछे डिफ्लेक्ट कर दिया। पहले हाफ के आखिर तक 1–1 का स्कोरलाइन नहीं बदला।

इंटर मियामी के पास दूसरे हाफ की शुरुआत में 50वें मिनट में बढ़त लेने का एक साफ मौका था, लेकिन मेसी के बॉक्स के दाईं ओर से बाएं पैर से मारा गया हिट क्रॉसबार से टकरा गया। बारह मिनट बाद मेसी ने कोई गलती नहीं की और इंटर मियामी ने 62वें मिनट में गोल करके 2–1 की बढ़त बना ली। मेसी को बॉक्स के ठीक बाहर सेंट्रल पोजीशन में डी पॉल से पास मिला, जहां उन्होंने पहली बार बाएं पैर से हिट करके दूर पोस्ट पर नेट के पीछे गोल किया। उन्होंने इस सीजन में अपना 19वां गोल किया। खेल के 66वें मिनट में इंटर मियामी ने दो बदलाव किए, जिसमें सेगोविया की जगह हाल ही में साइन किए गए पैराग्वे के इंटरनेशनल मिडफील्डर माटियास गैलार्जा को शामिल करना शामिल था, जो हमारे क्लब के लिए अपना डेब्यू कर रहे थे। इंटर मियामी ने 78वें मिनट में एक डबल मौके के जरिए अपनी बढ़त लगभग बढ़ा ली थी। बॉक्स के सेंटर से सुआरेज के शुरुआती शॉट को नैशविले एससी के गोलकीपर ब्रायन श्वाके ने बचा लिया, इसके बाद मेसी की कोशिश को मेहमान टीम के गोलकीपर ने रोका और फिर वह लेफ्ट पोस्ट से टकराकर वापस चला गया।

'मेरा पहला अनुभव काफी अच्छा और यादगार रहा'

लद्दाख मैराथन को जीतने के बाद बोले निखिल सिंह

लेह। लद्दाख मैराथन में भारत और विदेशों के 8 हजार से ज्यादा धावकों से हिस्सा लिया। मुंबई में प्रैक्टिस करने वाले निखिल सिंह 42 किलोमीटर की मैराथन को जीतने में सफल रहे। उन्होंने इस मैराथन को 2 घंटे 44 मिनट और 40 सेकंड में पूरा किया। लद्दाख मैराथन को जीतने के बाद निखिल ने आईएएनएस के साथ बात बातचीत करते हुए कहा, 'मैं पहली बार लद्दाख आया हूं और मेरा अनुभव बहुत अच्छा रहा है। हम सड़क मार्ग से आए, इसलिए रास्ते के नजारे वाकई बहुत खूबसूरत थे। हम लगभग 9–10 दिन पहले यहां पहुंचे थे, इसलिए शुरुआती 4–5 दिनों में हमें कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ा क्योंकि हम समुद्र

तल से अचानक लगभग 3,200 मीटर की ऊंचाई पर पहुंच गए थे। हमने यहां थोड़ा अभ्यास किया और शुरुआती 5–6 दिनों तक कुछ परेशानी झेलने के बाद हम यहां सेट हो गए।' उन्होंने आगे कहा, 'आज मैराथन में मेरा ओवरऑल अनुभव काफी अच्छा था। रूट सपोर्ट काफी बेहतर था। भागते हुए भी जो नजारे देखने को मिल रहे थे, उसको मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता हूं। जो रास्ता था वो काफी मुश्किल था। रास्ता खासतौर पर शुरुआत और आखिरी में थोड़ा ज्यादा मुश्किल था। करीब छह किलोमीटर शुरुआत में ढलान था, लेकिन उसके बाद ज्यादा कुछ नहीं था। हालांकि, ऊंचाई जो थी वो काफी दिक्कत देने वाली थी। ऊंचाई का तो हमें पहले से ही पता था, लेकिन माइंडसेट यह था कि उस पर चलना नहीं है। अभी तो जॉगिंग करके ही पूरा किया है। रास्ते और ऊंचाई को देखते हुए मेरा समय काफी अच्छा रहा।'

निखिल ने कहा, 'मेरा पहला अनुभव काफी अच्छा रहा है और यह हमेशा यादगार रहेगा। मैंने फुल मैराथन में लिया और इसको मैंने करीब 2 घंटे और 44 मिनट में पूरा किया। हालांकि, जो मेरा निजी बेस्ट प्रदर्शन है वो 2 घंटे 22 मिनट का है। मैं भारत की मेजर रेसों में भी हिस्सा ले चुका है। यह ऊंचाई वाली जगह पर मेरा दूसरा मैराथन था। इससे पहले मैंने स्पीति घाटी में मैराथन में हिस्सा लिया था।'

रिकॉर्ड 8वीं बार जीता एशिया कप

महिला विश्व कप के फाइनल में श्रीलंका को 72 रनों से रौंदा

दुबई। भारत ने फाइनल में श्रीलंका को 72 रनों से हराते हुए विमेंस एशिया कप 2026 के खिताब को अपने नाम किया। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत से मिले 184 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की पूरी टीम सिर्फ 111 रन बनाकर ऑलआउट हुई। भारत ने यह आठवीं बार एशिया कप की ट्रॉफी जीती है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही। इमेशा दुलानी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं और 4 रन बनाकर आउट हुईं। दूसरे विकेट के लिए चमारी अटापट्टू और विष्मी गुणरत्ने ने मिलकर 53 गेंदों में 58 रन जोड़े। विष्मी 20 रन बनाकर आउट हुईं। वहीं, अटापट्टू 32 गेंदों में 4 चौके और 2 छक्कों की मदद से 36 रन बनाकर आउट हुईं। हर्षिता समरविक्रमा 14 गेंदों का सामना करने के बाद सिर्फ 9 रन ही बना सकीं। नीलाक्षी डी सिल्वा 16 गेंदों में 22 रन बनाने के बाद श्री चरणी का शिकार बनीं। कविशा दिलहारी 5 गेंदों में 7 रन ही बना पाईं। हसिनी परेरा एक रन बनाकर शेफाली वर्मा की गेंद पर श्री चरणी को कैच देकर पवेलियन लौटीं। कौशानी नुथ्यांगना 9 रन बनाकर आउट हुईं। गेंदबाजी में भारत की तरफ से श्री चरणी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट चटकाए। वहीं, दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट अपने नाम किए। शेफाली वर्मा और प्रेमा रावत ने एक-एक विकेट झटका।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत शानदार रही। शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने मिलकर पहले विकेट के लिए 12.5 ओवर में 129 रन जोड़े। शेफाली ने 39 गेंदों का सामना करते हुए 68 रनों की तूफानी पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान शेफाली ने 9 चौके और 2 छक्के लगाए। वहीं, मंधाना ने 39 गेंदों में 59 रन बनाए। कप्तान हरमनप्रीत कौर बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं और वह 14 रन बनाकर आउट हुईं।

ऋचा घोष 13 गेंदों में 17 रन बनाने के बाद चमारी अटापट्टू का शिकार बनीं। दीप्ति शर्मा 5 रन बनाकर आउट हुईं, तो गुनालन कमलिनी ने सिर्फ 5 गेंदों का सामना करते हुए 15 रनों की नाबाद पारी खेली। श्रीलंका की ओर से गेंदबाजी में चमारी अटापट्टू, चमुदी प्रबोधा और मिताली अयोध्या ने एक-एक विकेट चटकाया।

एशिया कप 2026 जीतने पर भारतीय महिला टीम को राष्ट्रपति मुर्मु और पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली। दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में फाइनल में श्रीलंका को हराकर विमेंस एशिया कप 2026 जीतनी वाली भारतीय महिला टीम को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने बधाई दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने एक्स पोस्ट में कहा, 'महिला टी20 एशिया कप चैंपियनशिप 2026 जीतने पर टीम इंडिया के सभी सदस्यों को मेरी ओर से बहुत–बहुत बधाई। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में एक टीम के तौर पर शानदार खेल दिखाया और सभी मैच जीते। उन्होंने देश का मान बढ़ाया है। वे हमारे युवाओं, खासकर हमारी बेटियों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत हैं। मुझे यकीन है कि वे सफलता और बेहतरीन प्रदर्शन की और भी कई प्रेरणादायक कहानियाँ रचेंगी।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट

किया, 'भारतीय क्रिकेट के लिए गर्व का पल! एशिया कप जीतने पर महिला टीम को बधाई। पूरे टूर्नामेंट के दौरान उनका आत्मविश्वास, निरंतरता और शानदार जज़्बा देखने को मिला। यह जीत देश भर के लाखों युवाओं को और ज़्यादा खेलने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करे।' लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने एक्स पोस्ट में कहा, 'महिला टी20 एशिया कप चैंपियनशिप 2026 विजेता बनने पर हमारी महिला क्रिकेट टीम को बधाई। हमारी टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए यह खिताब अपने नाम किया, और 8वीं बार एशिया कप में विजयी हुई। हर मुकाबले में आत्मविश्वास, अनुशासन और टीम भावना के साथ खेलते हुए भारतीय महिला खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और दृढ़ संकल्प का शानदार परिचय दिया। यह विजय केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि देश की बेटियों के सामर्थ्य, मेहनत और सपनों की जीत है।' ओम बिड़ला ने आगे कहा, 'इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम की प्रत्येक खिलाड़ी का अभिवादन एवं शुभकामनाएं। आपकी यह उपलब्धि देश के युवाओं और विशेषकर हमारी बेटियों के लिए प्रेरणा का शक्तिशाली संदेश है कि सपने देखिए, मेहनत कीजिए और अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरी दृढ़ता से आगे बढ़िए।'

विमेंस एशिया कप : भारत ने खिताब जीता पर...

मोहसिन नकवी से नहीं ली ट्रॉफी

दुबई। विमेंस एशिया कप 2026 जीतने के बाद भारतीय टीम ने एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी से ट्रॉफी नहीं ली। पुरस्कार समारोह में मैच अधिकारियों और श्रीलंकाई खिलाड़ियों को मेडल देने के बाद कार्यक्रम समाप्त हो गया और भारतीय टीम समारोह में शामिल नहीं हुई। इससे पहले साल 2025 में भी पुरुष टीम ने नकवी से एशिया कप ट्रॉफी लेने से इनकार किया था। भारतीय टीम को अबतक वह ट्रॉफी नहीं मिली है। इस सेरेमनी से पहले बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने नंदिनी शर्मा को फील्डिंग मेडल दिया। सैकिया ने खिलाड़ियों को संबोधित किया और उन्हें बधाई दी। रविवार को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए

'ऐसा नहीं है कि हम किसी से मिलेंगे नहीं', मोहसिन नकवी से हुई मुलाकात पर बोले देवजीत सैकिया

दुबई। भारतीय टीम ने श्रीलंका को फाइनल में हारकर विमेंस एशिया कप 2026 के खिताब को अपने नाम किया। हालांकि, टीम इंडिया ने एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के हाथों से ट्रॉफी नहीं ली। मगर मैच के दौरान भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया और नकवी साथ में नजर आए। नकवी से हुई मुलाकात के बारे में देवजीत सैकिया ने 'आईएएनएस' को बताया, 'ऐसा नहीं है कि हम किसी से मिलेंगे नहीं। टॉस से लेकर मैच खत्म होने तक मैं बाहर रॉयल बॉक्स की सीटों पर बैठा रहा। वहां बैठने के बाद, मैं पूरे मैच के दौरान उसी जगह पर बना रहा। मैच के दौरान जो भी आया, मुझसे मिला; कोई मेरे बगल में बैठा, फिर राजीव शुक्ला आए और मेरे साथ बैठे। जिस व्यक्ति (मोहसिन नकवी) का आपने जिक्र किया, वह भी आए और डिप्टी चेयरमैन खालिद साहब के बगल में बैठे। यह एक सामान्य परंपरा है, जब भी कोई आता है, हम सभी से मिलते हैं और बातचीत करते हैं।' बीसीसीआई सचिव ने बताया ट्रॉफी विवाद को सुलझाने का प्रयास किया गया, पर वो कोशिश सफल नहीं हो सकी। उन्होंने कहा, 'ट्रॉफी विवाद का हमने हल निकालने की कोशिश की थी, लेकिन हमारी कोशिश नाकाम रही।

एशिया कप में कब तक चलेगा ट्रॉफी को लेकर विवाद?

नई दिल्ली। महिला एशिया कप 2026 का खिताब जीतने के बाद भारतीय टीम ने मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से साफतौर पर इनकार कर दिया। इससे पहले, भारतीय पुरुष टीम ने भी साल 2025 में खिताब जीतने के बाद मोहसिन के हाथों से ट्रॉफी नहीं ली थी। हालांकि, सवाल यह है कि मोहसिन के कारण ट्रॉफी को लेकर चला आ रहा यह विवाद कब तक चलेगा? दरअसल, मोहसिन नकवी 3 अप्रैल, 2025 को एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष बने थे। एसीसी के अध्यक्ष का कार्यकाल 2 साल का होता है, जिसे सर्वसम्मति से ही आगे बढ़ाया जा सकता है। नियमों के अनुसार, मोहसिन 3 अप्रैल, 2027 तक इस पद पर बने रहेंगे। एशिया कप का आयोजन 2 साल में एक बार होता है। अगला पुरुष एशिया कप जून 2027 में खेला जाना है। इसका मतलब यह है कि 2027 में होने वाले एशिया कप के दौरान मोहसिन एसीसी के अध्यक्ष पद पर नहीं रहेंगे। ऐसे में अगले एशिया कप में ट्रॉफी को लेकर विवाद खड़ा नहीं होगा। मोहसिन नकवी से पहले एसीसी अध्यक्ष का पद जय शाह ने 2021 से लेकर 2025 तक संभाला था और उन्हें सर्वसम्मति से दोबारा अध्यक्ष चुना गया था। मोहसिन नकवी के बर्ताव को देखते हुए उनके दोबारा अध्यक्ष पद पर चुने जाने की उम्मीद बेहद कम है। माना जा रहा है एसीसी का अगला अध्यक्ष अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड का होगा, जिनका कार्यकाल मध्य 2029 तक चलेगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, मोहसिन नकवी के पद से हटने के बाद भारतीय टीम को अपनी दोनों एशिया कप ट्रॉफी भी मिल सकती है।

'साथ मिलकर हम आगे बढ़ते हैं'

बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास और लक्ष्मण ने दी चैंपियन बनने पर भारतीय टीम को बधाई

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम ने रविवार को रिकॉर्ड 8वीं बार एशिया कप के खिताब को अपने नाम किया। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए फाइनल में हरमनप्रीत एंड कंपनी ने श्रीलंका को 72 रनों से रौंदा। इस जीत को टीम के दबदबे और सबसे ऊंचे लेवल पर लगातार मुकाबला करने में सक्षम टीम बनाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष मिथुन मन्हास और पूर्व भारतीय क्रिकेटर व सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के चीफ वीवीएस ??लक्ष्मण ने चैंपियन बनने पर भारतीय टीम को बधाई दी है। भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए एशिया कप के खिताब पर कब्जा जमाया। इस जीत के साथ ही टीम इंडिया ने एशिया कप 2024 के फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ मिली हार का हिसाब भी चुकता कर लिया। बीसीसीआई अध्यक्ष मन्हास ने भारत के इस अभियान में टीम की सामूहिक कोशिशों की तारीफ की और उस एकता का जिक्र किया जिसने टीम को अजेय रहने और आखिरकार ट्रॉफी जीतने में मदद की। मन्हास ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'साथ मिलकर हम आगे बढ़ते हैं, एशिया कप जीतने पर भारतीय महिला टीम की हर सदस्य को बहुत-बहुत बधाई। पूरे टूर्नामेंट में शानदार दबदबा रहा।'

सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने उतरेगी टीम इंडिया

अफगानिस्तान को होगी पहली जीत की तलाश

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने पहले टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया। सीरीज का दूसरा मुकाबला अब मंगलवार को अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। श्रेयस अय्यर की अगुवाई में भारतीय टीम सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। वहीं, अफगानिस्तान टीम भारत के खिलाफ क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में पहली जीत दर्ज करना चाहेगी। पहले टी20 में भारतीय टीम का प्रदर्शन दमदार रहा। बल्लेबाजी में अभिषेक शर्मा ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सिर्फ 32 गेंदों में 82 रनों की तूफानी पारी खेली थी। अभिषेक के आगे अफगानिस्तान के गेंदबाज पूरी तरह से बेबस दिखाई दिए थे। वहीं, ईशान किशन ने 33 गेंदों में 42 रनों का योगदान दिया था। हालांकि, संजू सैमसन बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके थे और वह 10 रन बनाकर आउट हुए थे। यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय टीम दूसरे टी20 में संजू सैमसन को प्लेइंग इलेवन में बरकरार रखती है या फिर टीम मैनेजमेंट वैभव सूर्यवंशी को मौका देता है। गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 19 रन देकर 3 विकेट चटकाए थे, जबकि जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल भी किफायती रहे थे। हालांकि, नीतीश कुमार रेड्डी जरूर महंगे साबित हुए थे और उन्होंने 2 ओवर में 30 रन दिए थे। दूसरी ओर, अफगानिस्तान दूसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में अपने बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। पहले टी20 में टीम का टॉप और मिडिल ऑर्डर बुरी तरह से फेल रहा था। हालांकि, निचले क्रम में अजमतुल्लाह उमरजई ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 44 गेंदों में 64 रनों की दमदार पारी खेली थी।

भारत ने अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया, सीरीज में 1-0 की बढ़त

नई दिल्ली। भारत ने रविवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए टी20 सीरीज के पहले मैच में अफगानिस्तान को 7 विकेट से करारी शिकस्त दी। इसी के साथ टीम इंडिया ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1–0 से बढ़त हासिल कर ली है। शेष मुकाबले 15 और 17 सितंबर को इसी मैदान पर खेले जाने हैं। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी अफगान टीम ने 8 विकेट खोकर 156 रन बनाए। टीम को महज 5 के स्कोर पर रहमानुल्लाह गुरबाज (0) के रूप में पहला झटका लगा। इसके बाद

सेदीकुल्लाह अटल (13) ने कप्तान इब्राहिम जादरान (11) के साथ दूसरे विकेट के लिए 32 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन इस जोड़ी के टूटने के बाद विकेटों का पतझड़ लग गया। अफगानिस्तान ने महज 43 रन तक अपने 5 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद अजमतुल्लाह ओमरजई ने मोहम्मद नबी के साथ छठे विकेट के लिए 56 गेंदों में 83 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 126 के स्कोर तक पहुंचा दिया।

बुमराह का एक और बड़ा कारनामा

भुवनेश्वर-चहल के 'खास क्लब' में बनाई जगह

नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच पहला टी20 इंटरनेशनल मुकाबला अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। टॉस जीतकर भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। मैच की दूसरी ही गेंद पर जसप्रीत बुमराह ने गुरबाज को आउट करने के साथ ही टी20 क्रिकेट में खास मुकाम हासिल कर लिया है। बुमराह ने मैच के पहले ही ओवर में विकेट लेने के साथ ही टी20 क्रिकेट में 350 विकेट पूरे कर लिए हैं।

वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले भारत की ओर से महज तीसरे गेंदबाज बने हैं। बुमराह से पहले यह मुकाम युजवेंद्र चहल और भुवनेश्वर कुमार ही हासिल कर सके हैं। बुमराह लंबे समय बाद भारत की टी20 टीम में वापसी कर रहे हैं। बुमराह ने इस मैच से पहले अपना आखिरी टी20 8 मार्च, 2026 को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था।

भले ही बुमराह इंजरी से वापस लौटे हों, लेकिन उनकी गेंदबाजी में शुरुआत से ही वही धार नजर आई, जिसके वह जाने जाते हैं। भारतीय टीम ने पहले टी20 में 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के ऊपर संजू सैमसन को तरजीह दी है। संजू अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज करते हुए नजर आएंगे। प्रैक्टिस सेशन के दौरान चोट लगने से ईशान किशन के खेलने पर संशय बरकरार था, लेकिन वह प्लेइंग इलेवन का हिस्सा हैं।

अभिषेक शर्मा ने टी20 क्रिकेट में पूरे किए 3 हजार रन

रसेल-डेविड को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली। भारत ने पहले टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया। टीम की इस जीत के नायक अभिषेक शर्मा रहे, जिन्होंने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 32 गेंदों में 82 रनों की आतिशी पारी खेली। अभिषेक ने अपनी इस पारी में 256 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 7 चौके और इतने ही छक्के लगाए। अभिषेक ने टी20 क्रिकेट में 3 हजार रन भी पूरे कर लिए हैं। वह गेंदों के लिहाज से दूसरे सबसे तेज 3 हजार रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बने हैं। अभिषेक ने यह उपलब्धि 3,420 गेंदें खेलकर पूरी कीं। इस लिस्ट में भारतीय बल्लेबाज से आगे सिर्फ न्यूजीलैंड के फिन एलेन हैं, जिन्होंने यह मुकाम 3,386 गेंदें खेलकर हासिल किया है। अभिषेक ने इस मामले में आंद्रे रसेल और टिम डेविड को पीछे छोड़ा।

रसेल ने टी20 में 3 हजार रन 3,550 गेंदें खेलकर पूरे किए हैं, जबकि डेविड को इस मुकाम तक पहुचंने के लिए 3,681 गेंदें लगी थीं। 157 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। संजू सैमसन 8 गेंदों में 10 रन बनाने के बाद उमरजई का शिकार बने।

संक्षिप्त समाचार

121 किलो गांजा बरामद

दरभंगा, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी), पटना एवं स्थानीय पुलिस द्वारा सोमवार की सुबह संयुक्त रूप से की गयी कार्रवाई में जिले के मनीगाछी थाना क्षेत्र से 121.250 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, आसूचना संकलन के दौरान सूचना मिली थी कि मैना रहिका गांव निवासी लालटून साह ने बड़ी मात्रा में गांजा मंगवाकर अपने ग्रामीण अलीनगर वाली के घर में छिपाकर रखा है। सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए टीम गठित कर कार्रवाई की गयी। टीम ने मैना रहिका गांव पहुंचकर गुप्त रूप से सूचना का सत्यापन किया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बेनीपुर एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी, मनीगाछी की उपस्थिति में अलीनगर वाली के घर की तलाशी ली गयी। इस दौरान मुख्य दरवाजे के बायीं ओर स्थित प्रथम कमरे में उत्तरी दीवार के पास कपड़े से ढके चार उजले रंग के प्लास्टिक बोरे मिले। पुलिस ने बताया कि बोरे खोलने पर गांजा जैसा पदार्थ बरामद हुआ, जिसमें गांजा जैसी दुर्गंध आ रही थी। पदार्थ का वजन करने पर कुल 121.250 किलोग्राम पाया गया, जिसे विधिवत जब्ती सूची तैयार कर जब्त कर लिया गया। पुलिस के अनुसार पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी ई-साक्ष्य के माध्यम से की गयी है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

दुर्गा पूजा, दिवाली-छठ पर घर जाने वालों के लिए रेलवे की सौगात, 100 से ज्यादा ट्रेनों का ऐलान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आने वाले त्योहारी मौसम को देखते हुए भारतीय रेलवे हर साल की तरह इस साल भी कई रूट्स पर 100 से ज्यादा स्पेशल ट्रेनें चलाने जा रही है. ये ट्रेनें दुर्गा पूजा, दिवाली, छठ पूजा और दूसरे त्योहारों के दौरान चलाई जाएंगी. ये स्पेशल ट्रेनें बिहार, पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों को जोड़ने वाले रूटों पर चलेंगी. इन ट्रेनों में ज्यादा सीटें और बर्थ भी मिलेंगी. इनका फायदा यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में मिलेगी. रेलवे ने इसके साथ-सात त्योहारी सीजन के दौरान कई रेगुलर ट्रेनों में अतिरिक्त

भागलपुर में फंसा कोलकाता से वाराणसी की यात्रा पर निकला बहुचर्चित राजमहल गंगा क्रूज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

भागलपुर। कोलकाता से वाराणसी की यात्रा पर निकला बहुचर्चित राजमहल गंगा क्रूज पिछले कई दिनों बिहार के भागलपुर में फंसा हुआ है। उफनती गंगा के तेज बहाव और बढ़ते जलस्तर के कारण क्रूज का सफर बीच में ही रुक गया। क्रूज ने 5 सितंबर को ही विक्रमशिला सेतु को सफलतापूर्वक पार कर लिया था, लेकिन बेगूसराय स्थित सिमरिया पुल के पास जलस्तर अत्यधिक बढ़ा हुआ है।

क्रूज के ऊपरी हिस्से और पुल के बीच पर्याप्त जगह न होने के कारण सुरक्षा के लिहाज से इसे भागलपुर के पास ही रोक दिया गया है। क्रूज पर सवार सैलानियों की यात्रा में कोई बाधा न आए, इसके लिए प्रशासन और क्रूज प्रबंधन ने वैकल्पिक व्यवस्था की. क्रूज में कुल 9 विदेशी सैलानी सवार थे, जिनमें 2 भारतीय मूल के नागरिकों के अलावा 7 सैलानी ब्रिटिश(इंग्लैंड), न्यूजीलैंड और डच के रहने वाले हैं। सभी सैलानियों को भागलपुर से ट्रेन के माध्यम से पटना भेज दिया गया है, जहां से वे अपनी आगे की यात्रा जारी रखेंगे।

माना जा रहा है कि जलस्तर में कमी आने के बाद ही, अगले दो से तीन दिनों में क्रूज वाराणसी के लिए रवाना हो सकेगा। इस लग्जरी गंगा क्रूज ने पिछले महीने से पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश के विभिन्न ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पौराणिक स्थलों का भ्रमण कराने के लिए अपनी यात्रा शुरू की थी।

उफनती नदी के बीच फंसे क्रूज और उसकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्थानीय प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।

सुरक्षा के मद्देनजर एसडीआरएफ की टीमें बोट के जरिए क्रूज के आसपास लगातार गश्त कर रही हैं और स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, पानी का स्तर कम होने तक क्रूज को आगे ले जाना मुश्किल है।

पूर्णिया: ओआरएस की आड़ में हो रही विदेशी शराब की तस्करी का पदाफाश

1074 लीटर शराब के साथ तीन तस्करों को पुलिस ने दबोचा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहार में शराबबंदी के बावजूद शराब तस्करी का खेल थमने का नाम नहीं ले रहा है। तस्कर पुलिस की नजरों से बचने के लिए लगातार नए-नए तरीके अपना रहे हैं। कभी एंबुलेंस तो कभी डाक पार्सल के जरिए शराब की तस्करी के मामले सामने आते रहे हैं। अब पूर्णिया में हाइड्रेशन ड्रिंक यानी ओआरएस की आड़ में विदेशी शराब की बड़ी खेप ले जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ट्रक से 1074.6 लीटर विदेशी शराब बरामद की है और तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक ट्रक असम से शराब की खेप लेकर पूर्णिया के रास्ते समस्तीपुर जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने जीरो माइल शीशाबाड़ी मस्जिद के पास घेराबंदी कर ट्रक को रोक लिया।

ट्रक में चालक के अलावा दो अन्य लोग भी सवार थे। पुलिस ने जब ट्रक में रखे सामान के बारे में पूछताछ की तो आरोपियों ने बताया कि इसमें एप्पल हाइड्रेशन ड्रिंक है। पुलिस को संदेह होने पर ट्रक की विधिवत तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान सामने आया कि हाइड्रेशन ड्रिंक की आड़ में विदेशी शराब की बड़ी खेप छिपाकर ले जाई जा रही थी।

पुलिस ने ट्रक से विभिन्न ब्रांड की 110 पेटी विदेशी शराब बरामद की। बरामद शराब की कुल मात्रा 1074.6 लीटर बताई गई है। इसके अलावा ट्रक से 1100 पेटी एप्पल हाइड्रेशन ड्रिंक भी मिली, जिसकी कुल मात्रा करीब 17,820 लीटर बताई गई है।

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने पुलिस को बताया कि बरामद शराब समस्तीपुर के नीतीश कुमार की है। इसके बाद पुलिस अब इस तस्करी नेटवर्क की पूरी कड़ी खंगालने में जुट गई है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि शराब की खेप कहां से मंगाई गई थी और इसे समस्तीपुर में किसके पास पहुंचाया जाना था। मामले में पुलिस ने ट्रक चालक सह मालिक भूषण राय, प्रमोद राय और नीलेश कुमार को गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपी समस्तीपुर जिले के हलई थाना क्षेत्र के चकजलाल गांव के रहने वाले बताए गए हैं। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर शराब तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की पहचान और नेटवर्क तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। इस कार्रवाई ने एक बार फिर साफ कर दिया है कि शराब तस्कर बिहार में शराबबंदी के बावजूद तस्करी के लिए नए-नए हथकंडे अपना रहे हैं।

सामुदायिक रसोई केन्द्र के माध्यम भोजन की व्यवस्था

कटिहार, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों के विस्थापितों एवं जलमग्न घरों में रह रहे परिवारों के लिए अबतक बरारी अंचल अन्तर्गत 70 रसोई केन्द्र में 7,71,506 कुसेर्ला अंचल अन्तर्गत 68 रसोई केन्द्र में 5,66,632; मनिहारी अंचल अन्तर्गत 130 रसोई केन्द्र में 10,32,895 अमदाबाद अंचल अन्तर्गत 116 रसोई केन्द्र में 11,78,360; मनसाही अंचल अन्तर्गत 06 रसोई केन्द्र में 38,039; समेली अंचल अन्तर्गत 18 रसोई केन्द्र में 70,700 तथा प्राणपुर अंचल अन्तर्गत 39 रसोई केन्द्र में 83,136; कुल 447 सामुदायिक रसोई केन्द्रों के माध्यम से 37,41,268 बाढ़ प्रभावित व्यक्तियों को भोजन कराया गया है। इसके अलावे प्रभावितों के बीच अबतक कुल 410 सूखा राशन पैकेट वितरण किया गया है।

संचालित मानव चिकित्सा शिविर-

बाढ़ से प्रभावित हुए क्षेत्रों के प्रभावित व्यक्तियों को स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचाने के निमित्त अबतक बरारी अन्तर्गत 83, अमदाबाद अन्तर्गत 43, कुसेर्ला अन्तर्गत 54, मनिहारी अन्तर्गत 87, समेली अन्तर्गत 11, मनसाही अन्तर्गत 18 एवं प्राणपुर अन्तर्गत 06 कुल 302 संचालित स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से अबतक लगभग 20,678 व्यक्तियों का ईलाज किया जा चुका है। साथ ही कुल 225 किग्रा० ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव एवं कुल 5595 हैलोजेन टैबलेट का वितरण किया गया है। इसके अलावे आज बरारी, मनिहारी एवं अमदाबाद में 01-01, कुल 03 बोट एम्बुलेन्स संचालित है।

पशु चिकित्सा शिविर एवं पशुचारा की व्यवस्था

बाढ़ प्रभावित पशुओं के उपचार हेतु बरारी अन्तर्गत 03 (मोहनाचाँदपुर, उत्तरी भंडारतल, लक्ष्मीपुर), कुसेर्ला अन्तर्गत 01 (गोबराही दियारा), मनिहारी अन्तर्गत 01 (नवाबगंज पंचायत भवन) तथा अमदाबाद अन्तर्गत 01 (छरार्मारी बॉध चौक चामा), कुल 06 पशु चिकित्सा शिविर संचालित कर पशु चिकित्सा की व्यवस्था की गई है। मनसाही अन्तर्गत मोबाईल भेटनरी यूनिट द्वारा 07 पशुओं का ईलाज किया गया है। इन शिविरों द्वारा अबतक कुल 4901 पशुओं का इलाज किया गया। इसके आलावे वैसे सभी स्थल जहाँ लोग बाढ़ से विस्थापित होकर अपने मवेशी के साथ आ गए है ऐसे स्थानों पर यथा बरारी अन्तर्गत 85.10 क्वींटल, कुसेर्ला अन्तर्गत 240.10 क्वींटल, मनिहारी अन्तर्गत 189.10 क्वींटल तथा अमदाबाद अन्तर्गत 118.40 क्वींटल अबतक कुल 632.70 क्वींटल (गेंहूँ का भूसा) वितरण किया जा चुका है।

पॉलीथीन शीट्स वितरित

बाढ़ से प्रभावित एवं विस्थापित परिवारों के बीच आवश्यकतानुसार पॉलीथीन शीट्स का वितरण कार्य लगातार जारी है। अंचलवार आँकड़ा इस प्रकार बरारी अन्तर्गत 7880, कुसेर्ला अन्तर्गत में 8900, मनिहारी अन्तर्गत 26700, अमदाबाद अन्तर्गत 20000, मनसाही अन्तर्गत 2025, प्राणपुर अन्तर्गत 4825 एवं समेली अन्तर्गत 1150, अबतक कुल 71,480 नग पॉलीथीन शीटस प्रभावितों के बीच वितरित किया जा चुका है।

जिला आपातकालीन संचालन केन्द्र

जिलान्तर्गत किसी भी प्रकार की आपदा संबंधी त्वरित सूचना संग्रहण, समन्वयन एवं सहायता हेतु जिला आपातकालीन संचालन केन्द्र (ऑडउ) - सह-नियंत्रण कक्ष 24 7 के आधार पर पालीवार कार्यरत है। प्राप्त सूचना/शिकायत / जानकारी के आलोक में संबंधित पदाधिकारियों को तत्काल अवगत कराया जा रहा है एवं पजी भी संधारित है :- दूरभाष संख्या: 06452-239025, 239026, 242400 जिला प्रशासन, कटिहार की अपील -

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के नागरिकों से अपील है कि वे प्रशासन द्वारा जारी दिशानिदेर्शों का पालन करें, अनावश्यक रूप से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आवागमन न करे तथा किसी प्रकार की आपदा संबंधी सूचना अथवा आवश्यकता होने पर तत्काल जिला आपातकालीन संचालन केन्द्र (ऑडउ) - सह-नियंत्रण कक्ष से सम्पर्क करें। जिला प्रशासन, कटिहार द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है तथा आवश्यकता के अनुरूप राहत एवं बचाव कार्यों का विस्तार किया जा रहा है।

झारखंड में होमगार्ड्स का करोड़ों रुपये मानदेय बकाया, विभाग के चक्कर लगा रहे जवान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में गृह रक्षकों (होम गार्ड) का लंबे समय से विभिन्न अवसरों का मानदेय भुगतान लंबित है। उनसे ड्यूटी ले ली गई, लेकिन उसके एवज में अब तक मानदेय का भुगतान नहीं किया गया। बकाया राशि करोड़ों रुपये में है। गृह रक्षा वाहिनी से गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग को बकाया मानदेय भुगतान के लिए अनुशंसा भेजी गई है, लेकिन यह विभाग में लंबित है। प्रभावित गृह रक्षकों ने इसकी जानकारी अपने वरीय पदाधिकारियों को भी दी है, लेकिन अभी तक समाधान नहीं निकल सका है। ताजा मामला फरवरी में संपन्न झारखंड नगर निकाय चुनाव के दौरान ड्यूटी का है। इस ड्यूटी में सात हजार गृह रक्षकों से 20 फरवरी से 24 फरवरी तक यानी कुल पांच दिनों तक काम लिया गया था। 5 करोड़ 60 लाख बकाया। प्रत्येक गृह रक्षकों का प्रतिदिन करीब 1600 रुपये के हिसाब से पांच दिन का आठ हजार रुपये बनता है। इस तरह सात हजार गृह रक्षकों का विभाग पर 5 करोड़ 60 लाख रुपये का बकाया हो गया है। गृह रक्षकों का यह भी कहना है कि यह तो ताजा मामला है। पूर्व में भी विधि व्यवस्था ड्यूटी से संबंधित कई कार्यों के एवज में बकाया भुगतान नहीं हो सका है। कोरोना काल में ड्यूटी के एवज में कई जिलों के गृह रक्षकों का भुगतान लंबित है। इसके अलावा रामनवमी ड्यूटी का भी भुगतान लंबित है। हर तरह की ड्यूटी के एवज में भुगतान की आंकड़ा देखें तो यह आंकड़ा करोड़ों में है, जिसकी जानकारी गृह रक्षा वाहिनी मुख्यालय को भी है वहीं, गृह रक्षा वाहिनी मुख्यालय का कहना है कि जैसे-जैसे भुगतान आवंटित होता जा रहा है, भुगतान किया जा रहा है।

कटिहार जिले के बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में चलाए जा रहे हैं राहत कार्यों की अद्यतन स्थिति

कटिहार, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। विगत दिनों से कटिहार जिला अंतर्गत गंगा, कोसी, बरांडी एवं कारीकोसी नदियों के जल स्तर में वृद्धि के फलस्वरूप विभिन्न क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हुई है।

वर्तमान में कुसेर्ला, बरारी, अमदाबाद, मनिहारी, मनसाही, समेली तथा प्राणपुर अंचलों के अन्तर्गत कुल 59 ग्राम पंचायत के 607 गाँव एवं 04 नगर पंचायत के 40 वार्डों के कुल 9,39,766 आबादी के बाढ़ प्रभावित होने की सूचना अबतक प्राप्त हुई है। बाढ़ की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन, कटिहार के द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों के साथ-साथ आवागमन, भोजन, स्वास्थ्य, पशु चिकित्सा, पेयजल एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराया जा रहा है। प्रमुख बाढ़ राहत एवं बचाव व्यवस्थाएँ निम्नांकित है:-

संचालित कराये जा रहे नावों की व्यवस्था:-

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आवागमन एवं आवश्यक सामग्रियों की आवाजाही हेतु कुल 141 नाव परिचालित है। साथ ही बरारी अंचल में 02 मोटरबोट का परिचालन किया जा रहा है।

अंचलवार नावों की संख्या निम्नांकित है-

बरारी में 38 नाव, कुसेर्ला में 25 नाव,

कोढ़ा में 03 नाव, मनिहारी में 34 नाव, मनसाही में 04 नाव,

अमदाबाद में 18 नाव, प्राणपुर में 16 नाव, फलका में 02 नाव

समेली में 01 नाव।

यातायात नियमों के उल्लंघन पर सख्ती

गोपालगंज, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बिहार सरकार की सड़क हादसों पर रोक लगाने एवं जानमाल की क्षति को कम करने के निदेर्शानुसार आज गोपालगंज के जिला पदाधिकारी समीर सौरभ की अध्यक्षता में समाहरणालय सभा कक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान जिले में सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति, दुर्घटना संभावित क्षेत्रों, ब्लैक स्पॉट, यातायात नियमों के अनुपालन तथा सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की गई। जिला पदाधिकारी ने सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बैठक में जिले में पिछले वर्षों में हुई सड़क दुर्घटनाओं से संबंधित आंकड़ों की समीक्षा की गई। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022 में 277 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें 248 लोगों की मृत्यु तथा 191 लोग घायल हुए। वर्ष 2023 में 269 दुर्घटनाओं में 221 लोगों की मृत्यु एवं 143 लोग घायल हुए। वर्ष 2024 में 255 दुर्घटनाओं में 202 लोगों की मृत्यु तथा 207 लोग घायल हुए। वर्ष 2025 में 243 दुर्घटनाओं में 200 लोगों की मृत्यु एवं 138 लोग घायल हुए। वहीं वर्ष 2026 में अगस्त तक 206 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें 177 लोगों की मृत्यु तथा 100 लोग घायल हुए। इन आंकड़ों को गंभीरता से लेते हुए दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए आवश्यक कदम उठाने पर बल दिया गया। जिला पदाधिकारी ने दुर्घटना संभावित क्षेत्रों एवं ब्लैक स्पॉट की पहचान कर वहां आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। ऐसे स्थानों पर यातायात संकेतक, प्रकाश व्यवस्था सहित आवश्यक सड़क सुरक्षा प्रबंधों को सुदृढ़ करने पर जोर दिया गया, ताकि वाहन चालकों को संभावित खतरे की जानकारी समय रहते मिल सके और दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सके। हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग पर विशेष जोर दिया गया। दोपहिया वाहन चालकों को अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने तथा चारपहिया वाहन चालकों एवं यात्रियों को सीट बेल्ट लगाने के लिए जागरूक करने का निर्देश दिया गया। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने तथा यातायात नियमों का पूरी तरह अनुपालन करने की अपील की गई। यातायात नियमों के उल्लंघन के विरूद्ध की जा रही कार्रवाई की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि बिना हेलमेट वाहन चलाने, सीट बेल्ट का उपयोग नहीं करने, तेज गति से वाहन चलाने सहित अन्य नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही कार्रवाई के साथ-साथ आम लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए नियमित जागरूकता अभियान चलाने पर बल दिया गया। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं से संबंधित आंकड़ों को आईआरएडी में दर्ज एवं अद्यतन रखने की स्थिति की भी समीक्षा की गई। उल्लेखनीय है कि दुर्घटनाओं की सही

जानकारी समय पर दर्ज होने से दुर्घटनाओं के कारणों का विश्लेषण करने तथा भविष्य में प्रभावी सड़क सुरक्षा कार्ययोजना तैयार करने में सहायता मिलेगी। सड़क किनारे अतिक्रमण एवं यातायात व्यवस्था से जुड़े मामलों की भी समीक्षा की गई। प्रमुख मार्गों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में यातायात को सुगम बनाए रखने तथा सड़क किनारे यातायात में बाधा उत्पन्न करने वाले अतिक्रमण को हटाने के लिए संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर कार्रवाई करने पर जोर दिया गया।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सौजन्य से संचालित दरभंगा जिला के 200 स्वयंसेवकों का युवा आपदा मित्र प्रशिक्षण शिविर संपन्न

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो,

दरभंगा। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के कुलपति प्रोफेसर संजय कुमार चौधरी के दिशा-निर्देश में बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, पटना के सौजन्य से राष्ट्रीय सेवा योजना कोषांग के तत्त्वावधान में दरभंगा जिला के विभिन्न कॉलेजों के 200 स्वयंसेवकों का तृतीय सात दिवसीय ह्युवा आपदा मित्र आवासीय प्रशिक्षण शिविरह्व संपन्न हुआ। एमआरएम कॉलेज, दरभंगा की प्रभारी प्रधानाचार्य प्रो पुष्पम नारायण- अध्यक्ष, भू-संपदा पदाधिकारी डॉ कामेश्वर पासवान- सम्मानित अतिथि, एसडीआरएफ, बिहटा, पटना के आपदा-प्रशिक्षक रूपेश कुमार पासवान- मुख्य वक्ता, शिविर संयोजक डॉ आर एन चौरसिया- स्वागत कर्ता एवं शिविर-प्रतिवेदन प्रस्तुत कर्ता, डॉ युगेश्वर साह-धन्यवाद कर्ता तथा अक्षय कुमार झा ने संचालक के रूप में अपने विचार व्यक्त किये। शिविर में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को शैक्षणिक किट, आपदा प्रबंधन किट तथा प्रमाण पत्र आदि प्रदान किए गए। वहीं कुलपति के आदेशानुसार 200 स्वयंसेवकों में से लिखित परीक्षा, अनुशासन, संभाषण एवं सांस्कृतिक प्रस्तुति आदि के आधार पर 10% अर्थात 20 सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवकों का चयन किया गया, जिनमें अमित कुमार- प्रथम, सत्यम कुमार मलिक- द्वितीय तथा ताइबा फातिमा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जिन्हें प्रमाण पत्र तथा रैंक युक्त मोमेंटो प्रदान किया गया। वहीं कृष्ण कुमार चौधरी ने 4था, अर्णव राज ने 5वां, अंकित कुमार ने 6ठा, मेहविश फरहीन ने 7वां, प्रिंस कुमार ने 8वां, अविनाश कुमार ने 9वां, विकास कुमार ने 10वां, अमरनाथ ठाकुर ने 11वां, अभिजीत कुमार ने 12वां, कृष्णनंदन सहनी ने 13वां, जोहा फातिमा ने 14वां, औरंगजेब आलम ने 15वां, पूजा कुमारी ने 16वां, सुभाष चन्द्र माली ने 17वां, प्रकाश साह ने 18वां, चांदनी कुमारी ने 19वां तथा मानसी कुमारी ने 20वां स्थान प्राप्त किया, जिन्हें अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र एवं मोमेंटो आदि से सम्मानित किया गया, जबकि शेष बाकी 180 प्रशिक्षुओं को भी आयोजक द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। समारोह का प्रारंभ राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान से तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। अतिथियों का स्वागत पाग, चादर एवं मोमेंटो आदि से किया गया। समारोह में शिविर-संयोजक डॉ आर एन चौरसिया, एसडीआरएफ के सभी प्रशिक्षक, डॉ योगेश्वर साह, डॉ उदय कुमार, डॉ सोनू राम शंकर, मुजफ्फरपुर से आए सुधांशु कुमार, मुकेश कुमार झा, मणिकांत ठाकुर, प्रशांत कुमार, अक्षय कुमार झा, मंजीत कुमार चौधरी, वैभव झा, अंकिता, विकास कुमार, संजीव कुमार, अमित कुमार झा, रवीन्द्र कुमार सिंह, सुमित कुमार, संजय कुमार, संजीव कुमार आदि ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

अध्यक्षीय संबोधन में प्रो पुष्पम नारायण ने प्रशिक्षण में शामिल स्वयंसेवकों को बधाई एवं शुभकामना देते हुए कहा कि स्वयंसेवक समाजसेवा के प्रतिमूर्ति होते हैं। इन प्रशिक्षित स्वयंसेवकों के बल पर हमारे समाज में आपदा न्यूनीकरण कार्य में निश्चय ही सफलता मिलेगी।उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आपदा के समय ये सभी प्रशिक्षित स्वयंसेवक हमेशा समाज की रक्षा के लिए खड़े रहेंगे। हमें अपने में मानवता एवं संवेदनशीलता जागृत रखने की जरूरत है, ताकि हम जरूरतमंदों की समय पर मदद कर सके। प्रशिक्षक रूपेश कुमार पासवान ने कहा कि हम आपदा को रोक नहीं सकते हैं, परंतु प्रशिक्षित होकर उसे कम जरुर कर सकते हैं। इन प्रशिक्षणों से राहत एवं पुनर्वास कार्य के लिए प्रशिक्षित युवा मानव संसाधन तैयार किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण से आपदा पूर्व तैयारी की संस्कृति भी विकसित होगी। कहा कि प्रशिक्षण के बाद हमारे युवा आपदा मित्र यदि समाज कल्याण के लिए कार्य करेंगे तो हमें काफी प्रसन्नता होगी। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवक अनुशासित रूप में खुलकर प्रश्न भी पूछा, क्योंकि हमारा वर्ग टू-वे रहा है। सम्मानित अतिथि डॉ कामेश्वर पासवान ने कहा कि छात्रों को इस एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटी में सहभागिता के माध्यम से काफी व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हुआ है। यह स्वयंसेवकों के लिए रोजगारोन्मुखी एवं समाजोपयोगी प्रशिक्षण है, जिसका छात्रों के पूरे जीवन में उपयोगिता बनी रहेगी।

आठ मांगों को लेकर हुई झारखंड प्रदेश संयुक्त शिक्षक मोर्चा की बैठक,अक्टूबर में होगी राज्यस्तरीय संगोष्ठी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड की राजधानी रांची के धुर्वा स्थित भारतीय मजदूर संघ कार्यालय में झारखंड प्रदेश संयुक्त शिक्षक मोर्चो की महत्वपूर्ण बैठक प्रदेश संयोजक मंगलेश्वर उरांव की अध्यक्षता में आयोजित हुई. बैठक में राज्य की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने और शिक्षकों की लंबित समस्याओं के समाधान को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

साथ ही कई महत्वपूर्ण मांगों को सरकार के समक्ष प्रमुखता से उठाने का निर्णय लिया गया।

बैठक में यह भी तय हुआ कि शिक्षा और शिक्षक हित के मुद्दों को लेकर अक्टूबर महीने में रांची में राज्यस्तरीय शिक्षक संगोष्ठी आयोजित की जाएगी।

अंग्रेजी के प्रभाव से बाहर निकले बिना हिंदी को सशक्त करना मुश्किल : प्रो. संजय श्रीवास्तव

मोतिहारी, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी में हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी को केवल भाषा नहीं, बल्कि व्यवहार, प्रशासन, तकनीक और ज्ञान-विज्ञान की प्रभावी भाषा बनाने की जरूरत पर जोर दिया गया।

राजभाषा प्रकोष्ठ एवं हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी माह के अंतर्गत ह्यराजभाषा के रूप में हिंदी का भविष्यह्व विषय पर आयोजित समारोह में वक्ताओं ने हिंदी के विस्तार के साथ देश की सभी भारतीय भाषाओं के सम्मान को आवश्यक बताया।

मोतिहारी में सोमवार को समारोह का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। अतिथियों का अंगवस्त्र, प्रतीक चिह्न एवं पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। अध्यक्षीय संबोधन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि औपनिवेशिक मानसिकता के कारण आज भी हिंदी की तुलना में अंग्रेजी को अधिक महत्व दिया जाता है। इस मानसिकता से बाहर निकलना होगा, तभी हिंदी को सशक्त और समृद्ध बनाया जा सकेगा। उन्होंने हिंदी को व्यवहार में प्रतिष्ठित करने की आवश्यकता पर बल दिया। राजभाषा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष प्रो. राजेंद्र सिंह ने कहा कि हिंदी के भविष्य को लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं है। यह भाषा निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि हिंदी को आगे बढ़ाने के साथ भारत की अन्य भाषाओं का सम्मान और संरक्षण भी उतना ही जरूरी है। विशिष्ट अतिथि एवं विशेष कार्याधिकारी (प्रशासन) प्रो. अतुल कुमार शरण ने हिंदी के तकनीकी, वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक पक्ष पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने विश्वविद्यालय के विभागों एवं कार्यालयों के नाम अंग्रेजी के साथ हिंदी में लिखने तथा हस्ताक्षर सहित दैनिक प्रशासनिक कार्यों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने का आग्रह किया। गांधी भवन परिसर के निदेशक एवं मुख्य कुलानुशासक प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने हिंदी के भविष्य को उज्ज्वल बताते हुए कहा कि हिंदी राजभाषा के साथ ही अघोषित रूप से भारत की राष्ट्रभाषा भी है। हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. श्याम नंदन ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रहलाद जोशी, मंत्रिमंडल सचिव डॉ. टी.वी. सोमनाथन तथा उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली की सचिव दीप्ति गौर मुकर्जी के संदेशों का वाचन किया।

उन्होंने कहा कि हिंदी को समृद्ध करने में गैर-हिंदी भाषी लोगों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है, इसलिए हिंदी का विस्तार भारतीय भाषायी विविधता के सम्मान के साथ होना चाहिए।

इस अवसर पर वित्त अधिकारी प्रो. पंकज कुमार सिंह, जनसंपर्क अधिकारी शेफालिका मिश्रा, हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव, संस्कृत विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. श्याम कुमार झा, अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो. बिमलेश कुमार सिंह, समाज कार्य विभागाध्यक्ष डॉ. मृत्युंजय कुमार सिंह, संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. बबलू पाल एवं डॉ. मणिशंकर द्विवेदी सहित शिक्षक, विद्वान, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने किया एचडीएफसी बैंक के बैकऑफिस का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो, रांची। वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने सोमवार को बतौर मुख्य अतिथि एचडीएफसी बैंक के रांची के हरमू स्थित पंचवती टावर में झारखंड के तीसरे बैकऑफिस का शुभारंभ किया। इस अवसर पर वित्त मंत्री ने कहा कि झारखंड में एचडीएफसी बैंक के तीसरे बैकऑफिस का शुभारंभ राज्य में बैंकिंग सेवाओं के विस्तार और वित्तीय गतिविधियों को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे राज्य के लोगों और व्यवसायों को बेहतर एवं सुगम बैंकिंग सुविधाएं मिलेंगी। साथ ही, ऐसे संस्थानों के विस्तार से झारखंड के युवाओं के लिए रोजगार और करियर के नए अवसर भी पैदा होंगे। बैंक के रीजनल हेड कुमार अभिषेक ने कहा कि नया बैकऑफिस झारखंड में बैंक की परिचालन क्षमता को मजबूत करेगा और युवाओं के लिए रोजगार के सार्थक अवसर उपलब्ध कराने में मददगार बनेगा। नया बैकऑफिस बैंक की परिचालन क्षमता को मजबूत करने के साथ ग्राहकों को बेहतर और निर्बाध बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

हिन्दी दिवस पर मुख्य महाप्रबंधक का संदेश लोकार्पित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चंद्रपुरा (बोकारो)। दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र में हिन्दी दिवस के अवसर पर तेजस भवन स्थित इकाई 7 एवं 8 के सम्मेलन कक्ष में मुख्य महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रधान राम कुमार अनुभवी द्वारा जारी हिन्दी दिवस संदेश का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में ताप विद्युत केंद्र के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष एवं कार्यालय प्रधान मौजूद रहे।

इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रधान के संदेश का वाचन प्रबंधक (मानव संसाधन) राज कुमार चौधरी ने किया। अपने संदेश में राम कुमार अनुभवी ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिन्दी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हिन्दी देश की सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक समरसता और जनसाधारण की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है।

उन्होंने कार्यालयीन कार्यों, पत्राचार, टिप्पणियों, प्रतिवेदनों तथा डिजिटल माध्यमों में हिन्दी के सरल और प्रभावी प्रयोग पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि राजभाषा नीति का उद्देश्य सिर्फ हिन्दी का प्रयोग बढ़ाना नहीं, बल्कि इसे सरल, पारदर्शी और जनोन्मुख बनाना भी है।

मुख्य महाप्रबंधक ने चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र में हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए आयोजित किए जा रहे हिन्दी पखवाड़ा, कार्यशालाओं, प्रतियोगिताओं और जागरूकता कार्यक्रमों की सराहना की। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से इन गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेने की अपील की।

उन्होंने सभी से संकल्प लेने का आह्वान किया कि राजभाषा हिन्दी के प्रयोग और प्रोत्साहन को दैनिक कार्य-व्यवहार का अभिन्न हिस्सा बनाया जाए तथा हिन्दी लेखन में सरल और सहज भाषा का प्रयोग किया जाए।

कार्यक्रम में उप महाप्रबंधक अमित सिन्हा, राजीव रंजन मोझा, देव कांति गुप्रा भाया, राजीव रंजन, राजीव कुमार एवं प्रताप सिंह समेत वरीय प्रबंधक, अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र में राजभाषा हिन्दी के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूत करने का संदेश दिया गया।

दुबई भागने से पहले पकड़ा गया कुख्यात गैंगस्टर प्रिंस खान का भाई

पश्चिम बंगाल पुलिस के सहयोग से धनबाद पुलिस ने कोलकाता से किया गिरफ्तार

धनबाद। धनबाद पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। वासेपुर के कुख्यात गैंगस्टर प्रिंस खान के भाई बंटी खान को पश्चिम बंगाल पुलिस के सहयोग से कोलकाता से गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार बंटी खान फर्जी दस्तावेजों के सहारे दुबई भागने की तैयारी में था। अंतरराष्ट्रीय उड़ान पकड़कर विदेश निकल पाता, इससे पहले ही पुलिस ने उसे दबोच लिया। गिरफ्तारी के दौरान उसके पास से वैध और फर्जी पासपोर्ट के साथ वीजा भी बरामद किए गए हैं। एसएसपी प्रभात कुमार ने बैंक मोड़ थाना में प्रेस वार्ता कर गिरफ्तारी की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बंटी खान के खिलाफ हत्या, रंगदारी, आर्म्स एक्ट और आपराधिक साजिश समेत एक दर्जन से अधिक गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। लंबे समय

से धनबाद पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी।गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस को जानकारी मिली थी कि बंटी खान कोलकाता में छिपा हुआ है और वहां से अंतरराष्ट्रीय उड़ान के जरिए दुबई भागने की फिराक में है। इसके बाद धनबाद पुलिस की विशेष टीम कोलकाता भेजी गई। पश्चिम बंगाल पुलिस के सहयोग से संभावित ठिकाने पर कार्रवाई कर बंटी खान को गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तारी के बाद तलाशी के दौरान पुलिस को उसके पास से वैध पासपोर्ट के अलावा फर्जी पासपोर्ट और वीजा भी मिले हैं। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि इन फर्जी दस्तावेजों की व्यवस्था किसने की और इस पूरे नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

प्रिंस खान गिरोह के खिलाफ धनबाद पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। इससे पहले गिरोह के मुख्य गुर्गे मेजर उर्फ सैफी को भी कोलकाता एयरपोर्ट से दुबई भागने की कोशिश के दौरान गिरफ्तार किया गया था। अब बंटी खान की गिरफ्तारी को पुलिस बड़ी सफलता मान रही है।

एसएसपी के अनुसार, बंटी खान से पूछताछ के बाद गिरोह के रंगदारी नेटवर्क, वित्तीय लेनदेन और विदेश में सक्रिय सदस्यों से जुड़े अहम सुराग मिल सकते हैं।फिलहाल बंटी को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया जारी है। पुलिस रिमांड लेकर उससे आगे की पूछताछ करेगी।वहीं इस दौरान धनबाद पुलिस ने गिरफ्तार बंटी खान का सड़क पर परेड भी निकाला।

परेशानी दूर करनेका झांसा देने वाला धराया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

तेनुघाट (बोकारो)। बोकारो जिले के जरीडीह थाना क्षेत्र में मोती पहनाकर घर का दोष, बीमारी और आर्थिक परेशानी दूर करने का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर सोमवार, 14 सितंबर 2026 को तेनुघाट जेल भेज दिया। वहीं, उसके चार साथी फरार हैं, जिनकी तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है।पुलिस के अनुसार, 13 सितंबर को जैना पंचायत निवासी लालचंद महतो की फुआ सुमिता देवी बांधगोड़ा साइड से अपने भाई के घर आई थीं। दोपहर करीब 1:15 बजे पड़ोसी के घर जाने के दौरान दो युवकों ने उन्हें मोती जैसा स्टोन दिखाया और दावा किया कि इसे धारण करने से घर का दोष, रोग-दुख समाप्त हो जाएगा तथा धन की प्राप्ति होगी। आरोपियों ने महिला से गले की चेन और कान के टॉप्स जमीन पर रखने तथा आंखें बंद कर ॐ का जाप करने को कहा। इसी दौरान महिला की आंखें बंद होते ही दोनों आरोपी सोने की चेन और टॉप्स लेकर भागने लगे। महिला के शोर मचाने पर उनके भतीजे लालचंद महतो ने पीछा कर जैनामोड़ शराब दुकान के पास बाइक के पीछे बैठे एक आरोपी को पकड़ लिया, जबकि दूसरा मोटरसाइकिल लेकर फरार हो गया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के नानौता थाना क्षेत्र निवासी करीब 44 वर्षीय इस्लाम के रूप में हुई है। पूछताछ में उसने अपने चार साथियों के नाम असगर अली, आबिद, अख्तर अली और आजाद उर्फ गेंडा उर्फ एजाज बताए हैं। पुलिस ने आरोपी के पास से एक सोने जैसी पतली चेन, एक जोड़ी कान के टॉप्स और सफेद डिब्बे में रखा सफेद रंग का मोती बरामद किया है। जरीडीह थाना कांड संख्या 152/26 में मामला दर्ज कर कार्रवाई की गई है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी का आपराधिक इतिहास भी रहा है और उसके खिलाफ छत्तीसगढ़, दुमका तथा चास थाने में मामले दर्ज हैं।

दो दिवसीय □लियो□ कार्यशाला का समापन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र के तकनीकी सेल विभाग द्वारा डिजाइन एवं इंजीनियरिंग विषय पर आयोजित दो दिवसीय लियो (लर्निंग फ्रॉम ईच अदर) कार्यशाला का समापन हुआ। सेल स्तर पर अपनी तरह की इस पहली एवं अनूठी पहल में बोकारो, भिलाई, राउरकेला, दुर्गापुर तथा इस्को (बर्नपुर) इस्पात संयंत्रों के डिजाइन एवं इंजीनियरिंग विशेषज्ञों ने सक्रिय सहभागिता की। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य अंतर-संयंत्र ज्ञान-साझाकरण, तकनीकी चुनौतियों के समाधान, श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों के आदान-प्रदान तथा आधुनिक इंजीनियरिंग पद्धतियों को साझा करने के लिए एक प्रभावी मंच उपलब्ध कराना था। समापन सत्र में अधिशासी निदेशक (संकार्य) मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ मुख्य महाप्रबंधक (टेक्नीकल सेल) सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

इस दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान विभिन्न संयंत्रों के प्रतिभागियों ने अपने अनुभव, तकनीकी ज्ञान, श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों एवं नवीन समाधानों को साझा किया। इस दौरान डिजाइन एवं इंजीनियरिंग से संबंधित तकनीकी चुनौतियों, उनके समाधान तथा प्रक्रियाओं में सुधार की संभावनाओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। समापन सत्र को संबोधित करते हुए अधिशासी निदेशक (संकार्य) ने तकनीकी सेल विभाग की इस अभिनव पहल की सराहना की और इसे इंजीनियरिंग क्षमता को नई दिशा प्रदान करने वाला महत्वपूर्ण एवं अनूठा कदम बताया। उन्होंने सेल की सभी इकाइयों के बीच सामूहिक ज्ञान-साझाकरण को बढ़ावा देने, श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों के मानकीकरण तथा तकनीकी क्षमताओं के निरंतर सुदृढ़ीकरण पर विशेष बल दिया। इस अवसर पर उन्होंने कार्यशाला के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों के विजेताओं एवं प्रतिभागी प्रतिनिधियों को सम्मानित भी किया।

समापन सत्र के दौरान मुख्य महाप्रबंधक (टेक्नीकल सेल) ने सेल की विभिन्न इकाइयों की वर्तमान डिजाइन क्षमताओं तथा सुधार की संभावनाओं से संबंधित एक रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने आधुनिक इंजीनियरिंग टूल्स एवं उन्नत सॉफ्टवेयर के प्रभावी उपयोग, तकनीकी दक्षताओं के विकास तथा अंतर-संयंत्र समन्वय को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए प्रस्तावित भावी कार्ययोजना की रूपरेखा भी साझा की।

यह कार्यशाला बोकारो इस्पात संयंत्र की तकनीकी उत्कृष्टता, नवोन्मेषी सोच एवं निरंतर सीखने की संस्कृति के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। साथ ही, यह सेल की विभिन्न इकाइयों के बीच अनुभव एवं श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों के आदान-प्रदान के माध्यम से एक मजबूत एवं सहयोगात्मक तकनीकी कार्य-संस्कृति विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रही।

नासिक के लक्ष्मी नारायण मंदिर की तर्ज पर सजेगा दुर्गा पूजा पंडाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। दुर्गा पूजा को लेकर बोकारो के सेक्टर-2/सी में तैयारियां जोर पकड़ने लगी हैं। दुर्गा पूजा मैदान में बल्ली पूजा और भूमि पूजन के साथ इस वर्ष के पूजा आयोजन का विधिवत शुभारंभ किया गया। पूजा कमिटी के पदाधिकारियों और सदस्यों ने पूजा-अर्चना कर सफल आयोजन की कामना की।

कमिटी के अध्यक्ष संदीप सिंह ने बताया कि इस बार श्रद्धालुओं के लिए करीब 15 लाख रुपये की लागत से नासिक के लक्ष्मी नारायण मंदिर की तर्ज पर भव्य पंडाल तैयार किया जाएगा।

माता की आकर्षक प्रतिमा आसनसोल से मंगाई जाएगी।

पूजा परिसर में बच्चों और श्रद्धालुओं के मनोरंजन के लिए विभिन्न प्रकार के झूले लगाए जाएंगे। वहीं, मीना बाजार में खरीदारी के साथ स्वादिष्ट व्यंजनों का भी आनंद मिलेगा। सुरक्षा को लेकर पूरे परिसर में उउळश कैमरे लगाए जाएंगे। कमिटी ने क्षेत्रवासियों से बड़ी संख्या में पहुंचकर पूजा में शामिल होने की अपील की है।

हिन्दी दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, छात्रों ने दिया भाषा सम्मान का संदेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। हिन्दी दिवस के अवसर पर सोमवार को संत जेवियर्स विद्यालय में हिन्दी भाषा के गौरव, महत्व और वर्तमान समय में उसकी प्रासंगिकता को लेकर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। हाई स्कूल एवं प्लस टू के विद्यार्थियों ने संयुक्त रूप से कविता-पाठ, नृत्य, अभिनय और संवादात्मक प्रस्तुतियां देकर हिन्दी के प्रति सम्मान और अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरूआत हिन्दी भाषा के प्रति सम्मान और गौरव की भावना के साथ हुई। विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर अरुण मिंज ने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को हिन्दी दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की एक प्रस्तुति विशेष रूप से विचारणीय रही, जिसमें आधुनिकता की दौड़ में अपनी भाषा से बढ़ती दूरी का सवाल उठाया गया। अंग्रेजी को आधुनिकता और हिन्दी को हीन समझने वाली मानसिकता पर विद्यार्थियों ने प्रभावशाली ढंग से संदेश दिया। प्रस्तुतियों के माध्यम से बताया गया कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी पहचान, संस्कृति और भावनाओं की अभिव्यक्ति भी है। नृत्य और अभिनय की मनमोहक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में रंग भर दिया। विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, भाव-भंगिमा और मंच संचालन की शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने सराहना की।

कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों ने संदेश दिया कि हिन्दी का सम्मान करने का अर्थ अन्य भाषाओं का विरोध करना नहीं, बल्कि अपनी भाषा और सांस्कृतिक विरासत के प्रति गौरव की भावना रखना है।

मिशन ब्लड डोनेशन कार्यक्रम आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। सर्वधर्म मेल-जोल अभियान के तहत मिशन हैप्पी धनबाद ट्रस्ट के अध्यक्ष मोहम्मद एजाज अली के नेतृत्व में बाईपास रोड स्थित आरबीएम मैरिज हॉल में मिशन ब्लड डोनेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा, गिरजाघर समेत अन्य धार्मिक स्थलों पर रक्तदाताओं का डाटा उपलब्ध कराना है, ताकि आपात स्थिति में जरूरतमंदों को तत्काल रक्त मिल सके।

अभियान के तहत धनबाद जिले में एक लाख रक्तदाताओं का डाटा तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। सिटी एसपी ऋतिक श्रीवास्तव, ग्रामीण एसपी एस.एम. याकूब और सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. संजीव कुमार ने अभियान की सराहना करते हुए जरूरतमंदों को निःशुल्क रक्त उपलब्ध कराने में सहयोग का भरोसा दिया।

सिटी एसपी ने युवाओं से रक्तदान के लिए आगे आने की अपील की। वहीं ग्रामीण एसपी ने कहा कि रक्तदाता का कोई मजहब नहीं होता, इसलिए सभी धर्मों के लोगों को अभियान से जुड़ना चाहिए। भूली ओपी प्रभारी विश्वजीत ठाकुर ने भी इस पहल को जरूरतमंदों के लिए उपयोगी बताया।

कार्यक्रम में विभिन्न समुदायों के लोगों ने भाग लिया। युवाओं ने पूरे जिले में अभियान को पहुंचाकर एक लाख रक्तदाताओं का डाटा तैयार करने का संकल्प लिया। अंत में उपस्थित लोगों ने सर्वधर्म मेल-जोल की शपथ ली और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

बहू की हत्या मामले में चार गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बलियापुर। बलियापुर थाना क्षेत्र के ढांगी पहाड़ी के पास युवती का सिर कटा शव मिलने के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस के मुताबिक, युवती की हत्या उसके प्रेम विवाह से नाराजगी के चलते साजिश रचकर की गई। मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि मुख्य साजिशकर्ता समेत कुछ अन्य आरोपी अब भी फरार हैं।

ढांगी पहाड़ी की तलहटी में 11 सितंबर को युवती का सिर कटा शव बरामद हुआ था। घटनास्थल से कुछ दूरी पर बोरे में बंद उसका सिर भी मिला था। जांच में मृतका की पहचान गिरिडीह जिले के बेगाबाद थाना क्षेत्र निवासी संदीप रवानी की पुत्री के रूप में हुई। वह 9 सितंबर से लापता थी। परिजनों की शिकायत पर बलियापुर थाना में कांड संख्या 155/2026 दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की।

प्रेम विवाह से नाराज था ससुर- पुलिस जांच में सामने आया कि युवती ने शीतलपुर निवासी कृष रवानी से प्रेम विवाह किया था। पुलिस के अनुसार, यह विवाह कृष के पिता संतोष रवानी को मंजूर नहीं था। आरोप है कि इसी नाराजगी में युवती को रास्ते से हटाने की साजिश रची गई और योजनाबद्ध तरीके से उसकी हत्या कर शव को ठिकाने लगाने का प्रयास किया गया।

सीसीटीवी और तकनीकी साक्ष्यों से खुला राज- सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने राजगंज निवासी जयराम रवानी, बलियापुर निवासी किशोर महतो, आलोमनी देवी और राम प्रसाद रजवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल धारदार छुरा, मृतका की चप्पल और पूजा सामग्री भी बरामद की है। पुलिस अब फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

साड़म में सात दिवसीय गणेश महोत्सव का शुभारंभ

तेनुघाट। गोमिया के साड़म में सात दिवसीय गणेश महोत्सव का भव्य शुभारंभ हो गया है। महोत्सव का उदघाटन पूजा समिति के अध्यक्ष प्रकाश लाल सिंह, उपाध्यक्ष सह जिप सदस्य आकाश लाल सिंह और क्षेत्र के थाना प्रभारियों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। बता दें कि साड़म-होसिर के पूजा समिति द्वारा भव्य पूजा पंडाल और आकर्षक मीना बाजार का निर्माण कराया गया है। इस अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष ने बताया कि सात दिनों तक श्रद्धालुओं के लिए विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। वहीं उन्होंने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद है। कहा कि साड़म का यह गणेश महोत्सव हर साल आस्था और आकर्षण का केंद्र बनता है, और इस बार का भव्य मीना बाजार बच्चों और युवाओं के लिए विशेष आकर्षण बना हुआ है।

डेंजर जोन के आधा दर्जन जर्जर आवासों को किया गया ध्वस्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कतरास। बाघमारा के रामकनाली ओपी क्षेत्र में अवैध कोयला खनन के दौरान मौत की घटना के दूसरे दिन सोमवार को प्रबंधन ने कार्रवाई तेज कर दी। ए.के.डब्ल्यू.एम.सी. के परियोजना पदाधिकारी जयंत कुमार, रामकनाली ओपी प्रभारी अलीशा कुमारी और सीआईएसएफ अधिकारियों व जवानों की मौजूदगी में खतरनाक क्षेत्र में स्थित करीब आधा दर्जन जर्जर आवासों को डोजरिंग कर ध्वस्त कर दिया गया।

परियोजना पदाधिकारी जयंत कुमार ने बताया कि संबंधित क्षेत्र पहले से ही डेंजर जोन घोषित है। सोमवार को खतरनाक क्षेत्र में आने-जाने के रास्ते की ट्रेंच कटिंग कर उसे बंद कर दिया गया। हालांकि उन्होंने रविवार को हुई भू-धंसान की घटना में तीन लोगों की मौत के दावे से इनकार किया है।

प्रबंधन के अनुसार प्रभावित मुंडा धौड़ा के लोगों को रामकनाली और जीरो सीम, तेतुलमारी में शिफ्ट कराया गया है। वहीं कुम्हार पट्टी के लोगों को भी सुरक्षित स्थान पर भेजने की प्रक्रिया जारी है। भविष्य में दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए जर्जर मकानों को ध्वस्त करने के साथ खतरनाक क्षेत्रों में चेतावनी बोर्ड लगाए जा रहे हैं। बेरिकेडिंग तार लगाने की भी तैयारी है। कार्रवाई के दौरान प्रबंधन, पुलिस और सीआईएसएफ के जवानों के साथ ग्रामीण भी मौजूद रहे। वहीं, रविवार की घटना के संबंध में रामकनाली ओपी में अब तक मामला दर्ज नहीं होने को लेकर सवाल भी उठ रहे हैं।

गणेश पूजनोत्सव को ले निकली भव्य कलश यात्रा

पेटरवार। प्रखंड के गुरूजुवा खत्री टोला में श्री सिद्धिविनायक गणेश पूजा ट्रस्ट की ओर से पांच दिवसीय गणेश पूजनोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। सोमवार को गणेश पूजा स्थल से राजा तालाब घाट तक भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इसमें बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। भगवान गणेश के जयकारों और भक्ति गीतों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा।

□बिजाथॉन क्विज□में बीएसएल की टीम का शानदार प्रदर्शन, जीता खिताब

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) की टीम ने अपनी त्वरित निर्णय क्षमता, व्यावसायिक समझ, रणनीतिक दृष्टिकोण एवं उत्कृष्ट टीमवर्क का प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए प्रतिष्ठित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, कलकत्ता (आईआईएम - कलकत्ता) द्वारा आयोजित लैटिस 2026 के अंतर्गत बिजाथॉन क्विज में प्रथम उपविजेता का खिताब हासिल किया है। 12 सितंबर 2026 को आयोजित इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न कॉरपोरेट संस्थानों तथा बिजनेस स्कूलों से 50 से अधिक टीमों ने भाग लिया।

बोकारो स्टील प्लांट का प्रतिनिधित्व सहायक महाप्रबंधक (गैस यूटिलिटीज) एस. डब्ल्यू. किस्पोट्टा एवं सहायक महाप्रबंधक (पीपीसी एवं एससी) आनंद राज ने किया। प्रतियोगिता के प्रारंभिक चरण में देशभर से शामिल टीमों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। चुनौतीपूर्ण प्रीलिम्स राउंड के बाद विभिन्न कॉरपोरेट संस्थानों एवं बिजनेस स्कूलों की केवल 8 सर्वश्रेष्ठ टीमों ने ग्रैंड फिनाले में प्रवेश किया, जिसमें बीएसएल की टीम ने भी अपनी जगह बनाई।

ग्रैंड फिनाले में बीएसएल टीम ने आत्मविश्वास एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय देते हुए अपनी त्वरित सोच एवं रणनीतिक दृष्टिकोण का व्यापक प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में एचसीएल की टीम ने विजेता तथा आईआईएम कलकत्ता की टीम ने तृतीय स्थान हासिल किया। इस उल्लेखनीय सफलता पर बीएसएल प्रबंधन ने एस. डब्ल्यू. किस्पोट्टा एवं आनंद राज को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

अनाजों से बनाई गई भगवान गणेश की आकर्षक छवि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत धनबाद जिले के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण दिवस और गणेश चतुर्थी के पावन पर्व का अनूठा समन्वय देखने को मिला। केंद्रों पर आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में पोषण भी, परंपरा भी के संदेश को जीवंत करते हुए बच्चों, आंगनबाड़ी सेविकाओं, सहायिकाओं एवं पोषण सखियों ने पूरे उत्साह के साथ सहभागिता दर्ज की। उत्सव के दौरान आंगनबाड़ी सेविकाओं और नन्हें-मुन्ने बच्चों ने विभिन्न प्रकार के पौष्टिक अनाजों, दालों एवं खाद्य सामग्रियों का उपयोग कर भगवान श्री गणेश की मनमोहक व आकर्षक आकृति बनाई। इस रचनात्मक गतिविधि के माध्यम से खेल-खेल में बच्चों को विभिन्न प्रकार के अनाजों के पोषक तत्वों और संतुलित आहार के महत्व से परिचित कराया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों को भी परिवार के खानपान में विविधता लाने, स्थानीय एवं मौसमी खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता देने तथा बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु पौष्टिक आहार अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। सांस्कृतिक परंपरा को पोषण जागरूकता से जोड़कर आयोजित किए गए इस नवाचार ने बच्चों में रचनात्मकता, सीखने की ललक और सामूहिक सहभागिता की भावना को सशक्त किया। पूरे जिले में यह पहल कुपोषण मुक्त समाज के निर्माण से जोड़ने का एक प्रभावशाली माध्यम बनी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा नवबिहार टाइम्स प्रिंटिंग प्रेस बियाडा परिसर, जसोइया, औरंगाबाद से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो, स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येन्द्र नगर, औरंगाबाद (बिहार),
स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नम्बर- 9431145865 7295863300
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/0/55
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com